# पंचम भाग में छपी वंशावली के ग्रामों की सूची


| क्रमांक | नाम ग्राम | पृष्ठ संख्या | जिला |
|---|---|---|---|
| 1. | बबियाँव | 67 | वाराणसी |
| 2. | अजगरा | 71 | वाराणसी |
| 3. | ताला | 91 | वाराणसी |
| 4. | बेला | 98 | वाराणसी |
| 5. | दुभितवाँ | | वाराणसी |
| 6. | चाहिन | 103 | वाराणसी |
| 7. | तराव | 104 | वाराणसी |
| 8 | खन्दहाँ | 109 | वाराणसी |
| 8. | हरदासीपुर | 113 | वाराणसी |
| 9. | रौना खुर्द | 122 | वाराणसी |
| 10. | रौना कला | 135 | वाराणसी |
| 11. | गड़सरा | | वाराणसी |
| 12. | डंगरुपुर | 138 | वाराणसी |
| 13 | बलरामपुर | 139 | वाराणसी |
| 14. | हड़ियाडीह | 142 | वाराणसी |
| 15. | धरसौना | 145 | वाराणसी |
| 16. | भक्तौल | 145 | वाराणसी |
| 17. | पुरा चन्दौली | 164 | वाराणसी |
| 18. | महदाँ प. पट्टी | 160 | वाराणसी |
| 19. | लोवावेग | | वाराणसी |
| 20. | नियार | 165 | वाराणसी |
| 21. | उधोरामपुर | 167 | वाराणसी |
| 22. | हथियर | 170 | वाराणसी |
| 23. | देवरिया | 171 | वाराणसी |
| 24. | मंगोलेपुर | 179 | वाराणसी |
| 25. | महदाँ | 183 | वाराणसी |
| 26. | रजला | 186 | वाराणसी |
| 27. | सुल्तानपुर | 200 | वाराणसी |
| 28. | मोहनदासपुर | 207 | वाराणसी |
| 29. | नियार | | वाराणसी |
| 30. | मुरेरी नियार | 225 | वाराणसी |
| 31. | कुरौली | 229 | वाराणसी |
| 32. | धूसाका पुरा | 230 | वाराणसी |
| 33. | खुटहाँ | 234 | वाराणसी |
| 34. | सिंहपुर | 236 | वाराणसी |
| 35. | भटपुरवाँ | 240 | वाराणसी |
| 36. | भदवाँ उग्रसेन पाही | 243 | वाराणसी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | दाउदपुर | 244 | |
| 34. | रसड़ा | 247 | वाराणसी |
| 35. | महमूदपुर | 253 | वाराणसी |
| 36. | बहेरी | 265 | वाराणसी |
| 37. | धौरहरा | 266 | वाराणसी |
| 38. | पलकहाँ | 275 | वाराणसी |
| 39. | हरिहरपुर | 278 | वाराणसी |
| 40. | चौबेपुर कला | 426 | वाराणसी |
| 41. | गुरवट | 436 | वाराणसी |
| 42. | कैथौर | 312 | वाराणसी |
| 43. | कुरौली | 314 | वाराणसी |
| 44. | परागडीह | 324 | वाराणसी |
| 45. | जगदीशपुर | 325 | वाराणसी |
| 46. | आयर | 25 | वाराणसी |
| 47. | कैथी | 329 | वाराणसी |
| 48. | कैथी | 333 | वाराणसी |
| 49. | पहाड़पुर | 348 | वाराणसी |
| 50. | अल्लोपुर | 350 | वाराणसी |
| 51. | लालमनकोट | 351 | वाराणसी |
| 52. | लक्ष्मीसेनपुर | 353 | वाराणसी |
| 53. | भदवां रामब्रह | 357 | वाराणसी |
| 54. | भदवाँ शुकनापट्टी | 358 | वाराणसी |
| 55. | परानापट्टी | 361 | वाराणसी |
| 56. | भदवाँ रायमल | 362 | वाराणसी |
| 57. | भीदूर | 368 | वाराणसी |
| 58. | महरुपुर | | वाराणसी |
| 59. | लाखी | 311 | वाराणसी |
| 60. | बरहपुर | | जौनपुर |
| 61. | रेहारी छावनी | | जौनपुर |
| 62. | रेहारी मसूदान | | जौनपुर |
| 63. | बड़वाँ द. पूरा | | जौनपुर |
| 64. | बड़वाँ उ.पूरा | | जौनपुर |
| 65. | भुड़कुड़ा | | जौनपुर |
| 66. | बहेरी | 265 | जौनपुर |
| 67. | चकरा | | जौनपुर |
| 68. | खेतरपाल | | जौनपुर |
| 69. | अखईपुर | 427 | जौनपुर |
| 70. | काटीकपुर | [illegible] | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 79. | कोपा | 369 | जौनपुर |
| 80. | बकटई | 253 | जौनपुर |
| 81. | भड़ार | 390 | जौनपुर |
| 82. | चिटको बड़कापूरा | 395 | जौनपुर |
| 83. | चिटको छोटकापुरा | 400 | जौनपुर |
| 84. | थुन्ही | 404 | जौनपुर |
| 85. | सेनापुर विशुनराय | 407 | जौनपुर |
| 86. | सेनापुर सुल्तान | 411 | जौनपुर |
| 87. | तेजपुर | 413 | जौनपुर |
| 88. | विशुनपुर भूपाल | 416 | जौनपुर |
| 89.72. | हिसामपुर हरखूराम | | जौनपुर |
| 73. | हिसामपुर भूपाल | | जौनपुर |
| 74. | महदेवाँ | 442 | जौनपुर |
| 75. | गोठौली | 433 | जौनपुर |
| बलिरामपुर | जौनपुर | 433 | |
| 90. | पड़रक्षा | 435 | जौनपुर |
| 91. | भक्तौली | 446 | जौनपुर |
| 92. | रामपुर | 437 | गाजीपुर |
| 93. | चकिया मसोर | 446 | गाजीपुर |
| 94. | नायकडीह | 445 | गाजीपुर |
| 95. | ठेहुना | 448 | गाजीपुर |
| 96. | नवदर | 448 | गाजीपुर |
| 97. | डेवढ़ी | 449 | गाजीपुर |
| 98. | इमिलिया | 346 | गाजीपुर |
| 99. | रामपुर बलभद्र | | गाजीपुर |
| 100. | जाँही | 426 | गाजीपुर |
| 101. | गजाधरपुर | 354 | गाजीपुर |
| 102. | हथौड़ी | 357 | गाजीपुर |
| 103. | खानपुर | 357 | गाजीपुर |
| 104. | दुबैठा | 372 | गाजीपुर |
| 105. | कुड़री सेमरा | | गाजीपुर |
| 106. | खानपुर | | गाजीपुर |
| 107. | खानपुर | | गाजीपुर |
| 108. | नेवादा | | गाजीपुर |
| 109. | कुड़वां | | गाजीपुर |
| 110. | सरायसुल्तान | | गाजीपुर |

पृष्ठ संख्या

पत्नीक 144
पत्नीक 115
पत्नीक 114
पत्नीक 113
पत्नीक 115
पितृभक्ति 110
पितृभक्ति 144
पितृभक्ति 145
बेबाक 147
बेबाक 144
वीरपुत्र 146
पत्नीक 457
वीरपुत्र 458
वीरपुत्र 455
वीरपुत्र 460
सम्पन्नता 460
सदाचारी 463
वीरपुत्र 463
465

पुत्र
विश्वास 113
पितृभक्त 113
संगति 115
प्रतिज्ञा 116
अहंकार 116
कुमुद 118
कुमुद 119
प्रतिमूर्ति 118
सम्राट 117
पत्नीव्रत 119
दीक्षा 120
कर्तव्यपरायणा 121
वीरांगना पुत्री 122
समृद्धशाली 123
धर्मनिष्ठ 124
दैवीय शक्ति सम्पन्न 125
आदर्श 126
127

85
85
86
86
86
86
87
89
88
81
82
83
84
85
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107

# द्वितीय भाग में छपी वंशावली के ग्रामों की सूची

| क्र. | नाम ग्राम | जिला |
|---|---|---|
| 1. | बर्थरा कलाँ | वाराणसी |
| 2. | महुअर | चन्दौली |
| 3. | कैथी | चन्दौली |
| 4. | डेरवाँखुर्द | चन्दौली |
| 5. | गजाधरपुर | गाजीपुर |
| 6. | भोपापुर | वाराणसी |
| 7. | सहेपुर | चन्दौली |
| 8. | बल्लीपुर | चन्दौली |
| 9. | महमदपुर | चन्दौली |
| 10. | रामगढ़ | चन्दौली |
| 11. | पर्वतपुर | वाराणसी |
| 12. | बुधवार | चन्दौली |
| 13. | नियमताबाद | चन्दौली |
| 14. | मझवार | चन्दौली |
| 15. | फुटियां | चन्दौली |
| 16. | नवहीं | चन्दौली |
| 17. | छोटी पियरी | वाराणसी |
| 18. | सरांय | चन्दौली |
| 19. | तेतारपुर | गाजीपुर |
| 20. | रेवनी | बक्सर |
| 21. | गढ़वां | चन्दौली |
| 22. | मुड़हुवा | चन्दौली |
| 23. | सलेमपुर | चन्दौली |
| 24. | चनहटा | चन्दौली |
| 25. | धूरकोट | चन्दौली |

| | | |
|---|---|---|
| | मड़ई, बानगंज | वाराणसी |
| | सुआरी | वाराणसी |
| 26. | छपरा | चन्दौली |
| 27. | गोरारी | चन्दौली |
| 28. | अकोढ़ा | चन्दौली |
| 29. | रघुनाथपुर | चन्दौली |
| 30. | खुरहुजा | चन्दौली |
| 31. | ढूण्ढापुर | चन्दौली |
| 32. | हरिहरपुर | जौनपुर |
| 33. | घोरहा | वाराणसी |
| 34. | करनेहुवां | जौनपुर |
| 35. | रघुनाथपुर | जौनपुर |
| 36. | टेकुरी | वाराणसी |
| 37. | सिधौना | वाराणसी |
| 38. | बांसनारी नदी का तीर | गाजीपुर |
| 39. | बम्बावन | जौनपुर |
| 40. | दशवतपुर | जौनपुर |
| 41. | खरौना | जौनपुर |
| 42. | नुरदीपुर | गाजीपुर |
| 43. | पकड़ी | गाजीपुर |
| 44. | खानपुर | आजमगढ़ |
| 45. | पतार | गाजीपुर |
| 46. | भन्दहां | गाजीपुर |
| 47. | फरदहां | वाराणसी |
| 48. | कटारी | गाजीपुर |
| 49. | नूरदीपुर छावनी | वाराणसी |
| 50. | धमवल | गाजीपुर |
| 51. | | गाजीपुर |
| 52. | | |

| | | |
|---|---|---|
| 53. | मढ़िहाँ | गाजीपुर |
| 54. | अमैना | गाजीपुर |
| 55. | चिउरापुर | वाराणसी |
| 56. | बाबतपुर | वाराणसी |
| 57. | कादीपुर | वाराणसी |
| 58. | विसुन्धरी | चन्दौली |
| 59. | बमावन अधियारी | जौनपुर |
| 60. | बासनारी सड़क | जौनपुर |
| 61. | घुड़दौड़ | जौनपुर |
| 62. | सहडीह | वाराणसी |
| 63. | गौरा | वाराणसी |
| 64. | गोराई | वाराणसी |
| 65. | तेवर | वाराणसी |
| 66. | पीथापुर | चंदौली |
| 67. | सेमरा मड़ई | चंदौली |
| 68. | लक्ष्मीसेनपुर | वाराणसी |
| 69. | बेला | चंदौली |
| 70. | उतड़ी | चंदौली |
| 71. | गोड़िया | वाराणसी |
| 72. | सर्वतीपुर | चंदौली |
| 73. | नारेपर | चंदौली |
| 74. | चांदेपुर खालेकपुरा | जौनपुर |
| 75. | नरकटा | जौनपुर |
| 76. | बांसमारी टड़िया | जौनपुर |
| 77. | कमौली | वाराणसी |
| 78. | दीनापुर | वाराणसी |
| 79. | भक्तौली | जौनपुर |

| | | |
|---|---|---|
| 80. | [illegible] | जौनपुर |
| 81. | [illegible] | जौनपुर |
| 82. | [illegible] | जौनपुर |
| 83. | पूरेरा | चंदौली |
| 84. | अम्बपुर | चंदौली |
| 85. | खिंवारपुर | गाजीपुर |
| 86. | बंगेरवा कछवान मे | जौनपुर |
| 87. | अमुवां | जौनपुर |
| 88. | पारापट्टी | जौनपुर |
| 89. | देवराई | जौनपुर |
| 90. | डोभी | जौनपुर |
| 91. | बगेरवां | जौनपुर |
| 92. | हरदासीपुर | जौनपुर |
| 93. | सतमेसरा | जौनपुर |
| 94. | ब्राह्मण | जौनपुर |
| 95. | विक्रमपुर | जौनपुर |
| 96. | कोइलारी | जौनपुर |
| 97. | अहवतपुर | जौनपुर |
| 98. | बर्थराकलां | वाराणसी |
| 99. | मजिदहाँ | चन्दौली |
| 100. | गुरुवट | वाराणसी |
| 101. | मढ़ीबाबा का पुरा | जौनपुर |
| 102. | नियामतपुर | मिर्जापुर |
| 103. | बुड़वां | वाराणसी |
| 104. | रामगाँव | वाराणसी |
| 105. | टाण्डाकलां | चन्दौली |
| 106. | सोनबरसा | चन्दौली |

| | | |
|---|---|---|
| 107. | लक्षीरामपुर | वाराणसी |
| 108. | अनेई | वाराणसी |
| 109. | उदयचन्दपुर | जौनपुर |
| 110. | अईली | वाराणसी |
| 111. | भदिवाँ | वाराणसी |
| 112. | सिरीत्ती | वाराणसी |
| 113. | छितौनी | वाराणसी |
| 114. | हरधन मड़ई | चन्दौली |
| 115. | विशेशरपुर | चन्दौली |
| 116. | मटियरा | चन्दौली |
| 117. | बलुआ | चन्दौली |
| 118. | महरखां | चन्दौली |
| 119. | महुअर मिसिरगाढ़ा | चन्दौली |
| 120. | जबरनपुर | जौनपुर |
| 121. | अमौली | वाराणसी |
| 122. | हरिदासपुर | वाराणसी |
| 123. | भोहर | वाराणसी |
| 124. | हरधन | चन्दौली |

## भाग 3 रघुवंश वंशावली ग्रामों की सूची

| क्रमांक | नाम ग्राम | जिला |
|---|---|---|
| 1. | बड़ी मढ़ी | जौनपुर |
| 2. | छोटी मढ़ी | जौनपुर |
| 3. | सरसौल | वाराणसी |
| 4. | सरसौठ प. का पूरा | वाराणसी |
| 5. | शिवदशा | वाराणसी |

| | | |
|---|---|---|
| | सराय | चन्दौली |
| 6. | जाल्हूपुर धौरहरा | वाराणसी |
| 7. | अम्बा | वाराणसी |
| 8. | जाल्हूपुर | वाराणसी |
| 9. | मुस्तफाबाद | वाराणसी |
| 10. | गोबरहा | वाराणसी |
| 11. | मोकलपुर | वाराणसी |
| 12. | खरगीपुर | वाराणसी |
| 13. | मुनारी | वाराणसी |
| 14. | डुबकियां | वाराणसी |
| 15. | उमरहां | वाराणसी |
| 16. | सुल्तापुर | वाराणसी |
| 17. | शंकरपुर | वाराणसी |
| 18. | बड़ी पियरी | वाराणसी |
| 19. | सुल्तापुर | वाराणसी |
| 20. | बरियासनपुर | वाराणसी |
| 21. | मलिकपूरा | गाजीपुर |
| 22. | फत्तेपुर | वाराणसी |
| 23. | नन्दगंज | गाजीपुर |
| 24. | सिझुआ | रोहतास बिहार |
| 25. | धौरहरा | चन्दौली |
| 26. | महुआरी | रोहतास |
| 27. | सोनहुल | चन्दौली |
| 28. | बरहनी | चन्दौली |
| 29. | विजांव | संतरविदासनगर |
| 30. | रजऊ | भागलपुर बिहार |

| | | |
|---|---|---|
| 32. | तरइथा | रोहतास बिहार |
| 33. | कम्हरिया | चन्दौली |
| 34. | अल्लोपुर | वाराणसी |
| 35. | कल्याणपुर | चन्दौली |
| 36. | सिंहपुर | वाराणसी |
| 37. | नई कोट | चन्दौली |
| 38. | त्रिपाट | चन्दौली |
| 39. | चौबेपुर कला | वाराणसी |
| 40. | इटहाँ | गाजीपुर |
| 41. | बहेरी | गाजीपुर |
| 42. | बराई | वाराणसी |
| 43. | जगदीशपुर | वाराणसी |
| 44. | पोखरी | चन्दौली |
| 45. | चन्दौली | चन्दौली |
| 46. | संघती | चन्दौली |
| 47. | पसाही | चन्दौली |
| 48. | दारानगर | वाराणसी |
| 49. | चन्दौली कोट | चन्दौली |
| 50. | इसरवार | वाराणसी |
| 51. | हिनौता | चन्दौली |
| 52. | प्रतापपुर | चन्दौली |
| 53. | रामपुर मांझा | गाजीपुर |
| 54. | सदलपुरा | चन्दौली |
| 55. | वभनपुरा | वाराणसी |
| 56. | बीजवाँ | गाजीपुर |
| 57. | अण्डमान निकोबार | |

| | | |
|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | [illegible] | [illegible] |

| | | |
|---|---|---|
| 58. | [illegible] | चन्दौली |
| 59. | [illegible] | चन्दौली |
| 60. | [illegible] | [illegible] |
| 61. | [illegible] | चन्दौली |
| 62. | [illegible] | चन्दौली |
| 63. | [illegible] | गाजीपुर |
| 64. | [illegible] | चन्दौली |
| 65. | [illegible] | जौनपुर |
| 66. | [illegible] | चन्दौली |
| 67. | [illegible] | चन्दौली |
| 68. | [illegible] | औरंगाबाद बिहार |
| 69. | मझवां | चन्दौली |
| 70. | [illegible] | चन्दौली |
| 71. | रैया | चन्दौली |
| 72. | बिधौरा | बक्सर बिहार |
| 73. | विजयनगरम | |
| 74. | बहलोला | औरंगाबाद |
| 75. | फतेपुर | चन्दौली |
| 76. | बिरना | चन्दौली |
| 77. | अण्डमान | |
| 78. | मचवास | चन्दौली |
| 79. | सिहोरिया | रोहतास बिहार |
| 80. | तरसी | वाराणसी |
| 81. | जखांव | संतरविदासनगर |
| 82. | बिहरा | बिहार |
| 83. | बबुरा | मिर्जापुर |

| | | |
|---|---|---|
| 84. | कबरा | बरेली |
| 85. | परसना | जौनपुर |
| 86. | सलेमपुर | आजमगढ़ |
| 87. | कटसरा | आजमगढ़ |
| 88. | भदोखर | बरेली |
| 89. | कुसुमही | गाजीपुर |
| 90. | विहियां | बक्सर |
| 91. | बरईपुर | मिर्जापुर |
| 92. | बड़ौरा | रोहतास |
| 93. | महोली | आजमगढ़ |
| 94. | विनोदपुर | मऊ |
| 95. | गरगजेपुर | मऊ |
| 96. | मीरपुर | गाजीपुर |
| 97. | श्रावस्ती | श्रावस्ती |
| 98. | करमपुर | गाजीपुर |
| 99. | सूरजपुरा | रोहतास |
| 100. | आमर | आरा बिहार |
| 101. | अरियाँव | भोजपुर |
| 102. | मुंगेर | मुंगेर |
| 103. | बेतिया | बिहार |
| 104. | पुरवाँ | चन्दौली |
| 105. | भागलपुर | भागलपुर |
| 106. | जमुई | आजमगढ़ |
| 107. | दुबई | दुबई |
| 108. | मेदनीपुर | बंगाल |
| 109. | शाहकुण्ड | भागलपुर |

| | | |
|---|---|---|
| | अम्बिकापुर | छत्तीसगढ़ |
| 110. | भागलपुर | भागलपुर |
| 111. | रंगून | रंगून |
| 112. | मझनपुर | गाजीपुर |
| 113. | सलेमपुर | चन्दौली |
| 114. | महेवाँ | चन्दौली |
| 115. | नैनीताल | नैनीताल |
| 116. | अण्डमान | अण्डमान |
| 117. | कानपुर | कानपुर |
| 118. | नेपाल | नेपाल |
| 119. | अरब | अरब |
| 120. | अमेरिका | अमेरिका |
| 121. | कुकुढ़ा | वाराणसी |
| 122. | लक्ष्मणगढ़ | चन्दौली |
| 123. | सिगारपुर | गाजीपुर |
| 124. | चाँदपुर | गाजीपुर |
| 125. | सरायसुल्तान | गाजीपुर |
| 126. | मढ़ी बाबा का पूरा | जौनपुर |
| 127. | हथौड़ी | गाजीपुर |
| 128. | राजवारी | वाराणसी |
| 129. | सहजौर | चन्दौली |
| 130. | सिहोरी चाँद | रोहतास |
| 131. | मुसियाँ | रोहतास |
| 132. | सिसौड़ा | रोहतास |
| 133. | धनऊर | चन्दौली |
| 134. | दिघवट | चन्दौली |

| | | |
|---|---|---|
| 136. | वसगाँवां | चन्दौली |
| 137. | मद्धूपुर | चन्दौली |
| 138. | घोघवां | गाजीपुर |
| 139. | खानपुर | गाजीपुर |
| 140. | महुअर | चन्दौला |
| 141. | हरदासीपुर | वाराणसी |
| 142. | शषना | गाजीपुर |
| 143. | चन्दवक | जौनपुर |
| 144. | कछवन बगीचा | जौनपुर |
| 145. | इटहरा | जौनपुर |
| 146. | सलेमपुर | चन्दौली |
| 147. | राधाखांड | रोहतास |
| 148. | कछवन पूरब का पूरा | जौनपुर |
| 149. | प्रभुपुर | चन्दौली |
| 150. | धुस्का | गाजीपुर |
| 151. | रानेपुर | चन्दौली |
| 152. | भदवाँ | वाराणसी |
| 153. | अजयपूरा | देवरिया |
| 154. | बन्तरी | जौनपुर |
| 155. | लक्ष्मणगढ़ | चन्दौली |
| 156. | अनेकपुर | जौनपुर |
| 157. | जीयनपुरा | चन्दौली |
| 158. | खुज्झी | जौनपुर |
| 159. | भीमपुर | जौनपुर |
| 160. | लीलापुर | रोहतास |
| 161. | भूसी | चन्दौली |

| | | |
|---|---|---|
| 162. | गोरारी | चन्दौली |
| 163. | मोहनपुरा | गाजीपुर |
| 164. | टेल्हरा | चन्दौली |
| 165. | अमड़ा | चन्दौली |
| 166. | नोखा | बिहार |
| 167. | शुद्धीपुर | वाराणसी |
| 168. | हवुसहीं | जौनपुर |

## भाग 4 रघुवंश वंशावली ग्रामों की सूची

| क्रमांक | नाम ग्राम | जिला | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | नोनमटिया | जौनपुर | 65 |
| 2. | चन्द्रावती | बनारस | 65 |
| 3. | विसौरी | जौनपुर | 72 |
| 4. | कुसरना | जौनपुर | 85 |
| 5. | चकरा | जौनपुर | 95 |
| 6. | भुजहुंआ | जौनपुर | 95 |
| 7. | अमरौना | जौनपुर | 96 |
| 8. | चकमाधोराय (वरौटी) | जौनपुर | 97 |
| 9. | भरथीपुर | आजमगढ़ | 97 |
| 10. | बरमलपुर | जौनपुर | 98 |
| 11. | घोट्ठा | जौनपुर | 106 |
| 12. | ककरापार | जौनपुर | 106 |
| 13. | बीरी बारी | जौनपुर | 110 |
| 14. | मुकुरीपुर | जौनपुर | 110 |
| 15. | अमरा दक्षिणी | जौनपुर | 115 |
| 16. | जमुनी बारी | जौनपुर | 115 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 17. | बेनूपुर | आजमगढ़ | 121 |
| 18. | परसौली | जौनपुर | 134 |
| 19. | भड़ेवल | चन्दौली | 134 |
| 20. | मुहम्मदाबाद | गाजीपुर | 134 |
| 21. | सथवाँ | वाराणसी | 135 |
| 22. | टँड़िया | वाराणसी | 136 |
| 23. | घोड़सारी | चन्दौली | 137 |
| 24. | गरथौली छावनी | वाराणसी | 139 |
| 25. | उचहुआ | गाजीपुर | 140 |
| 26. | फुलवारी कला | गाजीपुर | 141 |
| 27. | घोड़सर खुर्द | जौनपुर | 142 |
| 28. | पोखरा | जौनपुर | 151 |
| 29. | कछवन उत्तर का पूरा | जौनपुर | 154 |
| 30. | मेढ़वा (पंचगंगापुर) | चन्दौली | 158 |
| 31. | पौरा | बिहार | 158 |
| 32. | बरहनी | बिहार | 164 |
| 33. | जगरिया | बिहार | 164 |
| 34. | जमुई | आजमगढ़ | 165 |
| 35. | रेहारी छावनी | जौनपुर | 166 |
| 36. | जम्मू कश्मीर में बसे रघुवंशी परिवार के राजाओं का विवरण | | 167 |
| 37. | चाँदिपुर खाले का पूरा | जौनपुर | 168 |
| 38. | आजमगढ़ | --- | 169 |
| 39. | सिंगापुर | --- | 170 |
| 40. | बड़ागाँव | गाजीपुर | 170 |
| 41. | जयनगर | --- | 170 |
| 42. | मौधा | गाजीपुर | 170 |

| | | |
|---|---|---|
| 43. | झाँसी | ---- |
| 44. | विरौली | ---- |
| 45. | बनकेगाँव | ---- |
| 46. | बरेली | ---- |
| 47. | मरुई | चन्दौली |
| 48. | भतीजा | चन्दौली |
| 49. | भगतपुरा | वाराणसी |
| 50. | दीघवट | चन्दौली |
| 51. | सराय साई | चन्दौली |
| 52. | बरवरा खुर्द जिला- | वौराणसी |

# पूर्व लेखक का वंश परिचय

ग्रन्थकर्ता वंशी कवि ब्रह्मभट्ट वंदीजन कुलोत्पन्न है। सरस्वती की आराधना करने वाले वाणी जन कहलाये। सम्वत् 1207 में बाबा नयन देव काशी तपस्या करने आये। सम्वत् 1212 में उनकी शादी राजा बन्दार की कन्या इन्दुमती से होना निश्चित हुआ। शादी कराने हेतु दो पुरोहितों को अयोध्या में नयनदेव बुलवाये। पं. जंगदेव चौबे तता हाथीराम कवि। शादी के बाद तीनों लोग नियार में बसे।

हाथीराम कवि के झण्डाराम के पताकाराम के मंगलराम के मनोहर राम के लालकवि, गंग कवि तथा धुरंधर कवि थे। उनकी कविता का एक उदाहरण निम्नलिखित है—

एक बार गंग कवि दिल्ली दरबार में गये। बादशाह पूछा तुम कौन हो। गंग कवि ने कहा मैं कवि हूँ। कविता के माध्यम से समस्या की पूर्ति करता हूँ जिन्हें न देखा है न सुना है।

दूसरे दिन बादशाह अपने महल में गया जहाँ चन्दन की चौकी पर नग्न होकर उसकी पटरानी स्नान कर रही थी। बादशाह को देखकर भाग गई। बादशाह निम्न समस्या हेतु कवि से कहा—

एक हाथ कुंच धरे एक हाथ जंघिया

गंग ने तुरन्त पूर्ति कर दिया—

एक समय गोरी जी नहाने का समाज कियो,
एक ओर सखी और एक ओर सखियाँ।
मोतिन की माला उतार दियो अंग बीच,
अंग से उतार डारयो अंगन की अंगिया।
गौरी स्नान बीच लालन जी आई परयो,
चारों ओर चितवन मन उमगि सो अगियाँ।
कहै कवि गंग चली चन्दन की चौकी तजि,
एक हाथ कुंच धरे एक हाथ जंघिया।।

बादशाह चन्दन की चौकी शब्द सुनकर उसे महल का चोर समझ कारागार में बन्द करा दिया। इसके बाद बादशाह कई बार कवि से समस्या की पूर्ति कराया।

एक दिन बादशाह नदी में शिकार खेलने जा रहा था कवि गंग से पूछा आज क्या फंसेगा। कवि के मुँह से निकला तित्तिल। कवि की जिह्वा पर सरस्वती का वास रहता था। सरस्वती को पानी में तित्तिल बनकर फंसना पड़ा। उसी समय देवी ने श्राप दिया कि अभी तक तो चौबीसों घंटे तुम लोगों की जिह्वा पर रहती थी और तुम लोग जानते थे पर अब 2 घंटे रहूँगी और तुम लोगों को पता नहीं चलेगा।

गंग कवि के भानदत्त के ब्रह्मदत्त के श्री राम के मनीराम के महेश के चार पुत्रों—

1. मतीराम
2. आन्ही के वंशज कोपा में बसे हैं।
3. कुबेर के वंशज दुमितवाँ में बसे हैं।
4. शंकर दत्त के वंशज डेरवा और मुनारी में बसे हैं।

1. मतीराम के बलिराम के (1) लाखराम (2) अनूपा के वंशज नुर्दीपुर और टेकुरी में बसे है।

1. लाखा के सुफल के शिवसहाय के पदारथ के वंशी कवि के सन्तराम इनके वंशज नियार में बसे थे।

यही वंशी कवि अपने पूर्वजों द्वारा लिखे तथा स्वयं घूम-घूम कर रघुवंश वंशावली तैयार कर छपवायी और उनके पुत्र सन्तराम ने प्रकाशक का कार्य किया।

वंशी कवि के हम सभी रघुवंशी आभारी हैं उन्होंने हमारे अतीत को अमर रखा।

स्व. जयशंकर प्रसाद ग्राम नुरदीपुर के भी आभारी हैं जिन्होंने वंशी कवि द्वारा हस्तलिखित वंशावली का भाग-2 हमें उपलब्ध कराया।

मंडित जंगदेव चौबे के वंशज—

जंगदेव चौबे के जागनिक महराज पुत्ररत्न हुए। इन्हीं के वंशज कश्यप गोत्र के नाम से डोभी और कटेहर परगना में बसे हैं। जैसे बाबतपुर, नियार, कुरौली, बहिरी, रेहारी, कोपा, हथियर, चौबेपुर, मुरेरी, हाजीपुर, तेवर, रुपचन्दपुर, करमा, भदवाँ, अजगरा, मोहनदासपुर, हरिहरपुर आदि ग्रामों में बसे हैं।

# मंगलाचरण श्लोक

**लम्बोदर करिवर सुशील वंदनम् भालेलसत् चन्द्रमा।**

**पूज्याम आद्य अनाद्य शंकर सुतौ रज्ञ सदा मंगलम् ॥**

**नीलाम्ज श्यामल कोमलांगम् समारोपित वाम भागम्।**

**पाणौ महा सायक चारू चापं नमामि रघुवंशनाथम् ॥**

कवि वंशी रघुवंश के कविकुल शिरोमणि पूर्वजों की प्राचीन प्रतियो के अनुकूल सम्वत् 1999 में देव अंश प्रारंभ किये।

**आदि शक्ति श्री शारदा सुमिरन करू मनाई।**

**लिखे प्रति वंशावली, जन लखि करौ सहाई॥**

**देववंश रघुवंश कुल, लिखू नाम धरि ध्यान।**

**श्रुत पुराण आगम निगम, जासु करैं गुणगान ॥**

**अथ श्री देव अंश–**

आदि निरंकार— 1. ओंकार 2. तोय 3. कमल 4. ब्रह्मा 5. मरीची 6. कश्य 7. सूर्य यही कश्यप गोत्र तथा सूर्यकुल निश्चित हुआ।

8. अश्वनी कुमार 9. श्रद्धदेव 10. मनु इन्हीं मनु सतरूपा से सृष्टि आरम्भ हुई। मनु के दस पुत्र।

11. (1) इक्ष्वाकु (2) काव (3) करुषक (4) धृष्ठ (5) नाभांग (6) शर्माति (7) नृग (8) नार व्यन्त (9) दिष्ट (10) पृषध।

(1) इक्ष्वाकु के सौ पुत्र हुए। सौ पुत्रों के वंशज सूर्यवंश के नाम से प्रसिद्ध हुए। इक्ष्वाकु के सबसे बड़े पुत्र का नाम विकुक्षी था। इन्हीं से यह वंश अपने वंशजों की कड़ी आगे बढ़ाई।

12. विकुक्षी के 13. अनुरंजन के 14. प्रधन्वा के 15. पृथु के 16. चन्द्र के 17.

दृगपाल के, 18. सुरंजै के 19. पुरंजै के 20. महाजै के 21. वृगदत्त के 22. इन्द्र के 23. सम्भूत के 24. धर्मपाणि के 25. करीर के 26. युवा नाथ के 27. मानधाता के 28. त्रिसंत के 29. हरिश्चन्द्र के 30 हरिदास के 31. रूपमंगद के 32. धर्मगद के 33. विजयराज के 34. सुतक्ष के 35. नाक्रीत के 36. वकीरकन्द के 37. सगर के 38. असमंजस के 39. अंशुमान के 40. दिलीप के 41. भागीरथी जो गंगा जी को अपने पूर्वजनों के तारने हेतु अखण्ड तपस्या करके पृथ्वी पर लाये। 42. काकुस्थ के 43. रावण भंग के 44. धुरंधर के 45. अहितास के 46. बलधाम के 47. अम्बरीष के 48. पुन्यरीक के 49. उछाहल के 50. कमल मुख्या के 51. मित्र सहोदर के 52. पुन्य सहोदर के 53. अस्मर्क के 54. मूलमहीय यहाँ से सतयुग बीत गया और इस राजा ने त्रेता के प्रारम्भ में राज्य किया। जिससे इनका नाम मूलमहीप पड़ा। 55. मैनरीक के 56. कवच के 57. दशरथ के 58. अनुगा के 59. दूर विला के 60. विश्वास के 61. वीरभान के 62. असमेश्वर के 63. महादान के 64. भुवनेश्वर के 65. धर्मध्वज के 66. ताम्रध्वज के 67. सुविक्रमा के 68. बैजनाथ के 69. शम्भूपति के 70. धुंधराज के 71. निसंश के 72. त्रिशंस के 73. बहसी कर्ण के 74. चित्रसेन के 75. अजमेजय के 76. दिलीप के 77. रघु के।

# महाराजा रघु

कोशल राज्य के सूर्यवंशी महाराजाओं की लम्बी शृंखला में महाराजा रघु का एक विशिष्ट स्थान है। उन्होंने अपने यशस्वी पिता महाराज दिलीप की विरासत को आगे बढ़ाया।

महाराजा रघु के जन्म के पूर्व की कहानी —

महाराजा दिलीप एक चक्रवर्ती महाराजा थे। उनके पास यश और प्रतिष्ठा की विपुल थाती थी। उनके कई रानियाँ थी किन्तु कोई पुत्र नहीं था। वे प्रायः चिन्तित रहते थे कि पुत्र के अभाव में पितृऋण से वे कभी मुक्त नहीं हो सकेंगे और उनके बाद पितरों को अर्घ्य अर्पण करने वाला उनके वंश में कोई नहीं रहेगा। सभी रानियों में उन्हें मगध की राजकुमारी सुदक्षिणा से विशेष प्रेम था। उन पर उनकी विशेष आसक्ति थी। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि महारानी सुदक्षिणा की कोख से एक पुत्र पैदा हो जाए तो सूर्यवंश की वंश परम्परा को आगे भी जारी रख सके।

महाराजा दिलीप और महारानी सुदक्षिणा आपस में विचार-विमर्श करके समस्या का समाधान पाने के लिये कुल-गुरु वशिष्ठ के आश्रम की ओर चल पड़े। केवल रथ का सारथी ही उनके साथ था। महाराजा दिलीप सपत्नी आश्रम पहुँच गये। दोनों कुलगुरु एवं गुरु पत्नी देवी अरुन्धती का चरण स्पर्श करके सादर अभिवादन किया। कुलगुरू राजर्षि और महारानी का स्वागत करते हुए उनकी उचित सेवा की व्यवस्था कर दी।

मुनि वशिष्ठ जी राजा से आगमन का कारण पूछा। राजा ने अपनी व्यथा सुना दी। कुछ क्षणों के लिए कुलगुरू वशिष्ठ ने पुत्र न प्राप्त होने का कारण बताया। वशिष्ठ जी ने राजर्षि से कहा—राजन एक बार आप इन्द्रदेव से मिलने गये थे। लौटते समय रास्ते में कल्पवृक्ष के नीचे विश्राम कर रही कामधेनु को आपने किसी विचारमंथन में अति तल्लीन हो जाने के कारण देखा नहीं। आप कामधेनु ने इसे अपनी उपेक्षा और अवमानना समझा और उसने श्राम दे दिया कि जब तक आप उसकी पुत्री नन्दिनी की सेवा और आराधना नहीं करेंगे आपको पुत्र-प्राप्ति नहीं होगी। उसी क्षण नन्दिनी भी वन से आश्रम आ गई। इसे शुभ लक्षण मानते हुए वशिष्ठ जी ने राजर्षि दम्पति को नन्दिनी की सेवा तथा पूजा-अर्चना का विधान विस्तार से समझा दिया। राजर्षि दम्पति के लिए व्रत के नियमानुसार एक पर्ण कुटी, कुश की चटाई एवं कन्द मूल भोजन की व्यवस्था कुलगुरू ने कर दी।

अगले दिन प्रातः से ही नन्दिनी की सेवा और पूजा आरम्भ हो गई। राजर्षि दम्पत्ति व्रत

के निर्देशानुसार ब्रह्मचर्य जीवन व्यतीत करते हुए नन्दिनी की सेवा में लग गये। जब नन्दिनी जब वन के लिए प्रस्थान करती तो महारानी नन्दिनी के मस्तक पर टीका लगाती और उसकी पूजा कर उसके साथ आश्रम के द्वार तक आती और राजर्षि के साथ नन्दिनी विदा कर आश्रम लौट आती। राजर्षि नन्दिनी के साथ वन जाते और उसी के साथ संध्या लौटते समय आश्रम के द्वार पर महारानी सुदक्षिणा नन्दिनी का स्वागत करती राजर्षि के साथ उसे आश्रम तक ले आती। आश्रम में भी नन्दिनी के भोजन एवं शयन व्यवस्था का उत्तर दायित्व राजर्षि दम्पति पर ही था। नन्दिनी के सो जाने पर ही महाराज दिलीप और महारानी सुदक्षिणा अपनी पर्णकुटी में जाते।

राजर्षि दम्पति ने अपनी सम्पूर्ण निष्ठा और आस्था से प्रतिदिन नन्दिनी की सेवा की। इस प्रकार 21 दिन बीत गये। 22वें दिन नन्दिनी के मन में विचार आया कि क्यों न राजर्षि की निष्ठा और आस्था की परीक्षा ले ली जाए। प्रायः जब वह वन में गई तो अचानक एक गुफा में प्रवेश कर गई। राजर्षि गुफा के बाहर की प्राकृतिक छटा मंत्रमुग्ध होकर देख रहे थे। वह आश्वस्त थे कि नन्दिनी जहाँ कहीं भी जायेगी उसका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि वह गुरु वशिष्ठ की गाय थी। अचानक नन्दिनी के जोर से रंभाने की आवाज राजर्षि को सुनाई दी और वे दौड़ पड़े। उस ओर उन्होंने देखा कि एक शेर नन्दिनी पर सवार है। उन्होंने अविलम्ब अपने तूणीर से एक तीर निकाला और धनुष की प्रत्यंचा पर चढ़ाने लगे उनकी अंगुलिया तीर से चिपक गई। वे तीर नहीं छोड़ सके। यह नितान्त अप्रत्याशित घटना थी।

नन्दिनी पर आरूढ़ शेर ने मानव की आवाज में कहा कि राजन आप मुझे नहीं मार सकते। मैं शंकर का गण कुम्भोदर हूँ और शंकर जी के परम विश्वस्त निकुम्भ गण का मित्र हूं। मुझे शंकर जी ने सि निर्देश के साथ इस वन में भेजा है कि मैं माँ पार्वती द्वारा रोपित और पोषित एक विशिष्ट देवदार के वृक्ष की रक्षा करूँ जिसे हाथी अपना बदन रगड़-रगड़ कर क्षतिग्रस्त कर देते हैं। यह भी निर्देश मिला है कि यहाँ जो भी जीव आए उसे मार कर अपना पेट भर लूँ। आज यह गाय मेरा भक्ष्य है। राजर्षि ने अनेक तर्क दिया कि यह गाय वशिष्ट जी की गाय है। इसकी मृत्यु से इसका बछड़ा दुःखी होगा, ऋषि के यज्ञ और हवन में बाधा पड़ेगी। तुम इस गाय को छोड़ दो। शेर ने कहा कि क्या मैं भूखा रहूँ। राजर्षि ने कहा मैं क्षत्रिय हूँ और क्षत्रिय धर्म है कि वह अपने वचन का पालन करे। मैं इस गाय की रक्षा के लिए ही इस वन में इस गाय के साथ आया हूँ। इसलिए मुझे इस गाय की रक्षा करनी ही है। यदि मैं तुम्हें मार नहीं सकता तो तुम मुझे ही अपना भक्ष्य बना लो और इस

गाय को छोड़ दो। इतना कहकर राजर्षि अपना धनुष अलग रख कर शेर के सामने लेट गए कि शेर उन्हें खा ले। कुछ पल बीते किन्तु शेर ने उन्हें मारने का प्रयास नहीं किया।उन्होंने अपना सिर उठाया तो देखा कि शेर नहीं है और उन पर पुष्प वर्षा हो रही है।

नन्दिनी मनुष्य की बोली में कहा कि हे राजन यह सब मेरी माया थी जिसे मैंने आप की परीक्षा के लिए रचा था। आप इस परीक्षा में खरे उतरे। उठिये आश्रम चलें, वहाँ आप मेरा दूध पी लीजिएगा। आप के सारे मनोरथ पूरे हो जायेंगे। राजर्षि ने निवेदन किया कि सर्वप्रथम आप के दूध का उपयोग यज्ञ में होगा, फिर आपका बछड़ा पिएगा। तब इसके बाद में मैं पियूँगा। इस कथन से नन्दिनी और प्रसन्न हो गई। शाम ढल चुकी थी। नन्दिनी और राजर्षि आश्रम आ गए। नन्दिनी की पूजा और सेवा पूर्ववत् हुई। गुरू वशिष्ठ सब कुछ समझ गये और उन्होंने राजर्षि से कहा कि अब आप का मनोरथ पूरा हो जायेगा। दूसरे दिन महर्षि वशिष्ट ने राजर्षि दम्पत्ति को ससम्मान आश्रम से विदा कर दिया।

राजर्षि दम्पत्ति ने सर्वप्रथम यज्ञ-कुण्ड की परिक्रमा की और उसके पश्चात् गुरू वशिष्ठ एवं देवी अरून्धती के चरणस्पर्श के साथ आश्रम से विदा हुए। दूसरे दिन अयोध्या आ गए। नन्दिनी की आराधना एवं सेवा सफल हुई और कुछ दिन पश्चात् महारानी सुदक्षिणा ने गर्भ धारण कर लिया।

## रघु का जन्म एवं किशोरावस्था

उचित समय पर महारानी सुदक्षिणा ने एक पुत्र को जन्म दिा। सम्पूर्ण अयोध्या नगरी महारानी के पुत्र पैदा होने पर प्रकाश से जगमगा उठी। ब्राह्मणों एवं निर्धनों को दान दिया गया। महाराज दिलीप पितृ-ऋण से मुक्त हो गये। उनकी प्रसन्नता की कोई सीमा न रही। कुल गुरू वशिष्ट ने नवजात पुत्र का जातक कर्म संस्कार शास्त्रोक्ति विधि से सम्पन्न कर दिया।

महाराजा दिलीप अपने पुत्र का नाम रघु रखा। उचित आयु पर उनका मुण्डन संस्कार हुआ। रघु मंत्रियों के समवयस्क बच्चों के साथ विद्याध्ययन करने लगे। बढ़ती आयु के साथ शरीर पुष्ट होता गया और शरीर में निखार आ गया। योग्य गुरुजनों के मार्गदर्शन में रघु ने सभी शास्त्रों एवं शस्त्रों का अध्ययन कर लिया। रघु को रुरू मृग के चर्म का परिधान धारण कराकर महाराजा दिलीप ने मंत्रयुक्त अस्त्रों की शिक्षा स्वयं दी। अल्पकाल की शिक्षा से ही रघु शस्त्र विद्या में पारंगत हो गए।

किशोर रघु युवावस्था की देहरी पर पहुँच गये। दिलीप ने अपने पुत्र रघु का... कर दिया तथा रघु को युवराज बना दिया।

## युवराज रघु की इन्द्र से टक्कर

राजर्षि दिलीप युवराज रघु एवं कुछ सैनिकों की अभिरक्षा में बिना किसी बाधा के अश्वमेध यज्ञ पूरा कर लिया। 100वें अश्वमेध यज्ञ के लिए भी रघु तथा कुछ सैनिकों की अभिरक्षा में यज्ञ का अश्व छोड़ दिया गया। युवराज रघु और सैनिकों की अभि... अचानक यज्ञ का घोड़ा दृष्टि से ओझल हो गया। सब आश्चर्य चकित होकर इधर-... देखने लगे। घोड़ा कहीं भी दिखाई नहीं दिया। उसी समय दैवयोग से महर्षि वशि... नन्दिनी गाय वहाँ आ गई। युवराज रघु ने नन्दिनी का मूत्र अपनी आँखों में डाल लिया... को दिव्य दृष्टि प्राप्त हो गई। उन्होंने देखा कि देव इन्द्र अपने रथ के पीछे घोड़े को बाँ... लिए जा रहे हैं। घोड़ा रथ से मुक्त होने का प्रयास कर रहा है किन्तु मुक्त नहीं हो पा रहा... युवराज रघु ने ऊँची आवाज में देव इन्द्र से कहा कि हे देवाधिदेव आप मेरे पिता के य... क्यों बाधा डाल रहे हैं? उनके यज्ञ का प्रथम अंश तो आपको ही मिलता है तो आप ... क्यों डाल रहे हैं? आप घोड़े को छोड़ दीजिए। आप से अपेक्षा की जाती है कि आप ... की रक्षा करेंगे। यज्ञ में बाधा डालने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दंडित करेंगे, किन्तु आप ... ही यज्ञ में बाधा डाल रहे हैं जिससे संसार से धर्म लुप्त हो जायेगा।

युवराज रघु की कठोर बातें सुनकर देव इन्द्र ठहर गए, पीछे लौटकर उन्होंने कहा हे राजकुमार— तुम ठीक कह रहे हो किन्तु अपने अर्जित यश की रक्षा करना भी ... कर्त्तव्य है। तुम्हारे पिता मेरा वह यश छीनना चाहते हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूँगा। कपिल मु... ने भी तुम्हारे पूर्वज राजा सगर का घोड़ा चुरा लिया था। उनकी क्रोधाग्नि में 60 हजार ... भस्म हो गये थे, तुम भी मेरी क्रोधाग्नि में भस्म हो जाओगे।

युवराज रघु ने पूर्ण आत्मविश्वास के साथ देव इन्द्र से कहा कि तब आप अस्त्र उठा... और युद्ध कीजिए। इतना कह कर युवराज रघु ने एक ऐसा बाण मारा कि वह इन्द्र की छा... में घुस गया। तिलमिला कर इन्द्र ने भी वैसा ही बाण छोड़ा जो युवराज रघु की छाती में घु... गया। संभलते हुए रघु न दूसरा बाण छोड़ा जिससे इन्द्र की धवजा कट गई। इन्द्र ने ... अपने बाण से प्रत्युत्तर दिया। युवराज रघु ने तीसरा बाण मारा जिससे इन्द्र के धनुष ... प्रत्यंचा ही कट गई। इन्द्र ने झुंझलाकर अपना धनुष एक ओर फेंक दिया और क्रोध...

अपना अमोघ अस्त्र वज्र रघु पर चला दिया जो युवराज के सीने में लगा। युवराज रघु मूर्छित होकर गिर पड़े। साथ ही सभी सैनिक शोकग्रस्त हो गए। कुछ ही पलों में रघु पुनः उठकर खड़े हो गये और तुणीर से तीर निकालने लगे। इन्द्र आश्चर्य में पड़ गये और रघु से कहा कि मैं तुम्हारे शौर्य और साहस को पूर्ण सम्मान देता हूँ और प्रशंसा करता हूँ। इन्द्र ने कहा आज तक कोई मेरे वज्र को झेल नहीं सका किन्तु एकात्र तुम ही ऐसे वीर हो जो इसे झेल गये। तुम इस घोड़े को छोड़कर जो वर माँगोगे उसे मैं अवश्य दूँगा। युवराज रघु ने कहा आप ऐसा वर दीजिए जिससे मेरे पिता को 100 यज्ञ करने का पुण्य मिल जाए। ऐसा ही होगा इन्द्र ने आश्वासन दिया। रघु ने इन्द्र से निवेदन किया कि आप अपने किसी दूत से यह संदेश मेरे पिता के पास भेज दीजिए। इन्द्र ने अपना दूत अयोध्या भेज दिया। युवराज रघु अपने सैनिकों के साथ भारी मन से अयोध्या लौट आए। रघु युद्ध जीतकर भी हार गये क्योंकि अश्वमेध यज्ञ के अश्व को इन्द्र से मुक्त नहीं करा सके किन्तु बिना अश्व के ही राजर्षि दिलीप को 100 अश्वमेध का पुण्य प्राप्त हो गया।

## युवराज रघु का राज्याभिषेक

राजर्षि दिलीप के जीवन का अन्तिम एवं अभिलाषित उद्देश्य पूर्ण हो गया। उन्हें 100 अश्वमेध यज्ञ करने का पुण्य प्राप्त हो गया। इसलिए उन्होंने अविलम्ब रघु का अभिषेक करने का निश्चय कर लिया। राजर्षि ने शास्त्रीय विधि से छत्र, चँवर एवं राज-प्रतीक युवराज रघु को सौंप दिया। युवराज रघु राज सिंहासन पर आसीन होकर महाराज रघु हो गये। इक्ष्वाकु वंश की परम्परा का पालन करते हुए राजर्षि दिलीप अपनी पत्नी महारानी सुदक्षिणा के साथ सन्यास जीवन व्यतीत करने के लिए वन की ओर चल पड़े।

## महाराजा रघु का विश्व विजय अभियान

सिंहासनारूढ़ होते ही महाराज रघु ने सर्वप्रथम अपने राज्य का प्रशासनिक व्यवस्था पर दृष्टि डाली। अनेक व्यवस्थाओं को उन्होंने अपने ढंग से एक नई दिशा दी। सीमा के गढ़ों को सुदृढ़ और सुरक्षित किया। सेना का पुनर्गठन किया। प्रजा तथा राज्य के हित में अनेक परिवर्तन किया। महाराजा रघु ने प्रजाहित में नरम प्रशासन की राह अपनाया। अपने राज्य की प्रशासनिक कार्य व्यवस्था से पूर्ण सन्तुष्ट होकर महाराज रघु ने दिग्विजय अभियान की रूपरेखा बना ली कब और कहाँ से यह अभियान प्रारम्भ किया जाए। शरद ऋतु में महाराज रघु ने दिग्विजय अभियान पूर्व दिशा से प्रारम्भ किया। सर्वप्रथम सुहय देश

(बंगाल के पश्चिम में) आक्रामण किया वह राजा आत्मसमर्पण कर दिया। युद्ध लड़ाई और आत्मसमर्पण कराकर महाराजा रघु ने दिग्विजय यात्रा पूरी कर अयोध्या में सैनिकों सहित प्रवेश किया परम्परागत ढंग से सम्पूर्ण दल का स्वागत हुआ।

## विश्वजीत यज्ञ अनुपम दान-दक्षिणा

दिग्विजिय के उपलक्ष्य में महाराजा रघु ने शास्त्रीय विधि से विश्वजीत यज्ञ यज्ञ के उपलब्ध में उन सभी राजाओं को जिन्हें दिग्विजय अभियान में बंदी अयोध्या लाया गया था, ससम्मान मुक्त कर दिया गया। उन्हें स्वदेश लौटने की समुचित व्यवस्था कर दी गई।

## विचित्र दान

दिग्विजय एवं यज्ञ के समापन पर महाराज रघु ने अपना सम्पूर्ण राजकोष दिग्विजय अभियान में प्राप्त समस्त बहुमूल्य मोतियों एवं रत्नों को कोष ब्राह्मणों एवं को दान कर दिया। सब कुछ दान में दे देने के पश्चात् महाराज रघु के पास मात्र महाराज प्रतिष्ठा ही शेष रह गई।

## कौत्स ऋषि का आगमन

इसी अवसर पर वरतन्तु ऋषि के शिष्य कौत्स ऋषि महाराज रघु के पास आ यशस्वी महाराज रघु ने कौत्स ऋषि को कुश आसन पर बिठा कर मिट्टी के पात्र लेकर मेधावी कौत्स ऋषि की पूजा-अर्चना की। पूजा के उपरान्त महाराज रघु ऋषि के गुरु वरतन्तु ऋषि का कुशल-क्षेम पूछा तथा उनके आगमन का प्रयोजन पूछा। कौत्स ने कहा परमपूज्य गुरु के सानिध्य में मेरी शिक्षा पूरी हो गई। मैंने अपने गुरु से गुरु माँगने के लिए निवेदन किया। गुरू जी ने कहा कि तुम्हारा अर्जित ज्ञान एवं तुमने जो सेवा की वही मेरी गुरु दक्षिणा है। मुझे और कुछ नहीं चाहिए। मैंने बार-बार गुरु अनुरोध किया कि वे कुछ माँगे। अन्त में गुरुजी झल्ला उठे और क्रोध में बोल पड़े तुम्हें 14 विद्याओं में पारंगत बनाया है। तुम मुझे 14 करोड़ स्वर्ण मुद्राएँ दो। कौत्स महादानी महाराज रघु से कहा कि आप के हाथ मिट्टी का पात्र देख कर मुझे आप का साहस नहीं हो रहा है। मैं आप के पास विलम्ब से पहुँचा जब आप अपना सब कुछ कर चुके हैं। महाराज रघु ने अत्यन्त विनम्रतापूर्वक कौत्स ऋषि से निवेदन किया ठीक कह रहे हैं किन्तु आप दो-तीन दिन मेरा अतिथि बनकर मेरे यहाँ रूक जाएं।

मैं आपकी गुरू दक्षिणा की व्यवस्था करने का प्रयास करूँगा। कौत्स ऋषि ने महाराज रघु का आतिथ्य स्वीकार कर लिया।

महाराज रघु ने विचार किया कि पृथ्वी पर तो धन है ही नहीं क्योंकि न कुबेर पर आक्रमण कर उनसे धन ले लूँ। इस विचार से उन्होंने अपना दैवीय रथ तैयार कराया और सांध्य बेला में ही रथ पर सो रहे कि प्रातःकाल में ही कुबेर पर चढ़ाई कर देंगे। प्रातःकाल जब वह निकलने को तैयार हुए तो उसी समय पहरेदारों ने सूचना दी कि देर रात तक आप के कोषागार में स्वर्ण मुद्राओं की वर्षा होती रही। सभी आश्चर्य चकित हो गए। महाराज रघु ने कुबेर पर आक्रमण का विचार त्याग दिया।

महाराज रघु ने कौत्स ऋषि से निवेदन किया कि आपके लिए स्वर्ण मुद्राएँ आ गई और आप इन्हें ले लीजिए। कौत्स ऋषि प्रसन्न हो गये। महाराज रघु ने कहा कि अपने आप सभी स्वर्ण मुद्राएँ आ गई और आप इन्हें ले लीजिए। कौत्स ऋषि प्रसन्न हो गये। महाराज रघु ने कहा कि आप सभी स्वर्ण मुद्राएँ ले जाएं, ये आप के लिए ही आई हैं। कौत्स ऋषि ने बड़ी विनम्रता से अनुरोध किया आप मुझे उतनी ही स्वर्ण मुद्राएँ दें जितनी मुझे गुरू दक्षिणा में गुरू को देनी है। अधिक लेकर क्या करूँगा। महादानी रघु ने कौत्स ऋषि के मना करने के बाद भी सभी स्वर्ण मुद्राएँ ऊँट और खच्चर पर लदवा कर कौत्स ऋषि के साथ भेज दी। ऋषि को विदा करते समय यशस्वी महाराज रघु ने अत्यन्त विनम्रता पूर्वक ऋषि कौत्स को प्रणाम किया। कौत्स ऋषि ने महाराज रघु के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया कि आप को आप जैसा प्रतापी और यशस्वी पुत्र पैदा हो।

कौत्स ऋषि के आशीर्वाद से महारानी ने गर्भधारण किया और ब्रह्म मुहूर्त में एक पुत्र को जन्म दिया। महाराज रघु ने अपने पुत्र का नाम अज रख दिया। अज का पालन-पोषण, शिक्षा-दीक्षा राजसी परिवेश में होने लगी। राजकुमार अज युवावस्था में हुए तो महाराज रघु ने विदर्भ में राज भोज की बहन इन्दुमती से उनका विवाह स्वयंवर के द्वारा कर दिया तथा राज्य का कार्यभार तथा इक्ष्वाकु वंश की परम्परा का पालन करते हुए अज को छत्र और चँवर प्रदान कर राज-सिंहासन पर आसीन कर दिया। महाराज रघु महारानी सुदक्षिणा के साथ नगर के बाहर सन्यास जीवन व्यतीत करने के लिए चले गये।

78. अज 79. दशरथ 80. रामचन्द्र जी

रघुवंश शिरोमणि मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने राजर्षि रघु के जीवन दर्शन एवं व्यावहारिक प्रयोग को अपना आदर्श निरुपित करते हुए उनका अनुसरण किया जिससे वे रामराज्य का प्रतिमान स्थापित कर सके। भगवान राम ने अपने प्रपितामह महादानी रघु को अपने जीवन

मैं आपकी गुरू दक्षिणा की व्यवस्था करने का प्रयास करूँगा। कौत्स ऋषि ने महाराज रघु का आतिथ्य स्वीकार कर लिया।

महाराज रघु ने विचार किया कि पृथ्वी पर तो धन है ही नहीं क्योंकि न कुबेर पर आक्रमण कर उनसे धन ले लूँ। इस विचार से उन्होंने अपना दैवीय रथ तैयार कराया और सांध्य बेला में ही रथ पर सो रहे कि प्रातःकाल में ही कुबेर पर चढ़ाई कर देंगे। प्रातःकाल जब वह निकलने को तैयार हुए तो उसी समय पहरेदारों ने सूचना दी कि देर रात तक आप के कोषागार में स्वर्ण मुद्राओं की वर्षा होती रही। सभी आश्चर्य चकित हो गए। महाराज रघु ने कुबेर पर आक्रमण का विचार त्याग दिया।

महाराज रघु ने कौत्स ऋषि से निवेदन किया कि आपके लिए स्वर्ण मुद्राएँ आ गई और आप इन्हें ले लीजिए। कौत्स ऋषि प्रसन्न हो गये। महाराज रघु ने कहा कि अपने आप सभी स्वर्ण मुद्राएँ आ गई और आप इन्हें ले लीजिए। कौत्स ऋषि प्रसन्न हो गये। महाराज रघु ने कहा कि आप सभी स्वर्ण मुद्राएँ ले जाएं, ये आप के लिए ही आई हैं। कौत्स ऋषि ने बड़ी विनम्रता से अनुरोध किया आप मुझे उतनी ही स्वर्ण मुद्राएँ दें जितनी मुझे गुरू दक्षिणा में गुरू को देनी है। अधिक लेकर क्या करूँगा। महादानी रघु ने कौत्स ऋषि के मना करने के बाद भी सभी स्वर्ण मुद्राएँ ऊँट और खच्चर पर लदवा कर कौत्स ऋषि के साथ भेज दी। ऋषि को विदा करते समय यशस्वी महाराज रघु ने अत्यन्त विनम्रता पूर्वक ऋषि कौत्स को प्रणाम किया। कौत्स ऋषि ने महाराज रघु के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया कि आप को आप जैसा प्रतापी और यशस्वी पुत्र पैदा हो।

कौत्स ऋषि के आशीर्वाद से महारानी ने गर्भधारण किया और ब्रह्म मुहूर्त में एक पुत्र को जन्म दिया। महाराज रघु ने अपने पुत्र का नाम अज रख दिया। अज का पालन-पोषण, शिक्षा-दीक्षा राजसी परिवेश में होने लगी। राजकुमार अज युवावस्था में हुए तो महाराज रघु ने विदर्भ में राज भोज की बहन इन्दुमती से उनका विवाह स्वयंवर के द्वारा कर दिया तथा राज्य का कार्यभार तथा इक्ष्वाकु वंश की परम्परा का पालन करते हुए अज को छत्र और चँवर प्रदान कर राज-सिंहासन पर आसीन कर दिया। महाराज रघु महारानी सुदक्षिणा के साथ नगर के बाहर सन्यास जीवन व्यतीत करने के लिए चले गये।

78. अज 79. दशरथ 80. रामचन्द्र जी

रघुवंश शिरोमणि मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने राजर्षि रघु के जीवन दर्शन एवं व्यावहारिक प्रयोग को अपना आदर्श निरुपित करते हुए उनका अनुसरण किया जिससे वे रामराज्य का प्रतिमान स्थापित कर सके। भगवान राम ने अपने प्रपितामह महादानी रघु को अपने जीवन

से आत्मसात करते हुए अपने को रघुवंशी उदघोषित करने में गौरव की अनुभूति की। राम के कार्यकाल से ही अयोध्या रघुवंश की अयोध्या के रूप में जानी जाने लगी। अयोध्या श्रेष्ठ रघुवंशी के रूप में प्रतिष्ठित हुए। इसका प्रमाण फुलवारी में सीता को देखकर राम ने लक्ष्मण से कहा—

**रघुवंशी कर सहज स्वभाऊ, मन कुपंथ पग धरै न काऊ।**

जिस अयोध्या को सूर्यवंश ने स्थापित किया, उसी की शाखा रघुवंश ने प्रतिष्ठित किया था वही अयोध्या आज रघुवंश विहीन हो गई। सामान्य नागरिक के रूप में भी कोई रघुवंशी परिवार आज अयोध्या में नहीं मिलता।

81. लव और कुश 82. लव के निषाद। कुश के वंशज जयपुर इत्यादि में हैं। 83. ...नथ 84. नल 85. पुंडरीक 86. छिमादास 87. अहिनाग 88. पारिपात्र 89. इलाहा 90. धामसंधि 91. ब्रजनाथ 92. शंस 93. दुशंस 94. पुरोरवा। यहाँ से त्रेता युग का अन्त हो गया। महाराज पुरोरवा ने द्वापर के प्रारंभ में भी राज्य किया। 95. सुदर्शन 96. अग्निवर्ण 97. पहुपराव 98. मूर 99. मूत्र 100. वृहदबल 101. वीरसेन 102. शुभमणि 103. रामरेनु 103. रामजन 105. देवदन्त 106. हरीदन्त 107. करीराव। यहाँ द्वापर युग का अन्त हो गया तथा कलियुग का प्रारम्भ हुआ। ये सभी देववंश थे।

## मनुष्य अंश

देववंश के उपरान्त यह वंश शाखा कलियुग में ग्यारह पुस्त चलकर अपने वंश को आगे बढ़ाई। करीराव देववंश के 1. धनीराव के 2. मनीराव के 3. प्रचण्ड राव के 4. महाराव के 5. रनराव के 6. जंगराव के 7. कुन्दन देव के 8. चन्दन देव के 9. धर्मदेव के 10. वीरम देव के 11. नयन देव।

वस्तुतः रघुवंशी क्षत्रियों का आदि स्थान अयोध्या ही है किन्तु परिस्थितिजन्य विवशता से इन्हें कालान्तर से अपनी जन्मभूमि का मोह छोड़ना पड़ा और अयोध्या से दूर कहीं और बसना पड़ा। अयोध्या के अतीत का राजनीतिक स्वरूप लगभग समाप्त सा हो गया। वह मात्र धार्मिक आस्था एवं विपुल मन्दिरों की एक नगरी बनकर रह गई। कौशल राज्य अनेक छोटी-छोटी शक्तिहीन रियासतों में बँट गया जिनकी न कोई अपनी सक्षम सेना थी और न कोई प्रभावी संगठन।

## पलायन की पृष्ठभूमि

किसी स्थान विशेष से पलायन के अनेक कारण हो सकते हैं किन्तु रघुवंशी क्षत्रियों का अपने मूल-स्थान अयोध्या से पलायन करने का एकमात्र कारण मुसलमान आक्रांताओं

में आत्मसात करते हुए अपने को रघुवशी उदघोषित करने में गौरव की अनुभूति की। प्रभु राम के कार्यकाल से ही अयोध्या रघुवंश की अयोध्या के रूप में जानी जाने लगी। सभी अयोध्या नरेश रघुवंशी के रूप में प्रतिष्ठित हुए। इसका प्रमाण फुलवारी में सीताजी को देखकर राम ने लक्ष्मण से कहा—

**रघुवंशी कर सहज स्वभाऊ, मन कुपंथ पग धरै न काऊ।**

जिस अयोध्या को सूर्यवंश ने स्थापित किया, उसी की शाखा रघुवंश ने प्रतिष्ठित किया था वही अयोध्या आज रघुवंश विहीन हो गई। सामान्य नागरिक के रूप में भी कोई रघुवंशी परिवार आज अयोध्या में नहीं मिलता।

81. लव और कुश 82. लव के निषाद। कुश के वंशज जयपुर इत्यादि में हैं। 83. नभ 84. नल 85. पुंडरीक 86. छिमादास 87. अहिनाग 88. पारिपात्र 89. इलाहा 90. धवसंधि 91. ब्रजनाभ 92. शंस 93. दुशंस 94. पुरोरवा। यहाँ से त्रेता युग का अन्त हो गया। महाराज पुरोरवा ने द्वापर के प्रारंभ में भी राज्य किया। 95. सुदर्शन 96. अग्निबाण 97. पहुपराव 98. मूर 99. सूत्र 100. वृहदबल 101. वीरसेन 102. शुभमणि 103. रामरेनु 103. रामजन 105. देवदन्त 106. हरीदन्त 107. करीराव। यहाँ द्वापर युग का अन्त हो गया तथा कलियुग का प्रारम्भ हुआ। ये सभी देववंश थे।

## मनुष्य अंश

देववंश के उपरान्त यह वंश शाखा कलियुग में ग्यारह पुस्त चलकर अपने वंश को आगे बढ़ाई। करीराव देववंश के 1. धनीराव के 2. मनीराव के 3. प्रचण्ड राव के 4. महाराव के 5. रनराव के 6. जंगराव के 7. कुन्दन देव के 8. चन्दन देव के 9. धर्मदेव के 10. वीरम देव के 11. नयन देव।

वस्तुतः रघुवंशी क्षत्रियों का आदि स्थान अयोध्या ही है किन्तु परिस्थितिजन्य विवशता से इन्हें कालान्तर से अपनी जन्मभूमि का मोह छोड़ना पड़ा और अयोध्या से दूर कहीं और बसना पड़ा। अयोध्या के अतीत का राजनीतिक स्वरूप लगभग समाप्त सा हो गया। यह मात्र धार्मिक आस्था एवं विपुल मन्दिरों की एक नगरी बनकर रह गई। कौशल राज्य अनेक छोटी-छोटी शक्तिहीन रियासतों में बँट गया जिनकी न कोई अपनी सक्षम सेना थी और न कोई प्रभावी संगठन।

## पलायन की पृष्ठभूमि

किसी स्थान विशेष से पलायन के अनेक कारण हो सकते हैं किन्तु रघुवंशी क्षत्रियों का अपने मूल-स्थान अयोध्या से पलायन करने का एकमात्र कारण मुसलमान आक्रांताओं

का अयोध्या पर अनवरत जेहादी क्रूर आक्रमण था।

## अयोध्या पर प्रथम मुसलमान आक्रमणकारी

1030 ई. में अयोध्या पर प्रथम मुसलमान आक्रमणकारी सैय्यद सालार मसन्द था। हिन्दुओं की हत्या अभियान कर चला गया। एक धार्मिक पावन नगरी पर आक्रमण कर अयोध्या को विध्वंश करने का अभियान मुसलमानों का सफल रहा। जहाँ विदेशी सेना का आक्रमण धार्मिक भावना को नष्ट करने पर तुली थी। दूसरी तरफ मुट्ठी भर पुजारी निशस्त्र धार्मिक भावना के रक्षक थे। ऐसी हालात में अयोध्या के निवासी कब तक इस संघर्षमय जीवन का सामना करते।

इस कारण से भगवान राम के वंशज यत्र-तत्र शान्तिमय जीवन बीताने की खोज में जाने लगे। अयोध्या जहाँ स्वाहा और स्वधा की आवाज सारे देश में गूँजकर धर्म का संदेश देता था। वहाँ अजान का स्वर सुनाई देने लगा। हिन्दू की रक्षा करना वहाँ के निवासियों के लिए असम्भव हो गया। लालच में कितने हिन्दू पुजारी फकीर बन गये। झुण्ड के झुण्ड हिन्दुओं को मुसलमान बनाया जाता था। धर्म-परिवर्तन का अत्याचार इसके पूर्व किसी ने देखा नहीं था। अनेक राजपूत वीरगति को प्राप्त हुए।

## रघुवंशी क्षत्रियों के कुछ प्रमुख ठिकाने

वर्तमान समय में रघुवंशी क्षत्रिय उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, चन्दौली, मिर्जापुर, सुल्तानपुर, रायबरेली जनपदों में तथा बिहार, बंगाल जम्मू और मध्य प्रदेश में बहुतायत से निवासरत हैं।

## दनुआ रियासत

अयोध्या नगरी की सीमा से सटी हुई एक छोटी सी रियासत दनुआ रियासत थी जो सरयू नदी के दोनों ओर विस्तृत थी। इस रिसायत का अस्तित्व महाभारत काल में भी था। अयोध्या के सन्निकट होने के कारण दनुआ की रियासत ने मुसलमानों के प्रत्येक आक्रमण का प्रतिरोध किया। आस-पास की रियासतों को संगठित भी किया जिससे कि अयोध्या की अस्तिमा को सुरक्षित रखा जा सके।

## वीरम देव

दनुआ रियासत के राज वीरमदेव थे। उनके ज्येष्ठ पुत्र नयनदेव राजकुमार थे। 1148 ई. में हाजिज तुलकिन अयोध्या पर आक्रमण किया। उस समय महाराज वीरमदेव दनुआ रियासत के स्वामी थे। मुसलमान आक्रमणकारी वीरमदेव को इस्लाम धर्म स्वीकार न करने

के कारण तरह-तरह की यातनाएँ दी गई। घर की औरतों को नग्न कर व्यभिचार किया गया। महाराज वीरमदेव के मुँह में गोमांस देकर धर्म नष्ट करने का वीभत्स काण्ड हुआ। वृद्ध महाराज ने अन्त न देखकर आत्महत्या कर ली।

इन मुसलमान अत्याचारियों का अन्त न देखकर नयनदेव ने अयोध्या त्यागने का निश्चय किया। दनुआ रियासत सरयू नदी के दोनों तरफ थी। इस रियासत में योगियों, मुनियों का काफी जमाव था। नयनदेव के हृदय में वैराग्य सा पैदा हो गया। आस-पास के राजाओं को निमंत्रण देकर बुलवाया उन्होंने राम मंदिर में बहुत बड़ी यज्ञ की। तीन दिन व रात भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर पर हवन कुण्ड में आग जलती रही। इसी समय नयनदेव अपना राज्य जो सरयू के उस पार या अपने पुरोहित पंडित गौतम को दान में दे दिया तथा इस पार का राज्य अपने भाई को दे दिए और संन्यास ग्रहण कर लिया। लगभग दो वर्ष तक स्वर्ग द्वार मंदिर में पुजारी की भाँति सन्यासी जीवन बिताने लगे। संबंधियों के आगमन से योग साधना तथा पूजा पाठ में विघ्न पड़ने लगा। तब वे अयोध्या के जंगल में एकान्त वास करने लगे। एक रात्रि उन्हें स्वप्न हुआ कि नयन तुम शंकर की नगरी काशी में जाओ वहाँ से तुम्हारे जीवन का मार्ग प्रशस्त होगा।

## नयन देव का अयोध्या त्याग

दनुआ नरेश सम्वत् 1207 सन् 1150 ई. के अन्तिम चरण में अयोध्या त्याग कर शंकर की नगरी काशी की ओर चल पड़े। उस समय उनकी उम्र 28 वर्ष थी। अयोध्या त्याग और काशीवास के विषय में एक कविन्त—

तप के मनोरथ से राजा नयनदेव आयो  
शंकर की नगरी की शोभा बढ़ायो है।  
सम्वत् बारह सौ सात मास परो फागुन,  
दनुआ का राज्य दान ब्राह्मण अनुज कर आयो हैं,  
वयस रही केवल अट्ठाइस बरस की,  
जब वास करन नयन देव आयो हैं।  
गंगा वरुण संगम पास कुटिया बनाय राजा,  
दुनियाँ को त्याग तप मो मन लायो हैं।  
राजा बनार की कुमारी इन्दुमरी बेटी,  
माता संग रोज गंगा स्नान हेतु आयो हैं,  
नजर पड़ी कुटिया में सोये योगी पर,  
घूम पड़ी माता संग झोपड़ी में आयो हैं।

के कारण तरह-तरह की यातनाएँ दी गई। घर की औरतों को नग्न कर व्यभिचार किया गया। महाराज वीरमदेव के मुँह में गोमांस देकर धर्म नष्ट करने का वीभत्स काण्ड हुआ। बूढ़े महाराज ने अन्त न देखकर आत्महत्या कर ली।

इन मुसलमान अत्याचारियों का अन्त न देखकर नयनदेव ने अयोध्या त्यागने का निश्चय किया। दनुआ रियासत सरयू नदी के दोनों तरफ थी। इस रियासत में योगियों तथा मुनियों का काफी जमाव था। नयनदेव के हृदय में वैराग्य सा पैदा हो गया।आस-पास के राजाओं को निमंत्रण देकर बुलवाया उन्होंने राम मंदिर में बहुत बड़ी यज्ञ की। तीन दिन व रात भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर पर हवन कुण्ड में आग जलती रही। उसी समय नयनदेव अपना राज्य जो सरयू के उस पार या अपने पुरोहित पंडित गौतम को दान में दे दिया तथा इस पार का राज्य अपने भाई को दे दिए और संन्यास ग्रहण कर लिया। लगभग दो वर्ष तक स्वर्ग द्वार मंदिर में पुजारी की भाँति सन्यासी जीवन बिताने लगे। संबंधियों के आगमन से योग साधना तथा पूजा पाठ में विघ्न पड़ने लगा। तब वे अयोध्या के जंगल में एकान्त वास करने लगे। एक रात्रि उन्हें स्वप्न हुआ कि नयन तुम शंकर की नगरी काशी में जाओ वहाँ से तुम्हारे जीवन का मार्ग प्रशस्त होगा।

## नयन देव का अयोध्या त्याग

दनुआ नरेश सम्वत् 1207 सन् 1150 ई. के अन्तिम चरण में अयोध्या त्याग कर शंकर की नगरी काशी की ओर चल पड़े। उस समय उनकी उम्र 28 वर्ष थी। अयोध्या त्याग और काशीवास के विषय में एक कविन्त—

**तप के मनोरथ से राजा नयनदेव आयो**
**शंकर की नगरी की शोभा बढ़ायो है।**
**सम्वत् बारह सौ सात मास परो फागुन,**
**दनुआ का राज्य दान ब्राह्मण अनुज कर आयो हैं,**
**वयस रही केवल अट्ठाइस बरस की,**
**जब वास करन नयन देव आयो हैं।**
**गंगा वरुण संगम पास कुटिया बनाय राजा,**
**दुनियाँ को त्याग तप मो मन लायो हैं।**
**राजा बनार की कुमारी इन्दुमरी बेटी,**
**माता संग रोज गंगा स्नान हेतु आयो हैं,**
**नजर पड़ी कुटिया में सोये योगी पर,**
**घूम पड़ी माता संग झोपड़ी में आयो हैं।**

जिस समय नयनदेव काशी आये उस समय काशी में गहरवार क्षत्रिय राजा बनार का शासन था। नयनदेव वरुणा गंगा संगम पर अपना वास स्थान बनाया। ब्रह्मचर्य उनके चेहरे पर झलकता था। जो भी एक बार देखता था, वह उनके तरफ आकर्षित हो जाता था। बाबा नयन देव की वाणी बहुत मधुर थी। गीता रामायण का पाठ वे मधुर ध्वनि में करते ते। इनके कर्ण प्रिय मधुर पाठ को सुनकर सुबह शाम श्रोतागण आने लगे तथा इन लोगों ने बाबा को एक पर्णकुटी बना दी। राजा बनार की पत्नी और पुत्री नौकरों के साथ प्रतिदिन गंगा स्नान के लिए जाया करती थी। धीरे-धीरे बनार की पत्नी और पुत्री प्रतिदिन भजन में सम्मिलित होने लगी। उन दोनों के आग्रह से राजा बनार भी इस तेजस्वी सन्यासी का दर्शन करने आये किन्तु सन्यासी नयनदेव उस समय पूजा पर बैठ चुके थे, अतः राजा की आव-भगत का शिष्टाचार न दिखा सके। राजा बनक इस प्रकार के व्यवहार से बहुत असंतुष्ट हुए और रात में नौकरों को भेजकर नयनदेव की झोपड़ी को गंगा में फेंकवा दिया।

सन्यासी नयनदेव की आत्मा को बड़ा क्लेश हुआ, किन्तु भजन तथा योग क्रिया क्रम जारी रखा। इस घटना के बाद भजन सुनने वाले श्रोतागणों ने एक आश्चर्य देखा कि वैशाख की तपन में गगन मेघाच्छन्न रहता था, जब तक भजन समाप्त न हो जाता था।

इस दैवीय घटना का समाचार राजा बनार को लगा तब उनकी आत्मा अपराध स्वीकार किया और सन्यासी से क्षमा माँगकर एक दूसरी कुटिया बनवा दी तथा आराम के साधन आदि की व्यवस्था कर दी जिसको संन्यासी ने स्वीकार नहीं किया। केवल कुटिया पर प्रायश्चित कुटी लिखकर भजन पाठ में नयनदेव यही कहा करते थे कि इस कुटिया में हर श्रोतागण के विचार को प्रायश्चित करने का अवसर मिलता है।

## नयनदेव और इन्दुमती

राजा बनार की पुत्री इन्दुमती सन्यासी नयनदेव के प्रति काफी आकर्षित हुई। उनका प्रतिदिन का नियम हो गया कि नयनदेव के पास बैठकर भजन सुना करती थी। इन्दुमती अपनी माँ से स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस संन्यासी को मैंने अपना आराध्यदेव चुन लिया है। इन्हीं की सेवा में जीवन व्यतीत करने का मेरा दृढ़ निश्चय है।

## राजा बनार की चिन्ता

राजा बनार की पत्नी ने पुत्री को भावों को राजा से कहा। राजा बनार अपनी इकलौती बेटी के भावों से चिन्तित हो गये। दिन-रात चिन्ता में डूबे रहते थे।

## साधु का आगमन

इस बीच एक साधु राजा बनार के दरबार में आया। राजा को चिन्तित देखकर उनकी चिन्ता का कारण पूछा— राजा अपनी चिन्ता की कहानी साधु से कही कि एक राजा की बेटी एक संन्यासी से प्राणिग्रहण करना चाहती है। साधु ने राजा की बात सुनकर आशीर्वाद दिया कि कल गंगा स्नान करके आते समय आप को एक भिखारी मिलेगा। वह आप की चिन्ता दूर कर देगा। दूसरे दिन साधु के कथानानुसार एक बूढ़ा अन्धा भिखारी राजा को मिला। बिना प्रश्न किये ही राजा को आशीर्वाद दिया कि अपनी बेटी का पाणिग्रहण नयन बाबा से निश्चिन्त होकर करें।

ये अयोध्या के दनुआ रिसायत के राजा नयनदेव हैं। यवनों के अत्याचार से पीड़ित होकर अपने परिवार के कल्याणार्थ राजपाट दान कर काशी नगरी में आये हैं।

## राजा बनार और नयनदेव

राजा बनार को नयनदेव के रहस्य का पता लग जाने पर उसी दिन राजा बनार बाबा के आश्रम में जाकर दनुआ नरेश बाबा नयनदेव कहकर सम्बोधित किया और अपनी इन्दुमती को स्वीकार करने का आग्रह किया। नयनदेव राजा बनार की इस बात से घबड़ा उठा क्योंकि गृहस्थ जीवन में उन्हें घृणा हो गई थी, उन्होंने राजा बनार से स्पष्ट शब्दों में कहा कि लड़की का विचार बहुत विमल है किन्तु राजा की पुत्री के साथ पाणिग्रहण करना मेरे लिए असंभव है। राजा बनार नयनदेव से बहुत अनुनय विनय किया। राजा बनार की अनुनय विनय से द्रवित होकर नयनदेव ने कहा कि मेरी जीविका का क्या साधन होगा। तुरन्त राजा बनार नियार का इलाका कन्यादान में देने का वचन कहा। शादी तय हो गई।

## नयनदेव की शादी

बाबा नयनदेव अपने दो उपरोहितों जंगदेव चौबे और हाथीराम कवि को अयोध्या से बुलवाया। सन् 1153 ई. में पाणिग्रहण इत्यादि सब कर्म वैदिक रीति से सम्पूर्ण किया गया।

## नियार

नियार एक पौराणिक स्थान है जो आदिगंगा गोमती के पावन तट पर बसा है। महाभारत काल में पाण्डव गुप्त वास में इसी नियार के इलाके तथा रामगढ़ के पास बैराण्ट

नगर में गुप्त रूप से रहे। नियार में युधिष्ठिर महाराज गोमती के किनारे दो शिव मंदिरों का निर्माण कराया तथा महारानी द्रोपदी माता वनस्पति जी की स्थापना कर मन्दिर बनवाया।

## नियार में नयनदेव तथा दोनों उपरोहितों का निवास

शादी के दो वर्ष बाद 1155 ई. में बाबा नयनदेव तथा जंगदेव चौबे और हाथीराम कवि सपरिवार निवास किया।

## नयनदेव के वंशज

नयनदेव के वंशज पूरे भारत तथा विश्व में भी बसे हैं।

## जंगदेव के वंशज

पंडित जंगदेव के जागनिक महाराज पुत्रपत्न हुए। इन्हीं के वंशज कश्यप गोत्र के नाम से डोभी और कटेहर परगना में आवाद हैं। जैसे— बाबतपुर, नियार, बहिरी, कुरौली, कोपा, रेहारी, हथियर, चौबेपुर, मुरेरी, अजगरा, दुधौड़ा, हाजीपुर, तेवर, रुपचन्दपुर, करमा, मोहनदासपुर, भदँवा, हरिहरपुर आदि ग्रामों में बसे हैं।

## हाथीराम कवि के वंशज

कोपा, दुमितवाँ, नुरदीपुर, मुनारी आदि ग्रामों में बसे हैं। पूर्व रघुवंशी वंशावली लेखक स्व. वंशीकवि के पिता पदारथ कवि थे। वंशी कवि एक पुत्र संतराम थे जो नियार में बसे थे। इस परिवार का नावल्द हो गया।

## नियार में नयनदेव का निवास

नियार में बाबा नयनदेव बसे। कुछ समय बाद उनको एक पुत्र हुआ जिनका नाम शाल्हे रका गया। शाल्हे जब किशोरावस्था में हुए तब उनका मन सांसारिक जीवन से हटने लगा। उस समय बौद्ध धर्म का प्रचार इस इलाके में काफी था। सांसारिक जीवन में मन लगाने हेतु उनकी शादी 41 वर्ष की आयु में हुई। शाल्हे देव की संत प्रकृति की जीवन शैली से स्व. राजा बनार की पत्नी विचलित हो उठी कि दो परिवारों का एकमात्र उत्तराधिकारी गृहस्थ जीवन से मुख मोड़ रहा है। उन्होंने शाल्हेदेव को समझाया और पर्याप्त सम्पत्ति भी दी। शाल्हे कुबेर से ही रघुवंशी क्षत्रियों की आगे की वंश परम्परा चली।

नहाराज शाल्हे कुँवर के दो पुत्र हुए—

1. नोने राय 2. नंगई राय

# नोनेराव का कठेहर का परित्याग

नोनेराव शाल्हे कुँवर के ज्येष्ठ पुत्र ते। शाल्हे कुँवर को मातृपक्ष से अपार सम्पत्ति मिली थी। वे साधु प्रकृति के व्यक्ति थे। उन्होंने मातृपक्ष से मिली समस्त सम्पत्ति अपनी पत्नी को दे दिया। पत्नी का लगाव छोटे पुत्र नगईराव से था। अतः सम्पूर्ण सम्पत्ति वे अपने गृह कलह और अपमान से मुक्ति पाने के लिए नोनेराव ने गृह त्याग दिया।

गृह त्याग का और एक कारण था। जब विवाह की बात चलती तो वे मुकर जाते थे। उनकी इच्छा थी कि उनका विवाह एक अद्वितीय सुन्दरी से हो। इस बात पर उनकी माँ उलाहना दिया था कि ऐसी लकड़ी कश्मीर में ही मिलेगी। जम्मू जाने के पीछे माँ से मिली उलाहना ही है। वे नियार लगभग तेरहवीं शताब्दी के शुरुआत में छोड़कर जम्मू में जाकर बस और एक बहुत बड़ी रियासत के मालिक बने। उनके वंशज आज भी जम्मू में बहुत बड़ी संख्या में है। इनके वंशज ही रघुवंश शिरोमणि भगवान राम का एक सुन्दर मन्दिर रघुनाथ मंदिर जम्मू में स्थापित किया था। भारत स्वतंत्र के समय भी रघुवशी परिवार की रियासत थी।

2. नगई राम कठेहर क्षेत्र के नियार में ही बसे रहे। इनके तीन पुत्र थे।

(1) वामदेव (2) गांगदेव (3) देवकुँवर

इन तीनों पुत्रों ने अपने मूल स्थान नियार से अलग-अलग अपने-अपने आवास के लिये गाँव बसाना प्रारम्भ कर दिया।

1. वामदेव ने बंभावन, बासनारी बसाकर यहाँ के आवासी हो गये। वहीं उनके वंशज हैं।

2. गाँगदेव ने परापाटी, गाँगापाटी, जमसोर, रूपचन्दपुर, मोहड़ीडीह ग्रामों को क्रमशः बसाया तेवर व सहड़ी मढ़िया।

3. देव कुँवर, देवराई गाँव बसाकर वहाँ के आवासी हो गये।

वामदेव के जामदेव के त्रिभुवन शाह के मधुकर शाह के माधोराय के चतुर्भुज राय के वरिवंड के चार पुत्र—1. नोहरू, 2. उदैचन, 3. अभयन, 4. कमयन।

1. नोहरू से वंभावन खास के लोग हैं।

2. उदैचन से उदैचनपुर पट्टी चहारम् ।

3. अभयन से वंभावन अधियारी पट्टी तथा बासनारी सड़क के लोग हैं।

4. कमयन के लोग मुसलमान हो गये जो केराकत में बसे हैं।

3. देवकुँवर—

नयनदेव श्रीमान पुर्ष अयोध्या से काशी आए।

शाल्हे कुँवर सुपुत्र भयो जेहि बाजत मंगल मोद बधाएँ।।

जाके वंशज देवकुँवर, जासु वंश दुई परगन छाए।

सम्वत् 1380 में देवकुँवर देराई आए।।

देवकुँवर सम्वत् 1380 सन् 1323 ई. में देवराई में बसे।

इनके दो पुत्र हुए— 1. भुज राय 2. विरहज राय

भुजराय के दो पुत्र— 1. गणेश राय 2. रतन राय

दोनों भाई कठेहर से अलग अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते थे। गोमती के किनारे में एक घोर जंगली क्षेत्र था। जिसे हरिहरपुर के नाम से जाना जाता था।

## हरिहरपुर

उस काल में हरिहरपुर घने वृक्षों एवं झाड़ियों से आच्छादित एक अति भयावह क्षेत्र था जो लगभग 100 एकड़ में विस्तृत था। एक ओर गोगती नदी से घिरा था तो दूसरी ओर एक गहरा नाला था। इस क्षेत्र में सुइरी जाति के आदिम निवासियों का एकछत्र आधिपत्य था। इनकी प्रशासनिक व्यवस्था में सरदार का आदेश सर्वोपरि होता था। इस क्षेत्र में डोभी तथा फल्टन नाम के दो सरदार थे। इनका प्रशासनिक केन्द्र वर्तमान डोभी ग्राम में था।

हरिहरपुर के ऐसे परिवेश में कठेहर के भुजराय के पुत्र रतनराय और गणेश राय का आगमन हरिहरपुर सन् 1403 ई. के आस-पास हुआ। अपने को सरक्षित रहने के लिये इन लोगों ने हरिहरपुर के वनीय क्षेत्र के मध्य एक किले का निर्माण कराया। किले की लम्बाई और चौड़ाई क्रमशः 100 गज थी। दीवारें 25 फीट ऊँची थी। किले में विशाल फाटकों की व्यवस्था थी।

सुइरियों के छोटे-छोटे दल अकस्मात आक्रमण कर लूट-पाट कर लिया करते थे। इनसे निपटने के लिए सशस्त्र अश्वारोही दल गठित किया गया।

## सुइरियों का निष्कासन

एक बार डोभी और चन्दवक उपकेन्द्रों के सरदार डोभी और फल्टन चन्दवक के पास गोमती नदी के किनारे तीन नील गायों का वध करके मांस भक्षण के साथ मदिरापान का जश्न मना रहे थे। जश्न कई दिन चलता रहा। अश्वारोही दल को इस आयोजन की सूचना मिल गई। सूचना मिलते ही क्षत्रियों का अश्वारोही दल अविलम्ब आयोजन स्थल पर पहुँच

3. देवकुँवर—

नयनदेव श्रीमान पुर्ष अयोध्या से काशी आए।

शाल्हे कुँवर सुपुत्र भयो जेहि बाजत मंगल मोद बधाएँ।।

जाके वंशज देवकुँवर, जासु वंश दुई परगन छाए।

सम्वत् 1380 में देवकुँवर देराई आए।।

देवकुँवर सम्वत् 1380 सन् 1323 ई. में देवराई में बसे।

इनके दो पुत्र हुए— 1. भुज राय 2. विरहज राय

भुजराय के दो पुत्र— 1. गणेश राय 2. रतन राय

दोनों भाई कठेहर से अलग अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते थे। गोमती के किनारे में एक घोर जंगली क्षेत्र था। जिसे हहिरहरपुर के नाम से जाना जाता था।

## हरिहरपुर

उस काल में हरिहरपुर घने वृक्षों एवं झाड़ियों से आच्छादित एक अति भयावह क्षेत्र था जो लगभग 100 एकड़ में विस्तृत था। एक ओर गोगती नदी से घिरा था तो दूसरी ओर एक गहरा नाला था। इस क्षेत्र में सुइरी जाति के आदिम निवासियों का एकछत्र आधिपत्य था। इनकी प्रशासनिक व्यवस्था में सरदार का आदेश सर्वोपरि होता था। इस क्षेत्र में डोभी तथा फल्टन नाम के दो सरदार थे। इनका प्रशासनिक केन्द्र वर्तमान डोभी ग्राम में था।

हरिहरपुर के ऐसे परिवेश में कठेहर के भुजराय के पुत्र रतनराय और गणेश राय का आगमन हरिहरपुर सन् 1403 ई. के आस-पास हुआ। अपने को सरक्षित रहने के लिये इन लोगों ने हरिहरपुर के वनीय क्षेत्र के मध्य एक किले का निर्माण कराया। किले की लम्बाई और चौड़ाई क्रमशः 100 गज थी। दीवारें 25 फीट ऊँची थी। किले में विशाल फाटकों की व्यवस्था थी।

सुइरियों के छोटे-छोटे दल अकस्मात आक्रमण कर लूट-पाट कर लिया करते थे। इनसे निपटने के लिए सशस्त्र अश्वारोही दल गठित किया गया।

## सुइरियों का निष्कासन

एक बार डोभी और चन्दवक उपकेन्द्रों के सरदार डोभी और फल्टन चन्दवक के पास गोमती नदी के किनारे तीन नील गायों का वध करके मांस भक्षण के साथ मदिरापान का जश्न मना रहे थे। जश्न कई दिन चलता रहा। अश्वारोही दल को इस आयोजन की सूचना मिल गई। सूचना मिलते ही क्षत्रियों का अश्वारोही दल अविलम्ब आयोजन स्थल पर पहुँच

गया और दोनों सरदार डोभी और फल्टन को बन्दी बनाकर पेड़ से लटका दिया। इसकी सूचना सुइरियों के मुख्य केन्द्र नन्दगंज को लगा। वहाँ से मुख्य सरदार आये और अश्वारोही दल से अनुरोध किया कि वे उनके दोनों नेताओं को मुक्त कर दें। वे अश्वारोही दल की सभी शर्तों को मानने के लिए तैयार हैं।अश्वारोही दल ने कहा एक दिन में जितने क्षेत्र चक्कर अश्वारोही दल लगा लेगा सुइरी लोग उतने क्षेत्र से बाहर चले जायेंगे। दूसरे दिन अश्वारोही दल ने डोभी गाँव से अपना अभियान प्रारम्भ कर दिया और संध्या तक चक्कर लगाता रहा। आज डोभी का परिक्षेत्र है वह उसी अश्वारोही दल की देन है।

धीरे-धीरे सम्पूर्ण क्षेत्र सुइरियों के आक्रमण और लूटपाट से निरापद हो गया। इस कार्य में विरहज के वंशजों का भी योगदान था।

## डोभी का नामकरण

वर्तमान डोभी गाँव का नाम कुछ और था। सुइरियों के सरदार डोभी ने अपने नाम से इस गाँव का नाम डोभी रखा था। रघुवंशी परिवार भी इस डोभी नाम से कोई छेड़-छाड़ नहीं किया। आज डोभी परिक्षेत्र 7 कोस यानी 14 मील में फैला है।

# भुजराज की वंशावली

भुजराय के दो पुत्र—1. गणेश राय 2. रतन राय

गणेश राय के तीन पुत्र—1. कोल राय या कील राय 2. रणधीर राय 3. वर्मल राय

कोले राय या कील राय के खरगराय के— 1. ईश्वर दास 2. रामदेव

ईश्वर दास के चार पुत्र—1. माधव राय 2. टोडरमल 3. राम सिंह 4. रूप सिंह

माधव राय के छः पुत्र हुए—

1. हरखूराम से हिसामपुर, देवार, नन्दूपुर, कोइलारी, लवेरुआँ।
2. वीरशाह से सेनापुर, कुंसरना, नोनमटियाँ।
3. भीलनशाह से सेनापुर, कोइलारी, मड़ार, तेजपुर।
4. विशुनराय से सेनापुर, तेजपुर, कोईलारी।
5. संसार सिंह से सेनापुर, तेजपुर, कोईलारी।
6. सुल्तान सिंह से सेनापुर, लवेरुआ, कुसरना, नोनमटिया।

टोडरमल के पाँच पुत्र—

1. जोऊ से अमिलियाँ पश्चिमी।
2. कीर्तिशाह से लवेरुआ।
3. भैयाराम से अइलिया, अवहदपुर, नन्दूपुर पश्चिमी।
4. जय सिंह से कुसरना, चकरा।
5. भूपाल सिंह से विशुनपुरा, खेतरपाल, तराँव, अकेलवाँ, अमिलियाँ, अमुओर।

राम सिंह के— 1. मटुक 2. किसोर 3. परमा

इन तीनों के वंशज तराँव, कुसम्ही, अमुओर में बसे हैं।

रूप सिंह के छः पुत्र—

1. शीतरशाह 2. खेमकरन 3. जगदीश राय 4. दीना राय 5. बाँसू सिंह 6. सूरजू सिंह

इन लोगों के वंशज मूर्खा, अखईपुर, नरायनपुर, गोठौली, भूलनडीह, हवसहीं, जमुनीवारी, विसौरी, वगेरवाँ में बसे है।

रांमदेव के—1. धनीराम 2. पृथ्वीमल 3. गोविन्द राय 4. गोसाई दास 5. नाहर शाह 6. हरभान शाह 7. श्यामधन 8. बलभद्र शाह

धनीराम से ग्राम— धड़दौड़, डीहाकोट, अनेकपुर, सूरकपुर, जमुआव के लोग हैं।

पृथ्वीमल से तीन पुत्र—

1. सबल से चिटको का बड़ा पूरा।
2. जगत से चिटकों का छोटा पूरा।
3. केशव से बयलसी रूसाव।

गोविन्द राय के तीन पुत्र—

1. चित्तशाह से कछवन उत्तर का पूरा।
2. विजय से पोखरा, हरदासीपुर, अटहरपार।
3. विश्वम्भर से अमरौना, मड़ार, ढुहवाँ।

गोसाई दास के चार पुत्र—

1. जगरनाथ से डीहा, वीरी, हिसामपुर।
2. जोधाराय से सूरा का पूरा।
3. धीरजशाह से भीमपुर, खुज्झी।
4. खुशहाल शाह से ब्राह्मणपुर, हिमामपुर।

नाहर शाह के दो पुत्र—

1. भरत राय 2. छत्तू राय

दोनों से मचहटी, सिधौनी, उमरी, हीरापुर, अटहरपार।

हरभान शाह तीन पुत्र—

1. बुझारथ से हरदासीपुर
2. आलम से जरासी तीनों पुरा
3. जरॉव से कपसेठा

श्यामधन के पाँच पुत्र—

1. आरत राय से वरडीहा।
2. फेरूशाह से कछवन बीच का पूरा, वकटही इटहरा।
3. लालमन से वोडसर खुर्द, मारिकपुर।
4. बेचू से पनिहर।
5. गाजनशाह से मारिकपुर, पनिहर, धौटा।

बलभद्र शाह से खुज्झी, वरडीहा उत्तर का पूरा।

# ईश्वर दास के वंशजों के गाँव

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | अइलिया | 23. | बरौटी |
| 2. | अखईपुर | 24. | विशुनपुर |
| 3. | अमुवोर | 25. | लवेरुआ |
| 4. | अवहदपुर | 26. | विसौरी |
| 5. | कोइलारी | 27. | विहददर |
| 6. | हरिहरपुर | 28. | बीसापुर |
| 7. | नन्दूपुर | 29. | भूलनडीह |
| 8. | ककरापार | 30. | मझली |
| 9. | कनौरा | 31. | मूर्खा |
| 10. | कलेहुआ | 32. | रसड़ा |
| 11. | कसिली | 33. | लोकापट्टी |
| 12. | कुकुरौधा | 34. | लोहराखोर |
| 13. | कुसुम्ही | 35. | सतमेसरा |
| 14. | कोपा | 36. | हबुसहीं |
| 15. | नोनमटिया | 37. | हरधन |
| 16. | खेतर पाल | 38. | तराँव |
| 17. | गोठौली | 39. | चकरा |
| 18. | चकटॉड | 40. | रामगढ़ |
| 19. | देवलासपुर | 41. | सेनापुर |
| 20. | देवार | 42. | कुसरना |
| 21. | नरायनपुर | 43. | महादेवा |
| 22. | वगेरवाँ | 44. | वरमलपुर |

# बाबा रामदेव के वंशजों का गाँव

1. अटहरपार
2. अनेकपुर
3. अमरौना
4. जरासी
5. इटहरा
6. कछवन
7. बरैछे
8. सुज्झी
9. घोहां
10. पनिहर
11. पोखरा
12. बकटई
13. बरडीहा
14. बलुआ विलयपुर
15. ब्राह्मणपुर
16. भीमपुर
17. महापुर
18. मारिकपुर
19. रामदत्तपुर
20. रामदेवपुर
21. सिधौन्दी

2. डीहा
23. घोड़दौड़
24. वन्तरी
25. सूरा का पूरा
26. हरदासीपुर
27. हीरापुर
28. मचहरी
29. चिटकों
30. चौबेपुर
31. वोडसर खुर्द
32. डीहा कोट
33. चन्दवक
34. कपसेठा
35. कजहित
36. परसूपुर
37. पीकौरा
38. एक लक्खी
39. देऊपुरा
40. उमूरी
41. करनेहुआ
42. जमुआँव

# ईश्वर दास और रामदेव के सम्मिलित गाँव

1. बीरीवारी 2. वोदरी 3. मड़ार 4. हिसामपुर 5. मुकुरीपुर 6. हसवां. 7. वोड़सर 8. लोकापट्टी

गणेश राय के द्वितीय पुत्र रणधीर राय काशीदासपुर में बस गये। पाँच पीढ़ी तक एक ही पुत्र हुए जिससे एक ही गाँव में रह गये।

वरमल राय अपने पिता से नाराज होकर अपने नाम से वरमलपुर बकाया और पाँच पीढ़ी तक एक ही पुत्र हुए जिससे एक ही गाँव वरमपुर में ही रह गये।

रतन राय और गणेश राय दोनों ने एक साथ कठेहर का परित्याग किया।

हरिहरपुर आवास को व्यवस्थित एवं विकसित करने में दोनों भाइयों का योगदान था। धीरे-धीरे हरिहरपुर छुटता गया और नई-नई बस्तियाँ बनती गईं।

रतन राय के दोनों पुत्रों में आपसी सम्बन्ध मधुर नहीं थे। इसलिए कुबेर राय बनारस जिले के मोकलपुर गाँव में चले गये। जो गंगा की कछार में पड़ता है।

कोलेठकुराई के तीन पुत्र हुए—

1. दर्प राय 2. काम राय 3. मणिक राय

दर्पराम से धनरखा गाँव।

काम राय के पाँच पुत्र हुए—

1. बासुदेव राय 2. राम राय 3. गोवर्धन राय 4. बालचन्द 5. कस्तूरी राय

बासुदेव राय से बड़ीमढ़ी।

राम राय से मढ़ी बाबा का पूरा।

गोबरधन राय से छोटी मढ़ी।

बालचन्द आजमगढ़ चले गये।

कस्तूरी राय साधु हो गये।

मणिक राय के— 1. नरसिंह दास 2. हरिहर देव

नरसिंह दासे से थुन्ही और डोभी गाँव।

हरिहरदेव से हरिहरपुर।

# रतनराय का अनेक गाँवों पर आधिपत्य

रतनराय डोभी परिक्षेत्र के बाहर [illegible] के [illegible] [illegible] पराजित कर गोमती के किनारे अनेक गाँवों पर अपना आधिपत्य कर लिया। [illegible] रतनराय का अधिकार मढ़ी के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र पर [illegible] नदी के [illegible] गया।

मढ़ी द्वारा प्रदत्त गाँव—

रतन राय के वंशजों के पारिवारिक सदस्यों की संख्या गणेश राय के वंशजों के पारिवारिक सदस्यों की संख्या से अत्यधिक कम थी। बढ़ी हुई जनसंख्या के अनुरूप उनके आधिपत्य की भूमि जो भरण-पोषण के लिये अपर्याप्त थी। मढ़ी वालों ने [illegible] जिन गाँवों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था किन्तु [illegible] के [illegible] उपयोग नहीं कर रहे थे। उस पर गणेश राय के वंशजों का ध्यान गया। [illegible] से सम्पर्क कर उनसे निवेदन किया कि अनुपयोगी गाँव उन्हें दे दें क्योंकि उनके [illegible] यापन के साधन अत्यन्त ही कम हैं। मढ़ी वालों ने निवेदन पर कोई ध्यान नहीं दिया।

डोभी के लोग कटेहर के रघुवंशियों से संपर्क किया। इस समय [illegible] डोमनदेव की अध्यक्षता में 60 गाँवों की बैठक मढ़ी में हुई। यह एक [illegible] की [illegible] बैठक थी। मढ़ी वालों को झुकना पड़ा। 25 गाँवों में 12 गाँव डोभी और 12 [illegible] गाँव जो डोभी परिक्षेत्र में—

| | | |
|---|---|---|
| 1. दुधौड़ा | 5. नरकटा | 9. बड़वाँ |
| 2. कोपा | 6. बलिरामपुर | 10. [illegible] |
| 3. बहिरी | 7. [illegible] | 11. [illegible] |
| 4. चाँदपुर | 8. भगतौली | 12. [illegible] |

# बाबा रामदेव का हरिहरपुर का परित्याग

क्षत्रियों में पारिवारिक कलह एवं विघटन पहले से ही चला आ रहा है [illegible] रघुवंशी इसका अपवाद नहीं बन सके। गणेश राय के जीवन काल में ही [illegible] रणधीर राय पिता से अलग हो नया गाँव बसाकर बस गये जिसकी [illegible] भुक्तभोगी पिता को जीवन के अन्तिम क्षणों तक सताती रही।

ईश्वरदास के ज्येष्ठ पुत्र माधव राम अपने चाचा रामदेव से बड़े थे। [illegible]

# रतनराय का अनेक गाँवों पर आधिपत्य

रतनराय डोभी परिक्षेत्र के बाहर सुइरियों के दो सरदार अड्लर और अल्हाई को परास्त कर गोमती के किनारे अनेक गाँवों पर अपना अधिकार कर लिया। इस प्रकार रतनराय का अधिकार मढ़ी के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र पर गोमती नदी के किनारे तक हो गया।

मढ़ी द्वारा प्रदत्त गाँव—

रतन राय के वंशजों के परिवारिक सदस्यों की संख्या गणेश राय के वंशजों के पारिवारिक सदस्यों की संख्या से अत्यधिक कम थी। बढ़ी हुई जनसंख्या के अनुपात में उनके आधिपत्य की भूमि जो भरण-पोषण के लिये अपर्याप्त थी। मढ़ी वालों ने सुइरियों के जिन गाँवों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था किन्तु उत्पादन के लिए उसका उपयोग नहीं कर रहे थे। उस पर गणेश राय के वंशजों का ध्यान गया। वे लोग मढ़ी वालों से सम्पर्क कर उनसे निवेदन किया कि अनुपयोगी गाँव उन्हें दे दें क्योंकि उनके पास जीवन यापन के साधन अत्यन्त ही कम हैं। मढ़ी वालों ने निवेदन पर कोई ध्यान नहीं दिया।

डोभी के लोग कठेहर के रघुवंशियों से संपर्क किया। इस समय डोमनदेव थे। डोमनदेव की अध्यक्षता में 60 गाँवों की बैठक मढ़ी में हुई। यह एक बिरादरी की सामाजिक बैठक थी। मढ़ी वालों को झुकना पड़ा। 25 गाँवों में 12 गाँव डोभी और 12 कठेहर के गाँव जो डोभी परिक्षेत्र में—

1. दुधौड़ा
2. कोपा
3. बहिरी
4. चाँदेपुर
5. नरकटा
6. बलिरामपुर
7. रेहारी
8. भगत्तौली
9. बड़वाँ
10. वरहपुर
11. पड़रक्षा
12. भड़कुड़ा

# बाबा रामदेव का हरिहरपुर का परित्याग

क्षत्रियों में पारिवारिक कलह एवं विघटन पहले से ही चला आ रहा है। डोभी के रघुवंशी इसका अपवाद नहीं बन सके। गणेश राय के जीवन काल में ही वर्मल राय और रणधीर राय पिता से अलग हो नया गाँव बसाकर बस गये जिसकी मर्मान्तक पीड़ा से भुक्तभोगी पिता को जीवन के अन्तिम क्षणों तक सताती रही।

ईश्वरदास के ज्येष्ठ पुत्र माधव राम अपने चाचा रामदेव से बड़े थे। बड़े होने के

कारण माधव राय हरिहरपुर के किले में परिवार के प्रमुख हो गये। माधव राय के कलुषित मन में एक योजना ने जन्म लिया कि यदि चाचा रामदेव को समाप्त कर दिया जाए तो गणेश राय की हरिहरपुर की सम्पूर्ण सम्पत्ति उनकी और उनके भाइयों की हो जायेगी। सन्त स्वभाव के बाबा रामदेव को माधवराय की योजना का आभास हो गया और वे सजग और सतर्क हो गये। उन्होंने बँटवारे की पेशकश करते हुए अविलम्ब हरिहरपुर का परित्याग कर दिया। वे चन्दवक चले गये और वहीं पर उन्होंने अपना आवास बना लिया।

**बाबा रामदेव के ज्येष्ठ पुत्र धनीराम का घृणित चक्र–**

बाबा रामदेव के ज्येष्ठ पुत्र धनीराम थे। वे आठ भाई थे, उन्हीं का विवाह हुआ था। सम्पूर्ण सम्पत्ति पर एकाधिकार की लालच में सात भाइयों की हत्या की योजना बनाई। उन्होंने अपनी पत्नी को विवश किया कि वह सातों भाइयों के भोजन में विष मिला दें। धनीराम की पत्नी अत्यन्त ही सौम्य और मधुर स्वभाव की गृहिणी थी। वे अपने सातों देवरों से अत्यधिक स्नेह रखती थी। वह ऐसा जघन्य पाप नहीं करना चाहती थी। उसने मना कर दिया। धनीराम अपनी पत्नी से कहा कि यदि वह ऐसा नहीं करेगी तो वे स्वयं विषपान कर लेंगे। वैधव्य के भय से उसे भोजन में विष मिलाना पड़ा। सातों भाई भोजन करने के लिए बैठे। भोजन परोस दिया गया। वे सभी भोजन ग्रहण करें इसके पूर्व ही उनकी भाभी को रसोई घर में रोना आ गया और वे फूट-फूट कर रो पड़ीं। सभी भाई रसोई घर की ओर दौड़ पड़े। संयोग से उसी समय एक कुत्ता भी आ गया और उसने थाली का भोजन खा लिया। तुरन्त ही उस कुत्ते की मौत हो गई। सातों भाइयों की रक्षा हो गई और धनीराम का राज खुल गया। सातों भाई धर्मसंकट में पड़ गए। यदि वे धनीराम को समाप्त कर देते हैं तो स्नेहमयी पतिव्रता भाभी की मांग का सिन्दूर मिट जायेगा। सभी भाइयों ने मिलकर निर्णय लिया कि धनीराम को अपनों से दूर गोमती नदी के पार घुड़दौड़ गाँव भेज दिया। अपनी पतिव्रता भाभी को सभी ने उनके उपकार के लिए अनेकपुर गाँव दे दिया जिसे आज भी भाभी का गाँव कहा जाता है।

**आज का हरिहरपुर किला–**

लगभग 100 एकड़ में विस्तृत हरिहरपुर के भयावह जंगल के मध्य का वह किला जिसका निर्माण डोभी में रघुवंश के संस्थापक गणेश राय और रतन राय ने अपने सुरक्षित आवास के लिए किया था, जिस किले में डोभी के विस्तार के लिए योजना बनी और क्रियाशील हुई, जिस किले से निकलकर अगली पीढ़ियों ने अलग-अलग अनेक बस्तियाँ बसाईं, जिस किले ने गणेश राय और रतनराय और अगली पीढ़ियों को सुरक्षा प्रदान किया वरन् वह रघुवंशियों की प्रतिष्ठा और मर्यादा का प्रकाश स्तम्भ था। वहीं किला आज डोभी

के रघुवंशी क्षत्रियों का नहीं रह गया।

वर्तमान में यह किला अघोर पंथियों का मुख्य साधना स्थान है।

**अघोर पंथियों के पास यह किला कैसे आया–**

[illegible] पर [illegible] राजा [illegible] का अधिकार था। [illegible] जब [illegible] के [illegible] [illegible] राजा [illegible] ने उस समय [illegible] पर आक्रमण करते थे। [illegible] राजा [illegible] के दो पुत्र युद्ध में मार दिये थे। अब [illegible] का राजा हुआ तो उसकी [illegible] और टोपी पर नजर रहती थी। इसलिए टोपी निवासी रघुवंशी क्षत्रिय उससे [illegible] ही आतंकित रहते थे और साथ ही सजग रहते थे।

इन दिनों [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ने एक दिन राजा [illegible] [illegible] बाबा के [illegible] का अपमान किया था। बाबा ने उन्हें श्राप दे दिया कि तुम्हारे [illegible] [illegible] से साम्राज्य [illegible] [illegible]। इसी के दूसरे दिन [illegible] [illegible] का [illegible] के [illegible] [illegible] का आदेश मिल गया और वह [illegible] [illegible] की ओर चला गया। टोपी के रघुवंशी बाबा से इतने प्रभावित हो गये कि [illegible] [illegible] [illegible] का किला और [illegible] एकड़ भूमि बाबा को दे दिया। तभी समय से [illegible] के किले पर [illegible] [illegible] बाबा तथा [illegible] [illegible] का अधिकार चला आ रहा है।

# विरहज राय

विरहज के सुत चार।

गेल्ह, मेल्ह, केवटू पुकार।।

गेल्ह इनके वंशज राम गाँव में बसे हैं। मेल्ह संतान रहित रहे।

केवटू—इनके वंशज गोमती नदी के किनारे हरिहरपुर के पश्चिम और अजगरा के पूरब पिपरी वन के उत्तर तरफ बसे थे जिस गाँव का नाम पौहा था जो आज नाचिरागी हो गया। यह गाँव चारों तरफ से बाढ़ के घेरे में आ जाता था। गोमती नदी की बाढ़ में यह गाँव बह गया। एक परिवार तो बह गया। दूसरा परिवार कुछ दिन कुरौली में रहा फिर आज वर्तमान में रंगपुर घोड़ा घाट नदिया जिला बंगाल राज्य में बसे हैं। उनकी आबादी लगभग पच्चासों गाँव में है।

पुकार राय सम्वत् 1435 सन् 1378 ई. में नियार ग्राम में आबाद हुए।

नियार की प्रशंसो में कवि वंशी के पूर्वजों ने लिखा है।

नगर नियार स्थान रघुवंश जी को,

तीन कोन गोमती जी प्रकट मातु आई हैं।

दक्षिण है काशी सुखराशी पुरी बांसी जहाँ,

तकी मैं कहू क्या वेदन यश गाई हैं।

पश्चिम तरफ माई वनस्पति जी को धाम जहाँ,

जाको दरश पाय काहू खता नहिं खाई है।

ऐसे यह वर्णन के हाँ ले मुखर एक करूँ,

नियार की बाजार विधि आप ही बनाई हैं।

**नियार में सुइरियों का अधिकार–**

बाबा पुकारराय जिस समय नियार में आबाद होने हेतु आये। उस समय नियार में सुइरियों का आधिकार था। सुइरियों से पुकार राय का भीषण युद्ध हुआ। पुकार राय की विजय हुई। सुइरियों को नियार तथा आस-पास के क्षेत्र को छोड़कर भागना पड़ा।

नियार में पुकार राय कोट बनवाकर आबाद हो गए। आज भी रघुवंशी पुत्रो तथा पुत्रियों की शादी में कोट की नींव की पूजा करते हैं। पुकार राय नियार में उत्तर तरफ एक रघुवंशी पंयाचती चबूतरा बनवाया। चबूतरे में बड़ी शक्त है जो रघुवंशी की पंचायत कही भी

तय न हो वह इस चबूतरे पर तय हो जाती है।

दोहा–

**धन्य पटेहरा चौतरा धनि-धनि पुरुष पुकार,**
**धन्य बसायों है नगर, जग से न्यार नियार॥**

जहाँ चबूतरा है उस महाल का नाम पटेहरा है। बाबा पुकार राय ने ही [illegible] रामलीला का जन्म दिया जो आज तक कायम है। चबूतरा रामलीला की अयोध्या है। इस चबूतरे पर एक जंगम योगी बाबा पागला गोपाल दास उर्फ धसल्ली बाबा आकर रह लगे। वे सिद्ध पुरुष थे। वे गाँजा पीते थे। किसी ने चोलापुर थानेदार से शिकायत किया कि बाबा गाँजा के पौधे लगाये हैं। थानेदार आया और बाबा से कहा कि नदी की ओर गाँजा के पौधे आप लगाये हैं। बाबा ने कहा आकर देखं कि किधर गाँजा के पौधे थे। दरोगा ने देखा कि गाँजा के पौधे नहीं यह तो गेंदा के पौधे हैं। बाबा की कृपा से गाँजा के पौधे गेंदा के पौधे हो गये। दरोगा बाबा के चरण पर आकर गिर पड़ा। वे सिद्ध पुरुष थे, उनके सिद्धि का यह एक दृष्टान्त है। बाबा रघुवंशियों के सहयोग से चबूतरे पर एक पतालेश्वर हनुमान जी की मूर्ति स्थापित करके हनुमानगढ़ी और एक धर्मशाला का निर्माण किया।

## कवित्त

**जंगम योगी बाबा पागला गोपालदास,**
**तेज पुंज पूरण प्रताप दरसायो हैं।**
**घंटा विजय घट घहरात जहाँ आठो धाम,**
**शंख ध्वनि सुनि सब लोग सुख पायो हैं।**
**बरहो के चबूतरे पर विराजमान बाबाजी,**
**जाकी उदारता वरिण नहीं जायो हैं।**
**रघुवंश कुल के पंचायती चबूतरे पै,**
**बजरंग बहादुर को पताका फहरायो हैं॥**

### पुकार राय की शादी–

पुकार राय की शादी गोण्डा जिले के बलरामपुर रियासत के राजा की कन्या से हुई। कन्या का शुभ नाम अस्मल था। ये तीन बहन थीं।

1. अस्मल  2. शकुना  3. मृगा

### काशी में ग्रहण–

काशी में ग्रहण लगा। शकुना और मृगा स्नान करने की तैयारी की। राजा के दोनों पुत्रियों को स्नान हेतु अपने पुरोहित दीपई नाम के ब्राह्मण सो सुपुर्द किया और कहा कि

रास्ते में नियार ग्राम पड़ेगा। छिपे-छिपाये स्नान करा लाइए। जान-जनीवल की आवश्यकता नहीं है। उस ब्राह्मण ने वैसा ही किया भी। जाती बार किसी ने नहीं जाना। लौटती बार बाबा पुकार राय को विदित हो गया कि वे डोला बलरामपुर के राजा के हैं। उन्होंने तुरन्त उन लोगों की आगवानी किया और अपने निवास पर लाये। एक बहन घर में थी। इसलिये शुकना और मृगा बहन से मिलने घर में चली गई। ब्राह्मण और अन्य को बाहर ठहराया गया। स्वागत सत्कार सभी को होने लगा।

उधर घर के भीतर पुकार बाबा दोनों लड़कियों की माँग में सिन्दूर डालकर शादी कर ली। जब यह बात दीपई महाराज को ज्ञात हुई तो बहुत नाराज हुए और सोचे कि अब मैं राजा साहब को क्या उत्तर देंगे। इससे उन्होने तुरन्त विषपान कर लिया। विषपान की खबर जब पुकार बाबा को लगी तो शकुना और मृगा को मनाने के लिए ब्राह्मण के पास भेजा। मृगा बात-चीत करने में बड़ी चपटे[illegible] थी। मृगा ने ब्राह्मण से कहा कि पंडित जी महाराज आप ने तो अच्छी निगरानी की। जब हम दोनों घर के भीतर जाने लगी तो आपने न रोका न विषपान ही किया। हमारी एक बहन तो उनसे ब्याही ही गई थी। अगर हम दोनों से भी विवाह कर लिया तो यह अनुपयुक्त नहीं हुआ। अब आप मर कर हम लोगों के वंश का नाश करेंगे।

इतना सुनते ही ब्राह्मण की आँखें खुल गयी और उन्होंने कहा पुत्री हम तुसे अति प्रसन्न हैं। महारानी मृगा ने तुरन्त एक गिलास दूध लाकर कहा कि विप्र यदि आप प्रसन्न है तो इसे पान कीजिए। ब्राह्मण उसे पान कर लिया।

**श्री दीपई ब्राह्मण का आशीर्वाद–**

ब्राह्मण ने मृगा से कहा तुम्हारे पाँच पुत्र होंगे और बड़े वंशीक होंगे। शुकना भी पास में खड़ी होकर रो रही थी। उस तरफ घूमकर उन्होंने कहा कि क्या रोती है, तुझे भी पाँच पुत्र होंगे।

**ब्राह्मण की मृत्यु–**

आशीर्वाद के बाद ही विप्र के प्राण पखेरू उड़ गये। बलरामपुर के राजा को खबर देकर बुलवाया गया और विधिवत उनका अन्तिम संस्कार हुआ। उनकी स्थापना चबूतरे के पूरब तरफ सामने हुई। जो आज भी वर्तमान है। रघुवंशी परिवार से सहयोग लेकर नवरात्र सन् 2016 ई. से दीपई बाबा के भव्य मन्दिर का निर्माण शुरू होकर आज पूर्ण है। इस कार्य हेतु रघुवंशी परिवार से सहयोग शिवाजी सिंह व सुरेन्द्र सिंह ने 3 लाख रुपया लोगों से चंदा के रूप में इकट्ठा कर मंदिर बनवाया। जिसमें बृजेश सिंह ने 51 हजार एवं सदानन्द सिंह टेकुरी 21000 रुपया दिया। अनिल सिंह ने ब्रह्मबाबा की मूर्ति की स्थापना करवाये। ये बड़े जागता ब्रह्म हैं। इसका प्रमाण उनका वरदान ही है। मृगा को पूर्ण वरदान दिया आज रघुवंशी परिवार मृगा का ही है तथा शुकना को पूर्ण वरदान नहीं दिया अतः इनकी वंशावली

तीन ही छोटे ग्रामों में है। अतः सभी रघुवंशी परिवार से निवेदन है कि वर्ष में कम से कम एक बार श्री दीपई ब्रह्म का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

**ब्रह्म बरदान से पुत्र रत्न–**

श्रीमान् दीपई ब्रह्म के पाँचपुत्र, मृगा के पाँच पुत्र, शकुना तथा अर्बदानिल ... दो पुत्र हुए। इस प्रकार बारह पुत्र पुकार राय के हुए। इसी कारण कठेहरको बारह ... हैं।

अस्मल के दो पुत्र— 1. रायमल 2. राय ब्रह्म

रायमल के वंशज भदवाँ में पश्चिम का पूरा, खाले का पूरा, बेलतर, मुड़कुड़ा ... नियामतपुर (मिजापुर) में बसे है।

शुकना के पाँच पुत्र— 1. घाटम 2. परगास 3. भवबल 4. देवसी 5. ...

1. घाटम के वंशज दुमितवाँ में बसे हैं।

2. परगास के वंशज मगौलेपुर में हैं।

3. भुवबल के वंशज भदवाँ झड़प का पूरा, तराँव मलिकपूरा (गाजीपुर), ... झिझुआँ बिहार में बसे हैं।

देवसी के वंशज कुरौली में हरिहर का घर, मुरेरी, बरहीं का पूरा (सेमरा), देवरि... अमेरिका तथा नियार में नावल्द पर गौतम ठाकुर और धनिवस्त ठाकुर संजय हैं।

खरगू के वंशज कुड़ती, सेमरा उत्तर का पूरा में बसे हैं।

मृगा के पाँच पुत्र— 1. खेमराज 2. सातन राय 3. उग्रसेन 4. चितऊ बाबा ... नियायी बाबा

खेमराज के तीन पुत्र— 1. राय चान 2. वीरभान 3. उदय चन्द

रायचान का निवास गंगा जी के किनारे कैथी में था। जब ये पाँच वर्ष के हुए ... उनके हृदय में ऐसा उदगार हुआ कि वह गंगा जी की तपस्या करने लगे। द्वादश वर्ष ... कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर गंगा जी प्रकट हो गई और उन्होंने कहा "पुत्र माँ से क्या माँगता है" बाबा रायचान ने कहा कि हम रघुवशी क्षत्रिय हैं किसी से कुछ माँगने में ... को ठेस लगेगा। श्री गंगाजी ने कहा पुत्र तुने बड़ा कठिन तप किया है। अतः मैं अति प्रसन्न हूं। तु कुछ कह। रायचान गंगा जी की वाणी सुनकर कहा माता यदि सचमुच तू प्रसन्न है तो मुझ क्षत्रिय को कोई शस्त्र दे। श्री गंगा जी ने उनको एक तेगा प्रदान किया और अन्तर्ध्यान हो गई। रायचान तेगा लेकर घर आये। उस तेगा की परीक्षा हेतु दिल्ली पहुँचे और दिल्ली बादशाह सलामत के पास खबर कराई कि मैं अकेला सिपाही हुजूर के तेगे की ... सुनकर इस हौसले से हाजिर हुआ हूँ कि हमारी और आपकी जवांमर्दी देखी जाय।

बादशाह के पास जब यह खबर पहुंची तब वह सोचा कि यह कोई तपस्वी जान ...

है। इन्हें बड़े स्वागत से अपना अतिथि बनाया और एक रमणीक स्थान में ठहराया। दो चार दिन बाद दोनो शूरों में मुकाबला हुआ। बाबा रायचान के मुकाबले से बादशाह अति प्रसन्न हुआ। इन्हें 42 मौजे इनाम में दिया जो बयालसी के नाम से प्रसिद्ध है। रायचान जब दिल्ली से वापस आये तब कुछ समय के बाद उन्हें तीन पुत्र हुए।

1. मदनचन्द 2. वाल्हन 3. अनूपचन्द

मदनचन्द के तीन पुत्र— 1. सीसचन्द 2. मलेचन्द 3. लक्ष्मीचंद

सीसचन्द के ईसचन्द के तुरसी के— 1. बद्दू राय 2. तिलकराय

बद्दूराय के— 1. श्रीकृष्ण 2. हरकुँअर 3. चन्द्रिका 4. रामकिशुन

एक, दो तीन के वंशज कैथी में बसे हैं।

रामकिशुन के चेतनारायण के बन्नीराय के— 1. बुन्देल राय 2. हलहन्त

बुन्देलराय के— 1. हैबत 2. हुकुम

हैबत के वंशज बबियाँव, अजगरा, हजियातर में बसे हैं।

हुकुम के वंशज बबियाँव, अजगरा, हजियातर में बसे हैं।

हलहन्त के वंशज बबियाँव और अजगरा दक्षिण में बसे हैं।

मलेचन्द के छः पुत्र— 1. मूलचन्द 2. रामजीराय 3. दारूनराय 4. श्यामजी राय 5. जगदीश राय 6. काशीराय

मूलचन्द के वंशज कैथी, हथौड़ी, चमरहाँ में एक घर।

रामजी राय के वंशज अजगरा, चाहिन परानापट्टी में हैं।

दारून राय के वंशज अजगरा में।

श्याम जी राय के अजगरा में नावल्द।

जगदीश राय के ताला, बबियाँव, अकोढ़ा तथा वरहनी में हैं।

काशी राय के अजगरा वरतर तथा गढ़वा (चकिया) में हैं।

लक्ष्मीचन्द के वंशज लक्ष्मीसेनपुर में बसे हैं।

वाल्हन के तीन पुत्र— 1. जयचन्द 2. पाताल राय 3. शोभने

जयचन्द के— 1. महेशा 2. मुरारी

महेशा के— 1. दुखन्त राय 2. लहंगराम 3. केशरी राम

दुखन्त राय से खरदहाँ

लहंगराय के— 1. दशमी 2. फुलेल राय 3. दलगंजन

दशमी के रेहारी मस्टरान।

फुलेल राय के मानराय के सुवश राय के मनोरथ के— 1. नवल राय 2. पहलू राय

नवलराय के हथियर, पट्टी विजाँव, थाना सुरियाँवा।

पहलू राय से नियार शिवाजी का घर तथा ..... **इनका एक परिवार बड़ागाँव फत्तेपुर में बस गया।**

दलगंजन से बड़वाँ, तरइया (बिहार) रअऊ (भागलपुर), पकड़ी

केशरी राय से पड़रक्षा दोनों पूरा, कम्हरिया चंदौली।

मुरारी के— 1. रामशाह 2. सुन्दरशाह

राम शाह में हरदासीपुर और धूसा का पूरा।

सुन्दरशाह से नियार, ढूंढापुर (रामपुर)।

पाताल राय के— 1. पिरथी राय 2. दिलीप राय

पिरथी राय से नेवादा, अरियाँव (बिहार)

दिलीप राय के 1. बिहारी राय 2. कतवारू राय

बिहारी राय से बहिरी और कोपा।

कतवारू राय से रजला और लालमन कोट, अल्लोपुर, भागलपुर, कल्याणपुर (चंदौली) शोभने के सिहान के मंगल राय के महान के गुदरराय के कोलाहल के—1. हनू 2. सुवंश राय।

हनू से खुटहाँ।

सुवंश राय से सिंहपुर और भटपुरवाँ।

अनूपचन्द से लोआवेग।

वीरभान के दो पुत्र—1. मैनजी 2. मल्लू राय

मैन जीके— 1. मेदनी राय 2. मेघचन्द 3. महंगू राय 4. सुमेर राय (ना.)

मेदनी राय के वंशज रौना खुर्द, रौनाकला, गड़सरा, मुश्काबाद गोगारी, अकोढ़ा मझवार, जमुई (आजमगढ़), चनहटा धूरी कोट।

मेघचन्द के वंशज रौना खुर्द, मुश्काबाद में हैं।

महंगू राय के वंशज रौनाखुर्द, भोजूपुर, डगरूपुर तथा हड़ियाडीह व मुश्काबाद में बसे है।

मल्लू राय के वंश परवतपुर, डुबकियाँ, पियरी, उमरहां, सुल्तापुर, खरगीपुर।

उदयचन्द के पाँच पुत्र—1. नागमल, 2. गोपाल राय 3. चन्द्रसेन 4. चन्द्रभान 5. उगा ठकुराई।

नागमल के— 1. राजमल 2. जागमल

राजमल के— 1. बलवन्त 2. तरखूराम

बलवन्त के वंशज बेला और अमेरिका में बसे हैं।

तरखू राय के वंशज राजवारी, सर्वतीपुर में हैं।

जागमल के— 1. टोडरमल 2. रामराय

टोडरमल के वंशज टाँडा, नेपाल, नाथूपुर, पुरापार, मंजिहाँ, उतड़ी, नैनीताल, अरब, अण्डमान निकोबार, तिरना में बसे हैं।

राम राय के वंशज रामगढ़, बल्लीपुर, महमूदपुर, औरंगाबाद, रैया, दुबैठा, संघती तथा पसाही, भीमापुर में बसे हैं।

गोपाल राय के खर्गराय के— 1. नरसिंह भान, 2. सूर्यभान, 3. वीरभान 4.नन्दभान

इन चारों पुत्रों के वंशज खरौना, सिधौना, धमवल, नुरदीपुर, फर्दहा, रामपुर, अनौनी, इटहाँ पोखरा, टेकुरी, अमेना, अइली, दीनापुर, छपरा, नुरदीपुर, छावनी, बहेरी, मीरपुर, नन्दगंज, करमपुर, लक्ष्मीसेनपुर, गौरा बादशाहपुर, गुरेरा, मेहवाँ, रायबरेली में भदोश्वर ग्राम कुसुम्ही (गाजीपुर), परगना (सिकरा), बरेली, किसनपुर, विहटा (बिहार), रौना, बबुरा (मिर्जापुर)।

चन्द्रसेन के वीरसेन के रामसेन के भीमसेन के तीन पुत्र— 1. औधान 2. शिउदान 3.कीर्ति।

औधान के— 1. लौटन 2. उमेदा

कीर्ति के— 1. बोध 2. गया

इन लोगों के वंशज बरथरा कला, गोबरहाँ, महुअर, पारकी, कैथी, गुरेरा, सलेमपुर, मुड़हुआ, सहेपुर, खुरुहुजा, मचवल, मुसियाँ, सिहोरियाँ (बिहार), रघुनाथपुर विसुन्धरी, शंकरपुर, कमौली, बलुआ, रैयाँ तथा फुटियाँ में बसे हैं।

चन्द्रभान के वंशज सराय, डेरवाँ, पार का बेला, सिरीत्ती, अमौली, विसेसरपुर, मटिययाँ ग्रामों में बसे हैं।

उगाठकुराई में— 1. ताराचन्द 2. डोमनदेन

ताराचन्द के वंशज हरधन, मड़इयाँ, सरसवल, शिवदशा, कटारी, आयर, घनश्यामपुर, चहनियाँ, रंगून में बसे हैं।

डोमनदेव के कल्याणशाह के दो पुत्र— 1. ऐरन शाह 2. लखन शाह

ऐरनशाह के भूपति के चतुभुर्ज के जोरावर के शिव के अंगद के सुदिष्ट नारायण के दो पुत्र— 1. हरनाम 2. हरकुँवर

हरनाम के फेंकू के प्रतापनारायण उर्फ चिन्ती।

प्रताप नारायण विजयानगरम गये। वहीं पर राजा विजया नगरम ने उन्हें गोद ले लिए। उनके वंशज आज भी वहां पर हैं।

लकनशाह (ना.), इनके राशि पर ठा. रामउग्रह सिंह के वंशज लक्ष्मणगढ़ कोट में

वर्तमान है।

डोमनदेव के वंशज आयर, चन्द्रावती से नोखा (बिहार)।

सेमरागड़ई, भन्दहा कोदोपुर, अम्बा, जाल्हूपुर, वरियासनपुर में बसे है।

## डोमन देव

16वीं शताब्दी में नयनदेव के 10वीं पीढ़ी और पुकार राय के पाँचवी पीढ़ी। डोमनदेव एक प्रतापी राजा हुए थे। जिको राजा की पदवी दिल्ली के बादशाह शेरशाह … के द्वारा प्रदान की गई थी।

डोमन देव गंगा के किनारे पश्चिमी तट विसौरी या सुइरी गाँव में बसे। बसने के … इस गाँव का नाम अपनी पत्नी चन्द्रावती के नाम पर विसौरी गाँव का नाम चन्द्रावती … दिया।

**डोमन देव व सिअरुआ–**

सिअरुआ नाम डोमनदेव ने रखा था। सिअरुआ के बचन का नाम फरीद था। अपने सौतेली माँ के दुर्व्यवहार से ऊबकर वह एक दिन चुचचाप घर का परित्याग कर बिना दाना पानी के बुरी हालत में चल पड़ा। वह भटकते-भटकते चन्द्रावती गाँव आ गया। डोमनदेव घोड़े पर चढ़कर कहीं से आ रहे थे। उन्होंने देखा बरगद के पेड़ की छाया में एक बालक दीन अवस्था में सो रहा था। डोमनदेव से अपनी कहानी सुनाई। फरीद सासाराम के जागीरदार हसन का पुत्र था। डोमनदेव उसे अपने घर ले आये उसे घोड़े की देख-रेख करने हेतु रख लिया।

सिअरुआ प्रतिदिन घोड़े हेतु घास काटकर लाता था। उसे घोड़े के विषय में अच्छी जानकारी थी।

एक दिन की घटना है, सिअरुआ घास काटते-काटते सो गया। डोमनदेव उसी रास्ते से जा रहे थे। उन्होंने देखा कि सिअरुआ सोया है। उसके मुँह पर धूप बचाने के लिए एक सर्प फन फैला कर छाया करके पास में बैठा था। डोमनदेव घर की तरफ लौट पड़े और ज्योतिषियों को बुलाकर इस घटना का अर्थ पूछे। ज्योतिषियों ने कहा यह लक्षण राजा होने का है।

डोमनदेव सिअरुआ को बुलवाये और काफी रुपया तथा वस्त्र देकर कहा तुम जौनपुर राज्य में चले जाओ वहाँ सैनिक शिक्षा प्राप्त करो। तुम एक दिन शासक बनोगे। वह …

जाना नहीं चाहता था, किन्तु डोमनदेव ने आश्वासन दिया कि यदि वहाँ तुमको स्थान नहीं मिलेगा तो हम तुमको पुनः अपने यहाँ जगह देंगे। तुम एक बार अपने भाग्य की परीक्षा करो।

सिअरुआ जौनपुर आकर सैनिक शिक्षा प्राप्त कर सेना में भर्ती हो गया। हसन की मृत्यु के बाद वह सासाराम गया। कुछ दिनों तक सासाराम रहा अपने जागीर की देख भाल करने लगा किन्तु माता के व्यवहार से पुनः उसे घर छोड़ना पड़ा। दक्षिण बिहार के शासक बहार खाँ के यहाँ नौकरी कर ली। एक दिन शिकार के समय एक शेर का वध कर दिया। जिससे प्रसन्न होकर बहार खाँ से शेर खां की उपाधि दी। बहार खाँ की मृत्यु के बाद शासन की समस्त सत्ता शेर खाँ के अधिकार में आ गयी। 1539 ई. में वह हुमाऊ को चौसा के मैदान में पराजित कर 1540 ई. में वह शेरशाह के नाम पर दिल्ली की गद्दी पर बैठा।

शेरशाह बुरे दिन में शरण देने वाले डोमनदेव को नहीं भूला। उन्हें आमंत्रित कर दिल्ली बुलवाया। डोमनदेव को दिल्ली पहुँचने पर उनका शाही स्वागत हुआ। शेरशाह ने डोमनदेव से कहा आप की सेवा में क्या पेश किया जाय, डोमनदेव ने कहा— शाही स्वागत पाने की स्मृति में सब कैदियों को मुक्त किया जाय। शेरशाह ने वैसा ही किया। शेरशाह ने, डोमनदेव को राजा की उपाधि दी और चन्द्रावती में सुरक्षा के लिए किला बनवाने के लिए कहा। ऐतिहासिक रोड ग्राण्ड टंक रोड को बनारस से ले जाने के लिए शेरशाह से आदेश कराया। 1545 ई. में शेरशाह, राजा डोमनदव से आखिरी बार मिला। चन्द्रावती गाँव भौगोलिक तथा ऐतिहासिक दृष्टि से बड़े महत्व का है। यह स्थान 25, 28 उत्र अक्षांश तथा 83.8 पूर्व देशान्तर पर है।

राजा डोमन देव महात्मा गौतमबुद्ध के दो रात्रि चन्द्रावती में विश्राम करने की स्मृति में दो मंदिरों को बनवाया। डोमनदेव के किले का अधिकांश भाग आज गंगा जी में चला गया है। भारत सरकार इस किले की खुदाई न की जाय प्लेट पर लिखवा कर खड़ा किया है।

महारानी मृगा के दूसरे पुत्र सातन राय के वंशज—

सातन राय के दो पुत्र— 1. कुंजल राय (ना.) 2. केसरी राय

केसरी राय के रुद्रीराय के— 1. हरिहर दास 2. विशुन दास

हरिहर दास के— 1. रामा राय 2. मामदेव 3. मनियार राय 4. भगवत राय, 5. गगन राय

विशुन दास के— 1. नरहर देव 2. चक्कर राय 3. तिलमा शाह 4. रन राय 5. वीरम देव

राम राय के वंशज धौरहरा पानी टंकी के पास, बक्सर के पास विधौरा ग्राम में बसे हैं।

मामदेव नावल्द मनियार के वंशज धौरहरा फाटक, धौरहरा डीह, पत्नकहीं बनारस मध्य प्रदेश, टाटा, बराई, चिरईगाँव, अमेरिका में बसे हैं।

भगवत राय के वंशज हरिहरपुर, गजाधरपुर, सिंहपुर, सारनाथ।

गगन राय के वंशज धौरहरा नारेपर में बसे हैं।

नरहरदेव के वंशज धौरहरा में मुसलमान हो गये।

इसमें तेतारपुर, खानपुर, अनौनी तथा शिवपुर में बसे हैं।

चक्कर राय के वंशज तेतारपुर छितौनी, हरिदासपुर (आयर), रामपुर मांझा में बसे हैं।

तिलमाशाह के वंशज धौरहरा, महुआतर, पूरापर छितौनी, तेतारपुर में विनायकपुर कपसेठी, वाराणसी, अमेरिका में बसे हैं।

रन राय के वंशज धौरहरा, भोभलापर, पतार (गाजीपुर), भागलपुर जिले के शाहकुण्ड कस्बे में बसे हैं।

छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर में बसे हैं।

वीरमदेव के वंशज, गौरा, कादीपुर, जाल्हूपुर, महरखा, भदिवा, चिरईगांव बुधवार।

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के वंशज उधोरामपुर रेहारी छावनी जवरनपुर बलिरामपुर, महदां, भदवां, धरसौना, कुण्डाखुर्द त्रिपाट में बसे हैं।

महारानी मृगा के चौथे पुत्र चितऊ बाबा के वंशज—

चितऊ बाबा के तीन पुत्र— 1. लादा 2. वशिष्ठा, 3. कल्याण शाह

लादा के सिदयाल के हुकुम के कंगल के सिलहन्त के

रामरक्षा के— 1. दाऊ 2. रसराज 3. ढनमन

दाऊ से दाऊतपुर में बसे हैं।

रसराज से रसड़ा में बसे हैं।

ढनमन से लखनपुर (ढेरहीं) में बसे हैं।

वशिष्ठा के— 1. सुरतन 2. कीर्ति 3. देव राय 4. उमंडा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पृथ्वीधर राय की तीसरी पत्नी महारानी सुगा के वंशज

सुगा के प्रथम पुत्र सोमराज के रामचन्द्र के मदनचन्द्र के 1. शीशचन्द्र 2. [illegible] [illegible] चन्द

1. शीश चन्द के वंशज बखियाँव अजगरा महिमा पट्टी के [illegible] हैं।

शीशचन्द के ईशचन्द के तुलसी के 1. बद्दू राय 2. तिलक राय

1. बद्दू राय के 1. श्रीकृष्ण 2. हरकीआर 3. [illegible] 4. राम किशुन

4. राम किशुन के चेत नारायण के बन्धी राय के 1. बुन्देला राय 2. [illegible]

1. बुन्देला राय के 1. हैबत 2. हुकुम

2. हुकुम के लछमन के 1. हनुमान 2. झुरी 1. हनुमान के 1. मौजी 2. [illegible]

1. मौजी के 1. आलिम 2. राम प्रसाद (ना.) पर [illegible]

1. आलिम के 1. भवन दयाल 2. रामदीन 3. रघु (ना.) 4. [illegible] (ना.)

1. भवन दयाल के 1. जैपाल (ना.) 2. हरपाल (ना.) 3. शिपाल 4. [illegible] (ना.) 5. देवनन्दन (ना.)

3. शिपाल के 1. महादेव 2. मारकण्डे (ना.) 3. रामधारी

1. महादेव के 1. लोकनाथ 2. भृगुनाथ (ना.) 3. छविनाथ

1. लोकनाथ के 1. रविन्द्र 2. ज्ञाचन्द

1. रविन्द्र के 1. ओम प्रकाश 2. प्रतीक

2. ज्ञानचन्द के 1. मोहित 2. मन्थन

3. छविनाथ के 1. नरेन्द्र 2. वीरेन्द्र (ना.)

1. नरेन्द्र के 1. विवेक 2. विश्वेस (ना.)

1. विवेक के हर्ष

3. रामधारी के 1. हरिकुँवर 2. महेन्द्र

1. हरिकुँवर के भानु प्रताप के 1. आनन्द 2. मयंक

2.महेन्द्र के 1. नवीन 2. विपिन

2. विपिन के रुद्रप्रताप

2. नवलदीन के 1. सलहन्त 2. शिलवन्त 3. हरहोर

1. सलहन्त के 1. हरबख्श 2. गुरुबख्श

1. हरबख्श के विजय के बल्देव के जानकी के लालबहादुर के ठाकुर प्रसाद के 1. उमाशंकर 2. मंगला प्रसाद 3. इन्द्रजीत 4. दयाशंकर (ना.)

1. उमाशंकर के 1. ऋषी कुमार 2. आशीष

1. ऋषी कुमार के ओम

2. मंगला प्रसाद के 1. अशोक 2. संजय

1. अशोक के 1. वैभव 2. लव

2. संजय के 1. यश 2. श्रेय

3. इन्द्रजीत के 1. बसन्त 2. दुष्यन्त 3. जयन्त

1. बसन्त के एक पुत्री जान्हवी

2. दुष्यन्त के शिवांश

3. जयन्त के 1. सिद्धार्थ 2. यथार्थ

2. गुरुबख्श के गनेश के जोखू (ना.)

2. शिलवन्त के शिवबालक के देवी के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी

1. जेठरी के जय मंगल के 1. भगौती 2. बद्री

1. भगौती के 1. बैजनाथ 2. दूधनाथ

1. बैजनाथ के बसन्त के 1. संतोष 2. अश्वनी। गाजियाबाद में बस गये हैं।

2. दूधनाथ के 1. उदयराज 2. रामसिंह

1. उदयराज के 1. चन्द्रशेखर 2. मदन 3. अवधेश

1. चन्द्रशेखर के 1. रवि 2. भाष्कर

2. मदन के सिद्धार्थ अमेरिका में रहते हैं।

2. राम सिंह के 1. संजय 2. अजय के एक पुत्र

1. संजय के कनिष्क कनाडा में रहते हैं।

2. बद्री के 1. गोरख 2. प्रेमनाथ

1. गोरख के 1. शेषनाथ (ना.) 2. राजेन्द्र

2. राजेन्द्र के 1. सुशील 2. संदीप

1. सुशील के 1. आनन्द 2. आदर्श

2. प्रेमनाथ के 1. महेन्द्र 2. राज कुमार

1. महेन्द्र के अभिषेक के प्रभात

2. राजकुमार के 1. दीपक 2. पंकज

1. दीपक हर्षित

2. लहुरी पत्नी के 1. शिव मंगल अजगरा में बसे हैं। 2. हरमंगल 3. देवमंगल 4. राममंगल

2. हरमंगल के राजाराम के 1. जूठन (ना.) 2. शम्भू

2. शम्भू के 1. संजय 2. धर्मेन्द्र 3. निरंजन

1. संजय के रुद्रप्रताप

2. धर्मेन्द्र के किशन

3. निरंजन के 1. कार्तिकेय 2. सूर्या

3. देवमंगल के 1. राजनाथ (ना.) 2. रामराज

2. रामराज के 1. आदित्य 2. लालता

1. आदित्य के 1. कैलाश 2. हृदयनारायण 3. सतीश

1. कैलाश के 1. बृजेश 2. राकेश 3. धीरेन्द्र 4. योगेश (ना.)

1. बृजेश के प्रियांशु

2. राकेश के शिवा

3. धीरेन्द्र के सूर्यांश

2. हृदय नारायण के 1. आलोक 2. ऋषी

1. आलोक के रचित

3. सतीश के शौर्य

2. लालता के लक्ष्मी नारायण के 1. आशु 2. चन्दन 3. मुन्ना

1. आशु के 1. सुधांशु 2. नीतिन

4. राममंगल के 1. अम्बिका 2. चन्द्रिका 3. मानिका

1. अम्बिका का परिवार बिहार के रोहतास जिले में महुआरी ग्राम में जाकर ब बबियाँव से भी आना जाना है।

2. चन्द्रिका के वंशराज के 1. विजय 2. समसेर

1. विजय के अनमोल

3. मानिका के 1. श्याम नारायण 2. बच्चन 3. इन्द्र बहादुर 4. नरेन्द्र

1. श्याम नारायण के अरविन्द के 1. रविष 2. कृश

2. बच्चन के अवनीष के आयांश

3. इन्द्र बहादुर के अमित के खुग प्रताप

4. नरेन्द्र के 1. राघवेन्द्र 2. रणंजय

1. राघवेन्द्र के माल्यवन्त

3. हरहोर के राम प्रसाद के दुर्गा (ना.)

2. झूरी के मान के रामदीन के लक्ष्मी नारायण (ना.)

2. हलहन्त के 1. सीताराम 2. नवल 3. हिम्मत

1. सीताराम के 1. ईश्वरी 2. बच्चा 3. बलजोर

1. ईश्वरी के देववरन के 1. भूमिधर 2. लालजी

1. भूमिधर के 1. गुलाब (ना.) 2. पारसनाथ 3. हरिहर

2. पारस के 1. विजय 2. विनय

1. विजय के समीर

2. विनय के आनन्द कुमार

3. हरिहर के 1. राकेश 2. बृजेश

1. राकेश के यथार्थ

2. बृजेश के रुबल

2. लालजी के 1. घनश्याम 2. राधेश्याम 3. विनोद

1. घनश्याम के 1. कमलेश 2. मिथिलेश दोनों को एक एक पुत्र

2. राधेश्याम के आशुतोष

3. विनोद के 1. सौरभ 2. राम तीनों भाई का परिवार टेगरा मोड़ के पास बस गया है।

2. बच्चा के रामवरन के 1. सूर्य प्रसाद 2. राममूरत

1. सूर्य प्रसाद के 1. अमलदार 2. श्रीकिशुन 3. राधेश्याम (ना.) 4. सुरेश (ना.)

1. अमलदार के 1. राजीव 2. अभिषेक

2. श्री किशुन के 1. संजीव 2. अमित 3. पीयूष

2. रामपूजन के 1. हृदयनारायण (ना.) 2. जय प्रकाश 3. रमेश 4. मनोज

2. जय प्रकाश के 1. [illegible] 2. शेखर (ना.)

1. [illegible] के अमित

3. रमेश के श्रीकान्त

4. मनोज के 1. [illegible] 2. अनुज

3. [illegible] के 1. अयोध्या 2. माधो (ना.) 3. बहादुर (ना.)

1. अयोध्या के विश्वनाथ के 1. जयनारायण 2. श्रीनारायण 3. रामनारायण (ना.)

1. जयनारायण के चार पुत्री 1. नीरुपमा 2. कुसुम 3. कनक 4. प्रेमलता

2. श्रीनारायण के 1. शैलेन्द्र 2. सौरभ

1. शैलेन्द्र के 1. ओम 2. ध्रुव

2. सौरभ के पार्थ

मलेचन्द के जगदीश राय के त्रिभुवन शाह के कुंजीराय के उमराव के रामबक्स, शम्भू के विश्वेश्वरी के देवनन्दन के बुद्धिराम के अम्बिका के केशव के 1. ओम प्रकाश 2. मनोज के युवराज

1. ओम प्रकाश के धर्मेन्द्र के रुद्र प्रताप

1980 ई. में अम्बिका ताला से जाकर बबियाँव में बस गये।

## अजगरा

महारानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के रामचान के मदन चन्द के 1. शीशचन्द 2. मलेचन्द 3. लक्ष्मीचन्द

मलेचन्द के 1. मूलचन्द इनके वंशज कैथी में हैं।

2. रामजी राम इनके वंशज अजगरा चौंहिन परानापट्टी में

3. दारून राय के वंशज अजगरा में 3. श्यामजी राय (ना.)

5. जगदीश राय के वंशज ताला में।

5. काशी राय के वंशज अजगरा बरतर में तथा गढ़वा चन्दौली में

2. रामजी राय के 1. हृदय सहाय 2. धीरजन शाह

1. हृदय सहाय के 1. अवध 2. अकबर 3. अजब

1. अवध के 1. राम सहाय का परिवार चौंहिन पाही पर

2. सरनाम का परिवार चौंहिन अजगरा में

3. हरनाम का परिवार चौंहिन में।

2. सरनाम के सूजा के 1. दिन्नू 2. हरीदीन (ना.)

1. दिन्नू के 1. कालीचरन 2. शिववरन का परिवार चौंहिन

3. कुलदीपक (ना.)

1. कालीचरन के जीत बहादुर के बलिराम के 1. त्रिभुवन 2. राजेश (ना.) 4. मंगरू (ना.)

1. त्रिभुवन के 1. रणजीत 2. रणधीर के 1. यथार्थ 2. शान्तनु3. विश्वजीत 5. धीरज

4. विश्वजीत के आभी

2. विक्रम उर्फ रंभू के धर्मवीर

4. मंगरू के एकपुत्र मृत्यु हो गई नावल्द

2. अकबर के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी

1. जेठरी में 1. शिव सेवक 2. देवन (ना.)

1. शिव सेवक के उधो के 1. बाल किशुन (ना.) 2. निर्मल

2. निर्मल के 1. सूचित 2. देवीचरन

1. सूचित के एक पुत्री बृजराजी (ना.)

2. देवीचरन के 1. नवलकिशोर 2. राजकिशोर 3. महेन्द्र

1. नवल किशोर के अवधेश के 1. अभिषेक के आधवन 2. तेजस

2. राज किशोर के सुशील के दिनकर के दर्श

1. महेन्द्र के 1. रामसरन 2. सियासरन 3. बन्नू (ना.) 4. दीपक के विरेश

1. रामसरन के 1. देवेश 2. अनुज 3. गनपत

2. सियासरन के 1. मारूति नन्दन 2. केशरी कुमार

लहुरी के 1. राम प्रगास 2. रामदीहल

1. राम प्रयास के 1. झिगुरी 2. अगरदू 3. सालिक (ना.)

1. झिगुरी के 1. शिवभजन 2. अलियार 3. अशवरन (ना.)

1. शिवभजन के 1. दलगंजन (ना.) 2. हरचरन (ना.)

2. अलियार के रामनाथ (ना.)

2. अगरदू के 1. मेहनी 2. दुलम (ना.)

1. मेहनी के 1. झीमल 2. बुधसागर (ना.)

1. झीमल के 1. रामलखन (ना.) 2. चित्रसेन (ना.) 3. कैलाश

3. कैलाश के उमाशंकर के 1. नरगेश्वर 2. अखिलेश 3. भोला

1. नरगेश्वर के रीषभ के ईशान

2. अखिलेश के शुभम

3. भोला के एक पुत्री राजश्री

2. रामदीहल के 1. बच्चा (ना.) 2. अयोध्या (ना.) 3. मथुरा 4. नाम अज्ञात (

3. मथुरा के 1. श्याम सुन्दर (ना.) 2. भरत

2. भरत के 1. राम अधार 2. पारथी

1. राम अधार के 1. चन्द्रभूषण 2. सिंहासन 3. हरखन (ना.) 4. जटाशंकर

1. चन्द्रभूषण के 1. जगदीश 2. फेकू

1.जगदीश के 1. दृगपाल 2. रामाश्रय 3. रमेश 4. सुरेश 5. कन्हैया

1. दृगपाल के प्रशान्त के अर्पित

2. रामाश्रय के प्रदीप के रियांश

3. रमेश के नीलेश

4. सुरेश के गौरव

5. कन्हैया के आयुष

2. फेकू के 1. विजय 2. विनय 3. विपिन

1. विजय के 1. गौतम 2. सौरभ

2. विनय के कीर्तन

3. विपिन के दो पुत्री 1. खुशी 2. मुस्कान

2. सिंहासन के 1. तीर्थराज 2. उदयराज

1. तीर्थराज के 1. शैलेश 2. रीतेश

1. शैलेश के श्रीहान

2. उदयराज के नितेश

4. जटाशंकर के 1. दिनेश 2. विनोद

1. दिनेश के 1. हर्ष 2. हर्षित

2. विनोद के आदर्श

2. पारथी के 1. बजरंगी 2. रामसकल

1. बजरंगी के 1. वीरेन्द्र 2. जीतेन्द्र

1. वीरेन्द्र के 1. आशीष के अभिमुक्त 2. अवनीश के श्रेयांश

2. जीतेन्द्र के अन्नू

2. रामसकल के 1. अशोक 2. अरविन्द 3. गोविन्द

1. अशोक के सतीश

2. अरविन्द के मनीष

3. गोविन्द के 1. राज 2. राजन

2. अजब के मेहरवान के लाल के 1. मानधाता

2. सुग्रीव 2. नाहर 3. बली 4. जैकिशुन 5. बहादुर

1. मानधाता के रामदौर के कौलेश्वर के 1. जगरनाथ 2. ठेघू (ना.)

1. जगरनाथ के 1. राम दुलार 2. राम अवतार

1. रामदुलार के 1. सत्यप्रकाश 2. राम सिंह के दो पुत्री 1. खुशी 2. ज्योति 3. अवनीश

1. सत्यप्रकाश के 1. विनय 2. विजय के एक पुत्र रुद्राक्ष 3. विनीत

1. विनय के रुद्रम

3. अवनीश के वंश

2. राम अवतार के 1. कपिल 2. धर्मेन्द्र

1. कपिल के 1. विशाल 2. विवेक

2. धर्मेन्द्र के 1. आयुष 2. प्रांजल

2. सुग्रीव के राम गुलाम के 1. गंगा (ना.) 2. सुअम्बर (ना.)

3. नाहर के रामरेन्द्र के अमर के तीन पुत्र

1. नाम अज्ञात (ना.) 2. नाम अज्ञात (ना.) 3. अर्जुन

3. अर्जुन के 1. भगवानू 2. हनुमान (ना.) 3. मोहन (ना.) 4. देव प्रसाद (ना.)

1. भगवानू के 1. रामबोध 2. राम निहोर

1. रामबोध के 1. गुलाब 2. पारस 3. सुजीत 4. अजीत

1. गुलाब के संजय के 1. ऋषभ 2. सौरभ

2. पारस के मनोज के आरव

3. सुजीत के 1. युवराज 2. रुद्रप्रताप

4. अजीत के अमन

2. राम निहोर के 1. विजय 2. अजय

1. विजय के 1. संदीप 2. अवनीश

2. अजय के चार पुत्री 1. जुली 2. रोली 3. प्रियंका 4. पूजा

2. धीरजशाह के 1. इच्छा 2. शंकर 3. सुघर 4. गुलाब

1. इच्छा के टोल्हा के 1. जोखन 2. पिरथी 3. सुखेन 4. बच्चा

1. जोखन के 1. गोविन 2. गोमती 3. दलीप 4. महीप (ना.)

1. गोविन के 1. रामखेलावन 2. रामसुभग (ना.) 3. रामवरन (ना.)

1. रामखेलावन के 1. रामनन्दन (ना.) 2. हरिनन्दन

2. हरिनन्दन के रघुवंश के 1. संतोष के श्रेयश 2. मनोज 3. योगेश 4. अरुण बृजेश

2. गोमती के 1. बेचन 2. देवकी 3. जंगी (ना.) 4. रामजग (ना.) 5. राम कृ (ना.) 6. रामदग्रह (ना.)

1. बेचन के 1. रामकिशुन (ना.) 2. भगौती

2. भगौती के लालता के 1. वीरेन्द्र 2. प्रेमशंकर 3. शरण शंकर (ना.)

1. वीरेन्द्र के 1. अमर 2. अनीष के अंश

2. प्रेमशंकर के दिनेश के 1. उमंग 2. शिवांग

2. देवकी के सोबरन (ना.)

3. दलीप के शिव कुमार के 1. झूरी 2. कमला 3. उमा

1. झूरी के 1. बृन्दा (ना.) 2. केदार (ना.) 3. शारदा

3. शारदा के 1.शिवशंकर 2. दया (ना.) 3. मायाशंकर

1. शिवशंकर के 1. सुबाष 2. सुशील

1. सुवाष के सुधांशु

2. सुशील के श्रेयांश

3. मायाशंकर के 1. आशीष 2. प्रद्युम के एक पुत्री वैष्णो 3. देवेन्द्र
1. आशीष के हरिओम
2. कमला के 1. वनमाली 2. गिरधारी 3. श्यामलाल 4. सूर्यबली
1. वनमाली के 1. शैलेन्द्र 2. सुनील 3. सतीश
1. शैलेन्द्र के अभिषेक
2. सुनील 1. सूरज 2. मनोहर
3. सतीश के रौनक
2. गिरधारी के 1. दुर्गेश 2. मुकेश 3. बृजेश
1. दुर्गेश के आदित्य
3. श्यामलाल के 1. संजय 2. सुधीर 3. दीपक 4. देवेन्द्र
1. संजय के शिवम
2. सुधीर के सत्यम
3. दीपक के रुद्रप्रताप
4. सूर्यबली के अजय के 1. शुभम 2. मोहित
3. उमा के 1. लालजी 2. लल्लन 3. नगीना 4. नरेन्द्र
1. लालजी के 1. विनय 2. आनन्द
1. विनय के सक्षम
2. आनन्द के शिवम
2. लल्लन के 1. अनुज 2. मनोज 3. अनूप
1. अनुज के एक पुत्र
2. मनोज के दो पुत्र
3. अनूप के दो पुत्र लल्लन का परिवार अनपरा (सिंगरौली) में बस गया है।
3. नगीना के 1. उदय 2. धर्मेन्द्र 3. राजेन्द्र
1. उदय के एक पुत्र
2. धर्मेन्द्र के दो पुत्र सिगरौली में बसे हैं।
4. नरेन्द्र के 1. सत्यम 2. संदीप 3. मनीष
सत्यम और संदीप को एक-एक पुत्र अनपरा में बसे हैं।

2. पिरथी के दीना (ना.)

3. सुखेन के मगरू के जगबन्धन के 1. रामा 2. हरी

1. रामा के 1. कुंजबिहारी 2. धर्मराज 3. चन्द्रबली

1. कुंज विहारी के दत्तक पुत्र अनय

2. धर्मराज के 1.राजेश 2. अनय 3. अजय

1. राजेश के 1.राहुल के एक पुत्र वेदांत 2. अनिकेत

2. अनय के अर्पित

3. अजय के हेमंत

3. चन्द्रबली के अजीत के 1. किशन 2. शिवम

हरी के विजय के 1. रोशन के 1. रेयांश 2. रिशव 2. राजीव

रोशन आस्ट्रेलिया में राजीव वेल्जियम में हैं।

2. शंकर के 1. शिवजतन 2. शिवचरन के चाँहिन में

1. शिवजतन के 1. अखुल (ना.) 2. माधो

2. माधो के द्वारिका के रणधीर के 1. शिवनाथ 2. माता प्रसाद 3. शीतला (ना.)

1. शिवनाथ के 1. कल्पनाथ 2. सत्य नारायण 3. लालमणि

1. कल्पनाथ के 1. विजय नाथ 2. राम लोचन 3. जय प्रकाश 4. भानु प्रकाश 5. अनिल

1. विजयनाथ के पुत्री साधना

2. रामलोचन के कमलेश के कृतवर्धन

3. जय प्रकाश के अमित के शिवांश

4. भानु प्रकाश के 1. विपिन 2. प्रखर

1. विपिन के आदित्य

5. अनिल के श्वेतार्क

2. सत्यनारायण के 1. सुरेन्द्र 2. रविन्द्र 3. योगेन्द्र

1. सुरेन्द्र के 1. पवन 2. मधुर

2. रविन्द्र के 1. अतुल 2. मनीष

3. योगेन्द्र के शिवम (मृत्यु)दो पुत्री1-नेहा 2-उजाला

3. लालमणि के अरुण के वैभव

2. माता प्रसाद के 1. हरिहर 2. लालबिहारी 3. श्याम बिहारी

1. हरिहर के इन्दु प्रकाश के शशिकान्त 2. सूर्यकान्त 3. रजनीकान्त

1. शशिकान्त के अंशुमान

2. सूर्यकान्त के कर्णवकान्त

3. रजनीकान्त के 1. आयुषमान 2. विश्वास

2. लाल बिहारी के 1. अरविन्द 2. ओम प्रकाश 3. धर्मेन्द्र 4. राजेश 5. रमेश

1. अरविन्द के 1. विकास 2. दीपक

1. विकास के मृदुल

2. ओम प्रकाश के 1. विशाल 2. अमित 3. अमर

3. धर्मेन्द्र के तुषार

4. राजेश के शैलेश

3. श्याम बिहारी के 1. राजेश 2. अखिलेश

1. राजेश के 1. विवेक 2. अभिषेक

2. अखिलेश के अवनीश

3. सुथर के 1. श्रीराम 2. जयराम

1. श्रीराम के 1. समझू 2. बुझावन

1. समझू के रामचरन के 1. टेगारी 2. परमेश्वर 3. बचऊ (ना.)

1. टेगारी के 1. बलकरन 2. रुप्पन

1. बलकरन के 1. लौजारी 2. भूपनारायण (ना.)

1. लौजारी के 1. नरसिंह (ना.) 2. श्यामनारायण 3. चन्दन (ना.)

2. श्याम नारायण के 1. विनोद 2. प्रेमशंकर 3. प्रमोद 4. सतपाल

1. विनोद के 1. जटाशंकर 2. अभिषेक (ना.)

1. जटाशंकर के आर्यन

2. प्रेमशंकर के वेद प्रकाश

3. प्रमोद के अनन्त विजय के 1. यथार्थ 2. शाश्वत

4. सतपाल के पुत्री 1. सोनल 2. तन्नू

2. रुप्पन के 1. मारकण्डे (ना.) 2. सरजू (ना.) 3. विजय कुमार

3. विजय कुमार के 1. कुँवर 2. बृजेश के दो पुत्री

1. कुँवर के अमन

2. परमेश्वर के 1. हरकन 2. रामनन्दन

1. हरकरन के गौरी के 1. तिलकधारी 2. रामधारी

1. तिलधारी के पुत्री 1. सीमा 2. नीतू

2. रामधारी के 1. देवेन्द्र 2. विवेक

1. देवेन्द्र के मोहित

2. विवेक के विध्यांश

2. बुझावन के 1. मोहाल (ना.) 2. सोहाल

2. सोहाल के बाबूनन्दन के 1. दुक्खी 2. रामसेवक (ना.)

1. दुक्खी के 1. हलफल 2. रामफल 3. विसदेव

1. हलफल के 1. कृपाशंकर 2. जयशंकर 3. जय प्रकाश 4. जितेन्द्र 5. राजेश (ना.) 6. विश्वजीत

1. कृपाशंकर के संजय के ओयांश

2. जयशंकर के धनंजय के प्रियांश

3. जय प्रकाश के 1. अजय के शाश्वत 2. अनिनय

4. जितेन्द्र के विजय के एक पुत्र

2. रामफल के श्रीप्रकाश के 1. शिवाजी 2. राहुल के वंश कुमार

1. शिवाजी के अंश

3. विसदेव के ओम प्रकाश के 1. पंकज 2. पवन

1. पंकज के आदित्य

2. जयराम में

1. रामवरन 2. रामटहल (ना.)

1. रामवरन के 1. सिंहक 2. जगरोपन (ना.)

1. सिंहं के 1. हरवंश (ना.) 2. लालचन्द 3. शिवपूजन 4. शंकर 5. लालबहादुर 6. मुख्तार 7. रामधनी 8. राजेन्द्र

2. लालचन्द के 1. सरोज 2. विष्णु

1. सरोज के विशाल

2. विष्णु के 1. आयुष 2. पीयूष

3. शिवपूजन के संतोष के सूरज के एकपुत्र

4. शंकर के 1. सतपाल के 1. सागर 2. लकी

2. राजेश के 1. बल्लू 2. छोटे

5. लाल बहादुर के 1. काशी (ना.) 2. बनारसी के हरिओम

6. मुख्तार के 1. मिथिलेश 2. लवलेश 3. राज कुमार

1.मिथिलेश के 1. राजू 2. रोहित 3. राहुल 4. रोशन

2. लवलेश के पवन

3. राज कुमार के बबलू

7. रामधनी के 1. इन्द्रकेश 2. इन्द्रजीत 3. हरिपाल

1. इन्द्रकेश के युवराज

8. राजेन्द्र के तीन पुतरी 1. 2. 3.

जयराम में ही—

शिव दयाल के सुन्नर के महावीर के वंशलोचन के शिव नारायण के 1. अवधेश 2. दरोगा (ना.) 3. थानेदार 4.राकेश 5. संजय 6. बबलू

1. अवधेश के 1. संतोष 2. अरविन्द 3. अजीत 4. सुनील (ना.)

1. संतोष के प्रिन्स

2. अरविन्द के 1. आर्यन 2. नमन

3. थानेदार के अनिरुद्ध

4. राकेश के अमित के 1. रुद्र प्रताप 2. यथार्थ

5. संजय के 1. आशीष 2. निखिल 3. साहिल

6. बबलू के अभिषेक

गुलाब में—

सदाफल के 1. महादेव 2. रामनरेश (ना.) 3. फत्ते (ना.) 4. विजय (ना.)

1. महादेव के 1. राधेश्याम 2. राधेकृष्ण 3. वीरेन्द्र 4. राजेश 5. यशवन्त 6.

शैलेन्द्र 7. शैलेश

1. राधेश्याम के नीलेश के 1. शिवम 2. शुभम

2. राधेकृष्ण के 1. विकास 2. चन्दन

1. विकास के कुंज

2. चन्दन के कृष्ण

3. वीरेन्द्र के 1. नीरज 2. आयुष

4. राजेश के 1. अंकुर 2. अंकित

5. यशवन्त के शशि

6. शैलेन्द्र के 1. लव 2. कुश

7. शैलेश के सौरभ

3. दारुन राय के 1. बहरौर 2. राम अधीन

1. बहरौर के बसन्त के 1. गुदरी 2. गजराज

1. गुदरी के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी

1. जेठरी पत्नी के 1. शिव गुलाम 2. दुर्गा (ना.)

1. शिव गुलाम के 1. कालिका 2. दीनदयाल 3. देवी (ना.)

1. कालिका के पनारू (ना.)

2. दीनदयाल के 1. जैश्री 2. चेखुरी 3. विंध्येश्वरी (ना.)

1. जैश्री के 1. राम अनन्त 2. राम खेलावन (ना.) 3. लाल बहादुर (ना.)

1. राम अनन्त नावल्द पर गोद में रामजी

2. चेखुरी नावल्द पर गोद में राम अधीन

2. लहुरी पत्नी के 1. शिव गोपाल 2. हर गोपाल (ना.)

3. राधे (ना.) 4. मदन (ना.) 5. वंश गोपाल (ना.) 6. शिवनन्दन (ना.)

1. शिव गोपाल के 1. राम सुन्दर (ना.) 2. श्याम सुन्दर (ना.) 3. हर (ना.) 4. भवानीदीन 5. देवीदीन 6. गंगादीन 7. कालीदीन (ना.)

4. भवानीदीन के 1. नन्दलाल (ना.)

5. देवीदीन के 1. भगवान दयाल 2. गोविन्द (ना.)

1. भगवान दयाल के 1. राजनाथ 2. नावल्द 3. रामजी 4. रंग बहादुर

1. राजनाथ के सुरेन्द्र के 1. विजय 2. विकास

1. विजय के आलोक

2. रामजी के 1. सियाराम 2. जयराम 3. संजय

1. सियाराम के आनन्द के 1. कृष्णा 2. विनायक

2. जयराम के 1. अमित 2. सुमित

1. अमित के रुद्रप्रताप

3. संजय के अनिकेत

3. रंग बहादुर के 1. संतोष 2. धीरज के विनायक 3. सुशील के आदित्य

1. संतोष के रुपेश (ना.)

6. गंगादीन के 1. हरिप्रसाद 2. शंकर (ना.) 3. गनेश 4. गौरी (ना.)

1. हरि प्रसाद के 1. श्रीनाथ 2. राम अधीन 3. दीनानाथ

1. श्रीनाथ के दो पत्नी से कडुथी

2. राम अधीन के 1. राजबहादुर 2. शिवबहादुर

1. राजबहादुर के पुत्री 1. रुपना 2. संग 3. शिवानी

2. शिव बहादुर के 1. छोटू (ना.) 2. आदित्य

3. दीनानाथ के 1. राधेश्याम 2. अजय 3. रमेश 4. अरविन्द 5. विनोद

1. राधेश्याम के 1. सर्वेश 2. पवन

2. अजय के 1. अनुराग 2. अनुभव

3. रमेश के 1. नीलेश 2. नीतेश 1. नीलेश के दिव्यांश

4. अरविन्द के शशांक

3. गनेश के 1. दाऊ 2. लुसे (ना.)

1. दाऊ के घनश्याम के 1. शीतला 2. अजीत के शिवांश 3. आशीष

1. शीतला के जीगर

2. गजराज नावल्द पर गौतम ठाकुर राजेश का परिवार।

2. राम अधीन के 1. नन्दू 2. ढोढ़ा

1. नन्दू के 1. घमंडी 2. सरवसुख 3. ठकुरी (ना.) 4. भूप (ना.)

1. घमंडी के बालगोविन्दा के 1. गोपाल 2. जैपाल

1. गोपाल के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी

1. जेठरी से परसोतम के 1. रामलखन 2. किशोर के मुन्नी पुत्री

1. रामलखन के 1. हरिकिशुन (ना.) 2. शिव सहाय 3. शिवपूजन 4. [illegible] धनंजय

2. शिव सहाय के 1. अभिषेक 2. विवेक के रुद्रप्रताप 3. विनय

1. अभिषेक के कान्हा

3. शिवपूजन के अंकुर

4. राजेश के 1. आदर्श 2. हर्ष

5. धनंजय के 1. ऋषभ 2. ऋतुराज

2. लहुरी के 1. विश्वनाथ 2. जगरनाथ

1. विश्वनाथ के सत्यनारायण (ना.)

2. जगरनाथ के रामबली के तारा के 1. विपुल 2. अतुल 3. सौरभ

2. जैपाल के 1. रामदास 2. उमराव

1. रामदास के भुजगेन्द्र (ना.)

2. उमराव के 1. राजेन्द्र 2. जगदीश

1. राजेन्द्र के 1. रमेश 2. दिनेश 3. अशोक 4. राजीव

1. रमेश के विनीत के निमांश

2. दिनेश के 1. आशीष 2. मुकेश

1. आशीष के श्रेयांस

3. अशोक के रुद्रांश

4. राजीव के अभ्युदय

2. जगदीश के 1. संजय 2. प्रियांशु 3. विजय

1. संजय के विष्णु विक्रम

2. प्रियांशु के 1. वीर बहादुर 2. संचित

3. विजय के अर्जुन

2. सरबसुख के 1. जमुना (ना.) 2. गंगा

2. गंगा के 1. जयमंगल 2. हरमंगल

1. जयमंगल के 1. भगवान दयाल (ना.) 2. माता प्रसाद

2. माता प्रसाद के 1. रामचन्दर 2. सूबेदार

रामचन्दर के 1. रामाश्रय के उदयराज 2. मसारू के वैशाली

2. सूबेदार के 1. राकेश 2. राजीव

1. राकेश के आयुष प्रताप

2. राजीव के हरिओम

2. हरमंगल के 1. राम मिलन 2. अलगू (ना.) 3. लालता

1. राम मिलन के 1. ओम प्रकाश 2. कैलाश

1. ओम प्रकाश के 1. अरविन्द 2. आनन्द

1. अरविन्द के 1. कृष्णानंद 2. गजानन्द

2. आनन्द के शिवानन्द

2. कैलाश के अजय

3. लालता के 1. बनारसी 2. नरेन्द्र 3. राधेश्याम

1. बनारसी के मधुसुदन के श्रीनिवास

2. नरेन्द्र के दिगम्बर के तेजस

3. राधेश्याम के निखिल

2. ढोढ़ा के संतोखा के हरदत्त के 1. राम शरण 2. देवी

1. रामसरण के 1. रमेसर 2. देवनारायण 3. जगेसर 4. जयनारायण 5. नन्हकू (ना.)

1. रमेसर के 1. हरखू (ना.) 2. शिवहरख (ना.)

3. जगेसर के झिगटू के कुनाई (ना.)

1. झिंगटू के1. दूधनाथ 2. हरिश्चन्द्र 3. कृष्ण चन्द्र

1. दूधनाथ के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी

1. जेठरी से दिनेश के 1.प्रदीप 2. सतीश

1. प्रदीप के यतीश

2. सतीश के गौरव

2. लहुरी के राजेश के विश्वनाथ

2. हरिश्चन्द्र के 1. वीरेन्द्र 2. मनमोहन 3. चन्द्रमोहन 4. रघुवर 5. अरुण 6. सत्य कुमार 7. अरविन्द

1. वीरेन्द्र के 1. सत्य प्रकाश 2. आशीष 3. विनायक

1. सत्य प्रकाश के वेदान्त

2. आशीष के 1. 2.

2. मनमोहन के 1. अजय 2. विपिन

1. अजय के 1. रीतिक 2. देव

3. चन्द्रमोहन के 1. शची 2. अर्चना 3. शैलजा 4. श्वेता चार पुत्री

4. रघुवर के अम्बरीष

5. अरुण के 1.अभय (ना.) 2. सुधांशु

6. सत्य कुमार के 1. शान्तनु 2. शुभम 3. शिवम्

7. अरविन्द के राजेश्वर

3. कृष्णचन्द्र के 1. ओमकार 2. योगेश 3. राकेश

1. ओमकार के राघवेन्द्र

2. योगेश के 1. आदित्य 2. राज

3. राकेश के रुद्रप्रताप

2. देवी के 1. चिथरू 2. महादेव 3. राम प्रसाद (ना.)

1. चिथरू के 1. राजनाथ 2. जयनाथ 3. गिरीशचन्द्र

1. राजनाथ के दो पुत्री

2. जयनाथ के 1. सियाराम 2. अनिल

1. सियाराम के 1. अनुज(ना.) 2. आलोक

2. अनिल के 1. आर्यन 2. प्रतीक (ना.)

3. गिरीशचन्द्र के 1. राधेश्याम 2. चन्द्रभान (ना.) 3. सुनील

1. राधेश्याम के कार्तिकेय

3. सुनील के 1. शौर्य 2. शिवा

2. महादेव के 1. बद्री 2. चन्द्रशेखर 3. अभिमन्यु 4. रामचन्दर

1. बद्री के सूर्यबली के 1. उमाशंकर 2. दिवाकर

1. उमाशंकर के कन्हैया
2. चन्द्रशेखर के भानुप्रकाश के 1. भोले (ना.) 2. अभिषेक
3. अभिमन्यु के दो पुत्री
4. रामचन्दर के विजई के 1. संजय 2. मनोज
4. श्यामजी राय में दशरथ का घर नावल्द
5. जगदीश राय के वंशज ताला में
6. काशी राय के 1. सुभाष 2. मुराद 3. राम दयाल 4. शिवदयाल के वंशज गढ़वा में बसे हैं।
1. सुभाष के अख्तियार के 1. जगत (ना.) 2. श्रीनारायण (ना.) 3. शिव बालक 4. तवंकल (ना.) 5. बच्चा
1. शिवबालक के 1. बालगोविन्दा 2. रामदत्त
1. बालगोविन्दा के कुमार के मनबोध के 1. मरजाद (ना.) 2. कान्ता 3. रामसेवक
1. कान्ता के 1. रामजनम 2. बेनीमाधव 3. त्रिभुवन 4. इन्दल
1. रामजनम के 1. सतीश 2. अजीत
1. सतीश के 1. विशेष 2. विश्वास 2. वेनी माधव के डिम्पल
2. अजीत के रुद्र प्रताप
3. त्रिभुवन के विपिन भृगु के 1. पूजा 2. वैष्णवी
4. इन्दल के विनय
2. राम सेवक के 1. बाल कृष्णा (ना.) 2. राकेश 3.दिनेश
2. राकेश के 1. रोहित 2. शिवांग
3. दिनेश के 1.सत्यम 2. गौरव 3. अनुराग
2. रामदत्त के फकीर के 1.मुनदयाल (ना.) 2. राम बिहारी 3. सागर (ना.)
1. राम विहारी के 1. विजई (ना.) 2. बजरंगी
2. बजरंगी के 1. संतोष 2. सुनील के अर्पित
1. संतोष के 1. रौनक 2. रोहित
3. बच्चा के 1. उदित 2. रमेसर 3. रामनरायण (ना.)
1. उदित के 1. खेदू (ना.) 2. लल्लू (ना.) 3. जद्दू

1. उमाशंकर के कन्हैया
2. चन्द्रशेखर के भानुप्रकाश के 1. भोले (ना.) 2. अभिषेक
3. अभिमन्यु के दो पुत्री
4. रामचन्दर के विजई के 1. संजय 2. मनोज
4. श्यामजी राय में दशरथ का घर नावल्द
5. जगदीश राय के वंशज ताला में
6. काशी राय के 1. सुभाष 2. मुराद 3. राम दयाल 4. शिवदयाल के वंशज गढ़वा में बसे हैं।

1. सुभाष के अख्तियार के 1. जगत (ना.) 2. श्रीनारायण (ना.) 3. शिव बालक 4. तवंकल (ना.) 5. बच्चा

1. शिवबालक के 1. बालगोविन्दा 2. रामदत्त
1. बालगोविन्दा के कुमार के मनबोध के 1. मरजाद (ना.) 2. कान्ता 3. रामसेवक
1. कान्ता के 1. रामजनम 2. बेनीमाधव 3. त्रिभुवन 4. इन्दल
1. रामजनम के 1. सतीश 2. अजीत
1. सतीश के 1. विशेष 2. विश्वास 2. वेनी माधव के डिम्पल
2. अजीत के रुद्र प्रताप
3. त्रिभुवन के विपिन भृगु के 1. पूजा 2. वैष्णवी
4. इन्दल के विनय
2. राम सेवक के 1. बाल कृष्णा (ना.) 2. राकेश 3.दिनेश
2. राकेश के 1. रोहित 2. शिवांग
3. दिनेश के 1.सत्यम 2. गौरव 3. अनुराग
2. रामदत्त के फकीर के 1.मुनदयाल (ना.) 2. राम बिहारी 3. सागर (ना.)
1. राम विहारी के 1. विजई (ना.) 2. बजरंगी
2. बजरंगी के 1. संतोष 2. सुनील के अर्पित
1. संतोष के 1. रौनक 2. रोहित
3. बच्चा के 1. उदित 2. रमेसर 3. रामनरायण (ना.)
1. उदित के 1. खेदू (ना.) 2. लल्लू (ना.) 3. जद्दू

3. जद्दु के रामचरित्तर के 1. चन्द्रिका 2. सूबेदार (ना.) 3. जगदम्बा

1. चन्द्रिका के 1. उदयभान 2. राजेन्द्र 3. वीरेन्द्र

1. उदयभान के 1. अजय 2. विजय

1. अजय के आर्यन

2. विजय के शुभ

2. राजेन्द्र के 1. रीतेश 2. मुकेश

1. रीतेश के ओम

2. मुकेश के राजबीर

3. वीरेन्द्र के अखिल

3. जगदम्बा के 1. रविन्द्र 2. जीतेन्द्र 3. अनिल 4. सुनील

1. रविन्द्र के अमित के शिवाय

2. जीतेन्द्र के निशान्त

3. अनिल के राजवीर

4. सुनील के भाविक

2. रमेसर के प्रभु के उमराव के उमाशंकर के प्रदीप के मोहित

2. मुराद के भवर के सिहान के 1. निरंजन 2. रामवरन (ना.) 3. शिव क
4. सिबरती (ना.)

1. निरंजन के 1. अछैबर (ना.) 2. सीताराम

2. सीताराम के 1. केशव 2. कमला 3. कल्पनाथ 4. कैलाश (ना.)

1. केशव के रमाशंकर के 1. विजय 2. दीपक

1. विजय के हर्ष

2. दीपक के आदर्श

2. कमला के 1. उमेश 2. प्रेमचन्द

1. उमेश के किशन

2. प्रेमचन्द के 1. नीतिश 2. अवनीश

3. कल्पनाथ के 1. जय प्रकाश 2. राजनाथ 3. अमरनाथ 4. अशोक 5.
राजेश

1. जय प्रकाश के आनन्द के कृष्णा

2. राजनाथ के 1. धीरेन 2. मनीष

3. अमरनाथ के 1. प्रियंका 2. प्रिया 3. प्रियांशु 4. स्नेहा

4. अशोक के युवराज उर्फ शिवम

5. राजू के योगेश

2. गंगा व शीतलू के लोचन के एक पुत्री सामा जिनकी शादी भदवारे रामाज्ञा सिंह से हुई नावल्द हो गया ब्रह्म के कारण वे लोग यहां की जमीन नयी लिये। जगरनाथ ददवा और मनबोध सिंह लिये डीह सहदेव सिंह ले लिये।

3. रामदयाल के सुखलाल के 1. शिवसरन 2. रामसरन (ना.) 3. शिव अम्बर (ना.) 4. ठकुरी 5. जालिम 6. देवी (ना.) 7. शिव गुलाम (ना.)

1. शिव सरन के कालिका के 1. सर्वजीत 2. रंजीत 3. रघुनंदन 4. भरोसा

1. सर्वजीत के छेदी के एक पुत्र (ना.)

2. रंजीत के 1. महावीर (ना.) 2. महादेव (ना.)

3. रघुनंदन के भोला के 1. मारकण्डे (ना.) 2. केदार

2. केदार के 1. शारदा 2. प्रह्लाद

1. शारदा के योगेन्द्र के 1. अश्वनी 2. अखिलेश

2. प्रह्लाद के 1. धीरेन्द्र 2. उपेन्द्र (ना.)

1. धीरेन्द्र के 1. अम्बरीश 2. रोहित

4.भरोसा के सुफेर के रामनाथ के दो पत्नी

1. जेठरी से चन्द्रभान के वीरेन्द्र के अभिषेक

2. लहुरी के हृदयनारायण के 1. निखिल 2. अवकाश के दिव्यांश

1. निखिल के आदित्य

4. ठकुरी के गज्जन 2. भज्जन (ना.)

1. गज्जन के 1. तुलसी 2. खेदू

1. तुली के 1. बासदेव 2. सहदेव 3. झूरी

1. बांसदेव के 1. राजनारायण 2. रामबख्श 3. राम उग्रह

1. राजनारायण के रामजी के सुतीक्षण के सिद्धार्थ

2. रामबख्श के 1. चन्द्रकान्त 2. शोभनाथ 3. अशोक 4. संतोष

1. चन्द्रकान्त के 1. पवन 2. प्रशान्त

1. पवन के शौर्य

2. प्रशान्त के दो पत्नी

1. जेठरी के प्रेरित

2. लहुरी के दिव्यांशु

2. शोभनाथ के 1. आनन्द 2. दिलीप

1. आनन्द के 1. दिव्यांशु 2. काव्य.

2. दिलीप के प्रिन्स

3. अशोक के ऋषी कुमार

4. संतोष के 1. अभिषेक 2. काव्य

3. राम उग्रह के 1. सूर्य भान 2. अरविन्द

1. सूर्यभान के धर्मेन्द्र के युवराज

2. अरविन्द के 1. शिवम् 2. आशुतोष

2. सहदेव के ओम प्रकाश के 1. कुशलपाल 2. बृजपाल 3. जयपाल

1. कुशलपाल के 1. रविकुमार 2. अमित कुमार

1. रवि कुमार के अग्रज

2. अमित कुमार चौदह वर्ष की अवस्था में घर से भाग गया अभी तक उसका पता नहीं है।

2. बृजपाल के 1. प्रवीण (ना.) 2. शनि

3. जयपाल के आयुष

3. झूरी के सुरेन्द्र के अंजनी कुमार के 1. अस्मित 2. आकर्ष

2. खेदू के जीयन के 1. नन्दलाल 2. आजाद

1. नन्दलाल के 1. संजय 2. धनंजय (ना.)

1. संजय के सुयश

2. आजाद के 1. संदीप 2. कुलदीप 3. निगमचन्द्र

1. संदीप के 1. सत्यम 2. शिवम

2. कुलदीप के 1. अभिषेक 2. अतुल

3. निगमचन्द्र के अनुभव

5. जालिम के परसोतम के बल्देव के बन्धू के एक पुत्री कमला

## अजगरा दक्षिण पट्टी

1. शीशचन्द के ईशचन्द के तुलसी के बददू राय के रामकिशुन के चेतनारायण के नदी राय के 1. बुन्देला राय 2. हलहन्त

बुन्देलराय के हुकुम के लक्ष्मण के हनुमान के नवलदीन के शिलवन्त के शिवबालक के देवी के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी

2. लहुरी के शिवमंगल के जगमोहन के 1. किशुनदयाल 2. देहलू

1. किशुन दयाल के 1. सुन्दर (ना.) 2. शिववरन के राम स्वरूप के 1. बद्रीनाथ (ना.) 2. लक्ष्मी

2. लक्ष्मी के 1. अम्बिका (ना.) 2. लल्ली 3. जमुना

2. लल्ली के 1. ओमकार 2. ओम प्रकाश 3. श्री प्रकाश 4. आनन्द प्रकाश

1. ओमकार के 1. सूरज 2. छोटू

2. ओम प्रकाश के 1. शिवनारायण 2. जीतनारायण

1. शिव नारायण के शरद

2. जीत नारायण के रुद्रप्रताप

3. श्री प्रकाश के 1. राहुल 2. रोहित

4. आनन्द के 1. हिमांशु 2. विकास

2. जमुना के 1. चन्द्रभूषण 2. दीपक

1. चन्द्रभूषण के 1. शिवानन्द 2. देवानन्द

2. देहलू के 1. विशेसर 2. कौलेश्वर 3. परमेश्वर

1. विसेसर के रामभरोस के गोकुल के सुखदेव के

1. चन्द्रशेखर 2. चन्द्रभान 3. रामचन्दर 4. विजय भान के पुत्र

1. चन्द्रशेखर के मुदित

2. चन्द्रभान के अभिषेक

3. रामचन्दर के 1. अर्पित 2. अंश

2. कौलेश्वर के रामनन्दन (ना.)

3. परमेश्वर के जगरनाथ के 1. बासदेव (ना.) 2. सुगन्धा 3. मारकण्डे (ना.)

2. सुगन्धा के भगवती (ना.)

2. हलहन्त के 1. नवल के भवन के धर्वकल के

3. हिम्मत

1. जगत राज (ना.) 2. झनारू (ना.) 3. देवीदयाल के

1. राम खेलावन 2. भागीरथी

1. राम खेलावन के 1. नीठे (ना.) 2. रमेश्वर (ना.) 3. वंशू (ना.)

2. भागीरथी के 1. रामदवर (ना.) 2. मारकण्डे (ना.) 3. रघुनाथ (ना.) 4. ...

5. पल्लू (ना.) 6. महादेव (ना.)

4. रामदेव के 1. रामनरेश2. रामाश्रय 3. रामजी

1. रामनरेश के 1. जयगोपाल (ना.) 2. सत्यपाल 3. रुद्रपाल के शौर्य प्रताप

3. रामजी के 1. द्रविण 2. नवीन 2. रामाश्रय के प्रवीण

हलवन्त के तीसरे पुत्र हिम्मत के 1. दन्त (ना.) 2. राम लोचन

2. रामलोचन के जैपाल के सात पुत्र चार नावल्द

5. जंग बहादुर 6. जैकरन 7. हरिकरन

5. जंग बहादुर के 1. रामनन्दन 2. बालमुकुन्द (ना.)

1. रामनन्दन के 1. सुरेन्द्र 2. सुग्रीव (ना.)

1. सुरेन्द्र के 1. अनिल 2. अशोक 3. अजय 4. अजीत

1. अनिल के 1. दिनेश 2. पंकज

1. दिनेश के पुनीत

2. अशोक के 1. अंकित 2. शिवम्

3. अजय के अवनीष

4. अजी के मोहित

6. जयकरन के 1. गनेश (ना.) 2. राजनारायण (ना.)

7. हरिकरन के 1. छेदी 2. दीप (ना.)
1. छेदी के 1. वीरेन्द्र (ना.) 2. नरेन्द्र 3. महेन्द्र
2. नरेन्द्र के 1. राम अवतार 2. राकेश
1. राम अवतार के भरत के सिद्धार्थ
2. राकेश के 1. अभिषेक 2. अरविन्द के तनुष
1. अभिषेक के आद्रिक
3. महेन्द्र के 1. बुद्ध अतार 2. विष्णु अवतार 3. राधेश्याम 4. घनश्याम 5. राजेश (ना.)
1. बुद्ध अवतार के 1. उदय प्रताप 2. राहुल के एक पुत्र उदय
1. उदय प्रताप के 1. राघवेन्द्र 2. माधव
2. विष्णु अवतार के 1. शशिकान्त 2. रविकान्त
1. शशिकान्त के रुद्र प्रताप
2. रविकान्त के आदर्श
3. राधेश्याम के आशीष
4. घनश्याम के सूर्यकान्त

## ताला

मलेचन्द के पाँचवें पुत्र जगदीश राय के त्रिभुवन शाह के कुंजी राय के 1. दर्शन 2. उमराव

1. दर्शन के 1. बहोरन 2. सुखलाल
4. बहोरन के 1. हींगू (ना.) 2. पिरथी ऊर्फ सीतलदान 3. शिव सहाय 4. ठाकुर दयाल
2. पिरथी उर्फ सीतलदान के 1. रामसरन 2. भरोस
1. रामसरन के 1. जगत (ना.) 2. जित्तू 3. रमेसर
2. जित्तू के कतवारू (ना.)
3. रमेसर के महावीर के 1. वंशराज (ना.) 2. विभूति (ना.)

महावीर के एक पुत्री भी थी जिनका नाम सहदेई था। जिनकी शादी करधना हुई थी। उनके पति का नाम शारदा था। उनकी पैतृक सम्पति पर वे राशनसीन हुए परन्तु कुछ दिन के बाद बेचकर चले गये।

2. भरोस के गंगा के गजाधर के 1. रामधनी 2. मन्त्री 3. दूधनाथ 4. राजनाथ

1. रामधनी के 1. अवधेश 2. कान्ता 3. केदार

1. अवधेश के 1. जगप्रकाश 2. विजय प्रकाश के देव प्रकाश

2. कान्ता के 1. नागेन्द्र 2. जितेन्द्र 3. बसन्त

2. जितेन्द्र के सचित

3. बसन्त के शुभ

3. केदार के अनुज के 1. यशवर्धन 2. वीर प्रताप

2. मन्त्री के तीन पुत्री 1. माया 2. ममता 3. आशा

माया की शादी सरायडीह भनवग ठाकुर में हुई वही वर्तमान में वही ताला में रहीं।

3. दूधनाथ के 1. मातेश्वरी 2. देवी दयाल 3. दीनानाथ

1. मातेश्वरी के 1. राहुल 2. राजन 3. पवन

2. देवीदयाल के माधव

3. दीनानाथ के हिमांशु

4. राजनाथ के 1. अशोक 2. अजीत 3. सुजीत

1.अशोक के 1.मिथिलेश 2. अश्वनी के रुद्र

2.अजीत के चन्दन

3. सुजीत के 1. कर्ण 2. नरायन

3. शिव सहाय के 1.रामदीहन (ना.) 2. जैकरन

2. जैकरन के 1.रघुनाथ 2.यदुनाथ (ना.)

1.रघुनाथ के 1.शिवशंकर 2.हरिशंकर

1. शिवशंकर के श्रीनाथ के 1.सुशील 2. सुजीत

1. सुशील के हार्दिक

2. सुजीत के हर्षित

2.हरिशंकर के कल्पनाथ के 1. मनोज 2. मनीष 3. आनन्द 4. सर्वेश

1. मनोज के अखिलेश

2. मनीष के श्रेयांस

3. आनन्द के अभिराज

4. सर्वेश के हरिओम

4. ठाकुर दयाल के 1. नावल्द 2. स्वयंवर 3. हीक (ना.)

2. स्वयंवर के देवनाथ (ना.)

2. सुखलाल के 1. रामकिशुन (ना.) 2. संग्राम

2. संग्राम के दीपू (ना.)

2. उमराव के 1. लौटन 2. रामबक्स

1. लौटन के 1. नरकू 2. दीनदयाल 3. शिवचरन

1. नरकू के देवीदयाल के बल्देव के भोला के गजराज के 1. प्रह्लाद (ना.) 2. सन्त 3. काशी (ना.) 4. सालिक

2. सन्त के 1. विंध्याचल 2. महेन्द्र 3. नीलेश

1. विंध्याचल के एक पुत्री नीलम

2. महेन्द्र के कौशल

3. नीलेश के अभय

4. सालिक के एक पुत्री

2. दीनदयाल के 1. मुन्ना 2. खुन्ना

1. मुन्ना के सीताराम (ना.)

2. खुन्ना के 1. गया 2. बेनी

1. गया के 1. श्रीकृष्ण (ना.) 2. राधेश्याम

2. राधेश्याम के 1. कपिलदेव 2. ओम प्रकाश 3. सन्तोष

1. कपिलदेव के 1. संजीव 2. राजेश 3. सुरेश 4. मनीष

1. संजीव के 1. हर्ष 2. आदर्श

2. राजेश के 1. प्रियांशु 2. करन

3. सुरेश के 1. आयुष 2. कौशल

4. मनीष के अंश

2. ओम प्रकाश के मुकेश के दिव्यांशु

3. संतोष के 1. अरविन्द 2. अमित के अनन्त

1. अरविन्द के प्रांजल

2. बेनी के फौजदार के 1. रामसरन 2. दिनेश 3. महेन्द्र

1. रामसरन के 1. सिद्धनाथ 2. प्रदीप 3. रीतेश 4. दुर्गेश

1. सिद्धनाथ के करन

2. गीतेश के राज

4. दुर्गेश के देवांश

2. दिनेश के तीन पुत्री 1. पूजा 2. रंजना 3. साधना

3. महेन्द्र के विश्वजीत

3. शिवचरन के 1. नन्दलाल 2. सेवक

1. नन्दलाल के बेचन के महादेव के 1. विक्रमा 2. राजेन्द्र 3. रामजी 4. हरवंश 5. राम अवतार

1. विक्रमा के 1. गोविन्द (ना.) अनिल 3. सुजीत

1. अनिल के रुद्रप्रताप

2. राजेन्द्र के 1. श्रवण 2. उदित के विहान

1.श्रवण के कृष्ण

3. रामजी के 1. सुमित 2. ऋषभ

1. सुमित के शौर्य

4. हरवंश 1. आदर्श 2. आलोक

5. राम अवतार के 1. अभिषेक 2. आशीष

2. सेवक के बच्चा के नरायन के सोबरन के 1. सहँगू 2. महँगू (ना.) 3. राजकुमार

1. सहँगू के 1. संतोष 2. लक्ष्मण

1. संतोष के समर्थ सहँगू का परिवार टाटा में रहता है

3. राजकुमार के राकेश (ना.)

2. रामबख्श के 1. शिवनारायण 2. किशुन दयाल 3. शम्भू 4. नन्हकू

1. शिवनारायण के 1. माधो 2. साधो (ना.)

1. माधो के 1.बगेसरी 2. सुखदेव 3. जगरदेव (ना.)

1. बगेसरी के 1.परसोत्तम (ना.) 2. रामलखन के एक पुत्री

2. सुखदेव के 1.जगरनाथ (ना.) 2.बैजनाथ 3. विश्वनाथ (ना.)

2. बैजनाथ के दशरथ के1. शिव प्रसाद 2. रामप्रसाद 3. हरि प्रसाद

1. शिव प्रताप के1. राजेश 2. सतीश 3. मनीष 4. अवनीश

1. राजेश के आशुतोष

2. सतीश के देवव्रत

4. अवनीश के 1.राघवेन्द्र 2. शिवेन्द्र

2. राम प्रसाद के 1. प्रदीप 2. राहुल के देवांश

1.प्रदीप के आयुष

3.हरि प्रसाद के अभिषेक

2. किशुन दयाल के 1. रामलाल 2. भगत

1.रामलाल के शिववरन के मुसई (ना.)

2. भगत के अयोध्या के 1.रामकेर 2. रामनरायन (ना.)

1. रामकेर के मनोहर के गुलाब के नरेन्द्र (ना.)

3.शम्भू के 1.जैपाल 2. नैपाल (ना.) 3. गोविन्द (ना.)

1. जैपाल 1. कालिका 2.विंध्येश्वरी 3.जगरुप

1.कालिका के 1.जद्दू (ना.) 2. रामनाथ

2. रामनाथ के 1. परमेश्वर (ना.) 2. भगवान

2. भगवान के 1. शिवशंकर 2. शिव अधार 3. शिवमूरत

1.शिवशंकर के 1. कपिलदेव 2. चन्द्रशेखर

1. कपिलदेव के विनोद के अभिषेक

2. चन्द्रशेखर के 1. शिवम के मानवेन्द्र 2. सत्यम 3.अमनदीप 2. सत्यम के शिवेन्द्र

2. शिव अधार के अभिमन्यु के 1. जसवन्त 2. सुमन्त

2. उदय प्रताप (ना.)

3.शिवमूरत के 1. बासदेव 2.राजदेव 3. रामदेव

1. बासदेव के शेरु

2. राजदेव के प्रभुनारायण

2. विंध्येश्वरी के 1. देवनन्दन 2. रंजीत 3. सर्वजीत (ना.)

1. देवनन्दन के 1.राम निरंजन 2. बुधिराम

1. राम निरंजन के 1. लालता 2. गोलई (ना.) 3.गौरीशंकर (ना.)

1. लालता के 1. श्रीनाथ 2.उदयनाथ (ना.)

1. श्रीनाथ के 1.लालबहादुर (ना.) 2. शिव बहादुर 3. दिलीप

2. शिव बहादुर के 1. शनि2. रवि

3. दिलीप के 1. विनीत 2. अनन्त 3. उमंग

2. बुधिराम के 1. अम्बिका 2. अर्जुन (ना.) 3.सुरेन्द्र

1.अम्बिका का परिवार बबियाँव में बस गया है।

3. सुरेन्द्र के 1. हृदय नारायण 2.भोला 3.राघवेन्द्र

1. हृदय नारायणके 1. भैरो 2. रोहित

2.भोला के शुभम्

3. राघवेन्द्र के 1. रीशु 2. शिवांश यह परिवार चुर्क में रहता है।

2. रंजीत के 1. रामसुमेर 2.राधेश्याम

1.राम सुमेर के 1. शशिभूषण 2.विजय बहादुर

1. शशिभूषण के अजीत के गोपाल

2.विजय बहादुर के सुजीत के 1. चन्द्रभान 2. रवि यह परिवार अकोढ़ा चन्दौली, रहता है।

2. राधेश्याम के 1. वीरेन्द्र 2. देवेन्द्र 3. राजेन्द्र 4.राकेश

1.वीरेन्द्र के गुरुदयाल

2. देवेन्द्र के दो पुत्री 1.नीरज 2.नन्दनी

3.राजेन्द्र के 1.अनिमय 2. प्रभुदयाल

4. राकेश के अंकुर 1.अनिमय के श्रीयान

3.जगरूप के 1. भैरो (ना.) 2. रामबली

2. रामबली के 1. शिवपूजन 2. रामपूजन

1. शिवपूजन के 1. रामाश्रय 2. रविन्द्र 3. नरेन्द्र 4. अरविन्द के कान्हा

1. रामाश्रय के शुभम्

2. रविन्द्र के हरिओम

3. नरेन्द्र के 1. सुन्दरम् 2. श्रीराम

2. रामपूजन के योगेन्द्र के 1.सूरज 2. धीरज

4. नन्हकू के 1.हनिवन्त (ना.) 2. कुमार 3. रजवन्त

2. कुमार के कवल के 1. रामनरेश 2. द्वारिका 3. बैजनाथ 4.देवनाथ

1.रामनरेश के संकठा के 1. रामकरन 2.रामजनम 3. शिवजनम (ना.) 4. रामकृष्ण 5. भुवाल 6. भरत

1. रामकरन के 1. राम सिंह 2. जय सिंह
1. राम सिंह के आयुष
2. जय सिंह के ओम
2. रामजनम के 1. सुवाष 2. विकास 1. सुवाष के अधीश
2. विकास के विहान
4. रामकृष्ण के 1. रीतेश 2. आशीष
5. भुवाल के ऋषभ
6. भरत के 1. सौरभ 2. शुभम
2. द्वारिका के 1. जमादार (ना.) 2. गजराज (ना.)
3. बैजनाथ के 1. ठाकुर प्रसाद 2. सूबेदार (ना.)
1. ठाकुर प्रसाद के अरुण कुमार के 1. सोनू 2. गोपाल
4. देवनाथ के 1. सीताराम 2. फौजदार 3. रामजी 4. बृजराज चारों का परिवार बरहनी चन्दौली में बसा है।
3. रजवन्त के सरजू के 1. जीतन 2. बाबू नन्दन (ना.) 3. रघुनन्दन
1. जीतन के छोटू (ना.)
3. रघुनन्दन के 1. बेचू 2. पारस
1. बेचू के 1. लाल बहादुर 2. तेज बहादुर
1. लाल बहादुर के 1. दुर्गा 2. अरविन्द
1. दुर्गा के 1. दीपक 2. अमित के चक्रधारी
1. दीपक के दिव्यांग
2. अरविन्द के 1. अंकित 2. मोहित
2. तेज बहादुर के 1. विनय 2. परविन्द
1. विनय के प्रज्जवल
2. परविन्द के 1. उज्जवल 2. अर्पित
2. पारस के 1. अवधनारायण 2. राम अवध
1. अवध नारायण के अजय के किशन
2. राम अवध के 1. वैभव 2. विनीत
1. वैभव के 1. शिवा 2. रुद्रांश

# बेला

महारानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के तृतीय पुत्र उदयचन्द के प्रथम पुत्र नागमल के वंशज नागमल के 1. राजमल 2.जागमल

1.राजमल के 1.तरखू 2. बलवन्त

2. जागमल के 1. टोडरमल 2. रामाराय

1.तरखू राय से राजवारी व सर्वतीपुर

2.बलवन्त से बेला

3.टोडरमल से टाडा नाथूपुर पूरा पर मजिदहाँ

4. रामा राय से रामगढ़ बल्लीपुर महमदपुर

2. बलवन्त के हरदयाल के 1.देवी दयाल (ना.) 2. विसेसर दयाल 3. ठाकुर दयाल 4. लक्ष्मीदयाल

2. विसेसर दयाल के 1. रामबख्श 2. महावीर 3. रक्षपाल

1. रामबख्श के जगत के 1.सुखनन्दन (ना.) 2.अम्बिका

2. अम्बिका के शीतला के 1. अरविन्द 2. जितेन्द्र प्रताप 3. अखिलेश

1. अरविन्द के शार्दुल

2. जितेन्द्र प्रताप के तीन पुत्री 1. प्रिया 2. इतिका 3. नेहा

3. अखिलेश के एक पुत्री सूर्या

2. महावीर के राम प्रताप के 1.राजा (ना.) 2. राजपति 3. महन्थ

2. राजपति के 1. प्रभु 2. शम्भू (ना.)

1. प्रभु के राजकुमार के 1. जसवन्त 2. बलवन्त 3. भगवन्त 4. संजय (ना.)

1. जसवन्त के सूर्यदेव

2. बलवन्त के हर्ष

3.महन्थ के 1. रामकीर्ति 2. शोभनाथ

1. रामकीर्ति के एक पुत्री श्यामा

2. शोभनाथ के 1. अवधेश 2. सुरेश 3. दिनेश 4. विमलेश 5. ललितेश

1. अवधेश के तीन पुत्री 1. अरुणा 2. अर्चना 3. अपर्णा

2. सुरेश के 1. चिरंजीव 2. कुन्दन

3. दिनेश के 1. गौरव 2. अमन
4. विमलेश के हर्ष
5. ललितेश के 1. उज्जवल 2. उत्कर्ष
3. रक्षपाल के 1. देवराज 2. जैगोविन्द
1. देवराज के दो पत्नी 1. जेठरी 2. लहुरी
1. जेठरी के 1. भगौती 2. रज्जू 3. विन्देश्वरी
1. भगौती के वंशनारायण (ना.)
2. रज्जू के मथुरा के 1. मारकण्डे 2. हिरामन
1. मारकण्डे के 1. उमाकान्त 2. श्रीकान्त 3. रविकान्त 4. रतन 5. महेन्द्र
1. उमाकान्त के 1. भूपेश 2. शैलेश
1. भूपेश के अथर्व
2. शैलेश के अनुष्ठान
2. श्रीकान्त के 1. रूपेश 2. सर्वेश
1.रुपेश के प्रथमेष
2.सर्वेश के दो पुत्री 1.जुही 2. जिया
3. रविकान्त के योगेश
4. रतन के प्रवेश
5. महेन्द्र के एक पुत्री
2. हिरामन के 1. चन्द्रकान्त (ना.) 2. त्रिभुवन
2. त्रिभुवन के 1. निलेश 2. व्योमेश
3. विन्देश्वरी के शिवशंकर के 1.हृदय 2. ताड़क
1. हृदय के आशुतोष के शिवम
2. ताड़क के 1.गोपाल 2. रमेश 3. विनोद
1. गोपाल के 1.पंकज 2. प्रशान्त
2. रमेश के अमित
3. विनोद के आशीष
2. लहुरी के 1. रामवदन 2. नौरंग 3. केदारनाथ (ना.)

1. रामबदन के नरसिंह दयाल

2. नौरंग के टेगारी के 1. श्रीराम 2.सच्चिदानन्द

1.श्रीराम के राजीव के मानस

2. सचिदानन्द के 1.अरुण 2. तरुण

2. जैगोविन्दके1. लालजी 2.केशव (ना.) 3. बचई

1.लालजी के 1. मुराहू 2. बेचन (ना.)

1. मुराहू के 1. राधेश्याम 2. घनश्याम 3. श्रीप्रकाश 4. शशिकान्त

1. राधेश्याम के ज्योति प्रताप के हिमांशु

2. घनश्याम के 1. विद्या 2. उदय

1. विद्या के 1.जितेन्द्र 2. मयंक

2. उदय के आर्यन

3. श्रीप्रकाश के 1. राणा 2. भानु प्रताप 3. आनन्द के 1.अबीर 2. अदनेश

1.राणा के शिवम

4. शशिकान्त के 1. सौरभ 2. गौरव

3. बचई के 1. श्रीकृष्ण 2. बद्री 3. राम अवलम्ब

1.श्रीकृष्ण के 1. योगेश्वर 2. ज्ञानेश्वर के 1. आकांक्षा 2. अंशिका

1. योगेश्वर के महेश

2. बद्री के बृजेश के 1. अंशुल 2. प्रियांशु

3.राम अवलम्ब के 1.राकेश के शातिक 2. मिथिलेश के 1. नन्दिका 2. हर्षिता

ठाकुर दयाल के 1. जयमंगल 2. शिवमंगल 3. पिरथी

1.जयमंगल के 1.रघुनाथ 2.भृगुनाथ 3. हरिनाथ 4. बैजनाथ

1.रघुनाथ के जगरदेव के श्याम बिहारी (ना.)

2. भृगुनाथ के 1. दुर्बली 2. आत्मा (ना.)

1. दुर्बली के नामवर के 1. सकल नारायण 2. चेतनारायण 3. रामनारायण

1. सकल नारायण के 1. विभूति नारायण 2. रुद्र नारायण

1. विभूति नारायण के 1. नवीन 2. नीरज

2. रुद्र नारायण के विकास दोनों का परिवार अमेरिका में रहता है।

2. चेत नारायण के उदयनारायण के आदित्य

3. रामनरायण के विजय नारायण के 1. आदर्श 2. आश्विक
3. हरिनाथ के 1. भुवाल 2. मुसाफिर
1. भुवाल के 1. उमाशंकर 2. वीरेन्द्र 3. सुरेन्द्र
1. उमाशंकर के 1. अभय (ना.) 2. अमर 3. अमिताभ 4. अवनीश
2. वीरेन्द्र के 1. अनिल 2. सत्य प्रकाश
1. अनिल के 1.रघुवीर 2. कार्तिक
3.सुरेन्द्र के शशांक
2. मुसाफिर के 1. गौरी 2. राजेन्द्र
1. गौरी शंकर के 1. दीपक 2. संतोष (ना.)
1. दीपक के 1. विक्रम 2. गौरव
2.राजेन्द्र के 1. अजय 2. मनोज 3. मनीष
1. अजय के विक्रान्त
2. मनोज के 1. कृष्ण 2. वात्सल्य
4. बैजनाथ के जसवन्त (ना.)
2. शिवमंगल के चेखुरी के 1. द्वारिका 2. कुँवर
1. द्वारिका के 1. रामचन्दर (ना.) 2. लल्ली उर्फ नरसिंह दयाल
2.लल्ली के पारस के 1.सतीश 2. प्रवीण
1.सतीशके 1. हेमन्त 2. विशाल के अनामिका 1. हेमन्त के 1. दिशा 2. अच्चिता
2.प्रवीण के 1.विक्रम 2. राजवर्धन
2. कुँवर के चन्द्रभूषण के 1. इन्द्रजीत 2. सभाजीत 3. रणजीत
1. इन्द्रजीत के 1. शैलेन्द्र 2, देवेन्द्र 3. धीरेन्द्रके1. गोल्डी 2. शालू 3.दीक्षा
1.शैलेन्द्र के कृष्ण कुमार 1.अक्ष 2.लक्ष
2. देवेन्द्र के 1. जितेन्द्र 2. शिवेन्द्र
2.सभाजीत के 1.नागेन्द्र 2.अभय 3.रणजीत
1. नागेन्द्र के रीशु
2. अभय के बच्चा
3. रणजीत के प्रमोद के 1. अभिषेक 2. आशुतोष
3.पिरथी के 1.जदुनाथ 2. देवनाथ 3. रामनाथ

1. जदुनाथ के लाल बहादुर के जवाहिर के चन्द्रभान के 1. दिनेश 2.
3.कमलेश

1. दिनेश के दो पुत्री 1. दीपा 2. शिखा

2.बृजेश के सौम्य प्रखर

3. कमलेश के पीयूष

2. देवनाथ के1.जयनाथ (ना.)2. परमात्मा

2.परमात्मा के 1. जैकिशुन (ना.) 2.बाल किशुन

2. बालकिशुन के 1. भैरव (ना.) 2. प्रेम नारायण 3.योगेन्द्र

2. प्रेम नारायण के 1.आशुतोष 2. अखिलेश 2.टोनू

3. टोनू के देवेश

3. योगेन्द्र के 1. आकाश 2.स्वीटी

3. रामनाथ के नन्द किशोर के 1. गिरीश 2.शिव प्रसाद (ना.) 3. राम प्रसाद

1. गिरीश के 1. राम प्रकाश 2. ओम प्रकाश 3. नरेन्द्र 4.शैलेश (ना.)

1. राम प्रकाश के 1. राहुल 2. अंकित 2. ओम प्रकाश के 1. रोहित 2. रवि

3. रामप्रसाद के राजेश के 1. रीषभ 2. रक्षित

4.लक्ष्मीदयाल के 1. माधो 2. बेनी

1. माधो के महादेव के कुंजविहारी के 1. बासदेव (ना.)
2.श्रीनारायण (ना.) 3. मुखराम (ना.) 4. सहदेव

4. सहदेव के 1. अवध बिहारी 2. राघवेन्द्र 3. विनय
4. ऋषी नारायण 5. विवेक 6. अनुराग

1. अवध बिहारी के दो पुत्री

2. राघवेन्द्र के 1. गगन 2. विपिन 3. धीरज

3. विनय के शाश्वत

4. ऋषीनारायण के सौमित्र

5. विवेक के सक्षम

2. बेनी के 1.फत्ते 2. सत्यनारायण

1.फत्ते के 1. सूर्यप्रसाद (ना.) 2. मुन्ना के राम अधार (ना.)

2.सत्यनारायण के संकठा के कैलाश के 1. कृष्ण बल्लभ2.चन्द्रशेखर

1. कृष्ण बल्लभ के अर्नव

# दुमितवाँ

शुकना के प्रथम पुत्र प्रथम पुत्र घाटम में भरतदयाल के सुफल के सुघर के 1. नौन दयाल 2. भवन दयाल

1. नौनदयाल के सियसरन 2. रक्षा 3. मनोरथ

1. सियसरन के शिवनन्दन (ना.)

2. रक्षा के हरगोविन्द के 1. महादेव 2.सहदेव

1. महादेव के 1. सूर्यनाथ 2. रामचन्दर 3. अवधनाथ

1. सूर्यनाथ के 1.राजकिशोर 2. शीतला 3. माता प्रसाद

1. राजकिशोर के 1. अभिमन्यु 2.कृष्ण कुमार

1. अभिमन्यु के 1. गणेश 2. कार्तिक

2. शीतला के चन्दन के 1. टाइगर 2. डेविल

3. माता प्रसाद के 1. भूपेन्द्र 2.सत्येन्द्र

2. रामचन्दर के 1. दुर्गा 2. भगवती

1. दुर्गा के 1. शंकर 2. विक्रम 3. रीतेश

1. शंकर के 1. कोमल 2. रोशन

2. भगवती के 1. राहुल 2. मिथिलेश

2. सहदेव के लोकनाथ के 1. अमरजीत 2. सभाजीत 3. इन्द्रमणि

1. अमरजीत के पवन

2. सभाजीत के सागर के एक पुत्र पूना में बस गये हैं।

3. इन्द्रमणि के 1. जित्तू 2. महेन्द्र 3. राजेन्द्र 4. नागेन्द्र 5. हवलदार सभी का परिवार पूना में बस गया है।

3. मनोरथ के नारायण के सरनाम के 1. नैपाल (ना.) 2. पिरथी (ना.) 3. जय गोविन्द (ना.) 4. मोहन 5. बन्धन (ना.)

4. मोहन के 1. फौजदार (ना.) 2. रामकरन

2. रामकरन के 1. परसोत्तम 2. जगरनाथ 3. शोभनाथ

1. परसोतम के 1. जीत बहादुर 2. विजई 3. जंग बहादुर 4. समसेर

1. जीत बहादुर के 1. राहुल 2. रोहित

2. विजई के 1. दीपक 2. पंकज 3. विपिन

3. जंग बहादुर के प्रशान्त

4. समशेर के 1.अभिषेक 2. अभिनव

2. जगरनाथ के 1.वीरबहादुर 2.भइयालाल 3. सन्तोष

1. वीर बहादुर के विकास

2. भइयालाल के 1.विशाल 2. अमित

3.शोभनाथ के 1. राजेश 2.अवधेश 3. चन्दन 4.कृष्णानन्दन

1.राजेश के लकी

खासपट्टी समसेर के 1. लक्षिमन 2. कालिका (ना.) 3. परिसिद्धन

3. परसिद्धन के त्रिवेणी (ना.)

## चाँहिन

महारानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के रायचान के मदनचन्द के मलेचन्द के दूसरे पुत्र रामजी राय के 1.हृदय सहाय 2. धीरजन शाह

1. हृदय सहाय के 1. अवध 2. अकबर 3. अजब

1. हृदय सहाय के अवध के 1.राम सहाय 2. सरनाम 3. हरनाम

1.राम सहाय के 1. भुवावल 2. महीबल 3.नौरंग (ना.)

1. भुवावल के 1.सीतल 2. गुलवदन 3.शुभकरन (ना.)

1. सीतल के 1. शिवयोगी (ना.) 2. बाबूनन्दन 3. देवनन्दन

2. बाबूनन्दन के 1. शंभू (ना.) 2. प्रभु 3. श्यामनारायण

2. प्रभु के चन्द्रमणि के 1. वीरेन्द्र 2. विनोद 3. अनिल 4. प्रदीप

1. वीरेन्द्र के चेतन 1. अरनव 2. रुद्र

2. विनोद के 1. रोहित 2. विशाल

1. रोहित के 1. दीवान 2. आद्विक 2. विशाल के अश्वत

2. श्याम नारायण के 1. शिवशंकर 2. झारकण्डे

1. शिवशंकर के 1.विकास 2. विनय

1. विकास के शौर्य

2. झारकण्डे के विनीत

3. देवनन्दन के 1. श्रीनारायण 2. सरजू (ना.) 3. मदनमोहन (ना.) 4. राम मोहन

1. श्रीनारायण के 1. रामबली 2. रणमत 3. परमहंस 4. चन्द्रभान

1. रामबली के 1. शोभनाथ 2. रमेश 3. अशोक

1. शोभनाथ के संदीप के सुजीत
2. रमेश के 1. प्रह्लाद के 1.आराध्या 2. रिद्धी2. अमित
3. अशोक के मोहित के 1. कुनाल 2. वैदिक
2. रणमत के 1. प्रमोद 2. अमोद
1. प्रमोद के गौरव
2. अमोद के 1. सौरभ 2. पुनीत के 1. प्रत्यक्ष 2. प्रतीशु
1. सौरभ के 1. शौर्य 2. धैर्य
3. परमहंस के 1. जय प्रकाश 2. अतुल के अविनाश
1. जय प्रकाश के 1. अभिषेक 2. अभिनव
1. अभिषेक के जनमेजय
4. चन्द्रभान के 1. ओम प्रकाश 2. जनार्दन 3. राकेश 4. राजेश
1. ओमप्रकाश के दीपक
2. जनार्दन के 1. अक्षय 2. दीपू
3. राकेश के 1.आकाश 2. हिमांशु
4. राजेश के शिवम
4. राममोहन के 1. धर्मराज 2. हरिद्वार 3. फौजदार
1. धर्मराज के 1. मुरली 2. धनंजय 3. अजय 4. मनोज
1. मुरली के आनजनेय
2. धनंजय के 1. अम्बरीष 2. अरिदमन 3. रिपुदमन
3. अजय के आर्यवीर
4. मनोज के एक पुत्री गरिमा
2. हरिद्वार के 1. संजय 2. संतोष 3. सुजीत
1. संजय के सूरज
2. संतोष के सिद्धार्थ
3. सुजीत के सूर्यांश
3.फौजदार के मनीष के आदि रघुवंशी
2. गुलबदन के 1. भोला 2. रामसूरत (ना.)
1. भोला के सूर्यनारायण के 1.राम अवलम्ब 2. चन्द्रबली 3. पारसनाथ

1. अवनीन्द्र के 1. अखिलेन्द्र 2. मानवेन्द्र

1. अखिलेन्द्र के देवेश

2. यतीन्द्र के 1. ज्ञानवेन्द्र 2. शिवम

2. उदयभान के 1. रमाशंकर 2. उमाशंकर

1. रमाशंकर के अरविन्द के 1. दुर्गेश 2. प्रद्युम्न

2. उमाशंकर के 1. अमित 2. विनीत

1. अमित के आरव

2. शंकर के 1. शिवजतन 2. शिवचरन

2. शिवचरन के भरोसा के 1. रामनायक 2. शिवनायक (ना.) 3. हरनायक (ना.) 4. नाम अज्ञात (ना.)

1. रामनायक के 1. हरमंगल 2. नन्दलाल (ना.)

1. हरमंगल के 1. मारकण्डे 2. छेदी 3. बृजभूषण

1.मारकण्डे के 1. राजकिशोर 2. राजनारायण 3. राजेन्द्र 4. वीरेन्द्र

1. राजकिशोर के अभिषेक

2. राजनारायण के1. दिनेश के 1. प्रथम 2. अमित 2. शैलेश के दो पुत्र

3. राजेन्द्र के तीन पुत्रियों 1. प्रिन्षा 2. सीमा 3. शिवानी

4. वीरेन्द्र के 1. 1. आकाश 2. अखिलेश

2.छेदी के 1. विजय 2. हृदय

1. विजय के देवेन्द्र के एक पुत्र वेदान्त

2. हृदय के 1. विकास 2. रुद्रप्रताप

3. बृजभूषण के एक पुत्री नीलम

## तराव

पुकार राय के दूसरी पत्नी शुकना पाँच पुत्रों में एक पुत्र भुअवल के मेहरवान के 1. रखू 2.रिखई 3.रखन्ती

1. रखू के अहलाद के 1.बेनी 2.भवानी

1. बेनी के 1. शिवटहल 2.शिवरन (ना.) 1. शिवटहल के 1. कुमार 2. गोविन्द

1.कुमार के देवराज के 1. विजय 2. मनोहर 3.सनोहर

1. विजय के 1. राहुल 2. रोहित

1. धनंजय के किशन
2. जनमेजय के शुभम्
3. अजय के रुद्र

तरांव भदवाँ से

पुकार राय की दूसरी पत्नी शुकना तीसरे पुत्र भुअवल के चन्दा राय के शिवाराय के जगत के 1. प्रयाग 2. काशी 3. ईश्वरी

2. काशी के रम्मन के आगम के तिलकके महावीर के मनिकराज के 1. शिवपूजन 2. सुदर्शन 3. धर्मराज

1. शिवपूजन के 1. मनोज 2. संजय
1. मनोज के मनीष
2. सुदर्शन के 1. अभिलाख के शौर्य 2. अविनाश 3. भारतेन्दु
3. धर्मराज के 1. सूरज 2. रोहित

3. ईश्वरी केसहाय के 1. झिंगा 2. भूमिधर (ना.) 3. मतई (ना.) 4. रामदीन (ना.) 5. गोपाल (ना.)

1. झिंगा के रुप्पन के रघुराज के कृष्ण के 1. श्रीप्रकाश 2. सत्य प्रकाश (अखण्ड)
1. श्री प्रकाश के 1. विमल 2. सचिन
2. सत्यप्रकाश के 1. शुभम 2. सौरभ

# खरदहाँ

पुकार राय के खेमराज के रायचान के दूसरे पुत्र बाल्हन के 1. जयचन्द 2. पालात राय 3. शोभने

1. जयचन्द के 1.महेशा2. मुरारी
1. महेशा के 1. दुखन्त राय 2. लहंग राय 3. केशरी राय
1. दुखन्त राय के 1. गनपत 2. रम्मन 3. राम जियावन
1. गनपत के नरिन्द्रा के बैजनाथ के 1. देवी 2. बहादुर 3. विसेसर

# हरदासीपुर

पुकार राय के खेमराज के रायचान के वाल्हन के जयचन्द के मुरारी के 1. रामशाह 2. सुन्दरशाह

1. रामशाह के 1. थानाशाह 2. राम प्रसाद

1. थाना शाह के मानशाह के रूप के सनेही के

1. हरभक्त 2. चन्द्रमणि

1. हरभक्त के सुजान के कबीर दयाल के रामरतन

2. चन्द्रमणि के सिरोमनि के गुरु प्रसाद के

1. राम नारायण (ना.) 2. शिव नारायण (ना.)

3. शिवरतन के 1. नैपाल 2. हरपाल (ना.)

1. नेपाल के 1. चिथरु (ना.) 2. देवकी 3. देवनन्दन (ना.) 4. रामदेव

2. देवकी के जंगबहादुर के 1. मनबोध 2. भगवान 3. राम प्रसाद (ना.) 4. उधो 5. विक्रमा

1. मनबोध के 1. उदयराज 2. बृजराज 3. महराज

1. उदय राज के 1. मधुबाला 2. कुटका

2. बृजराज के 1. सुनील 2. जगदीश

1. सुनील के हर्ष

2. जगदीश के हर्षित

3. महराज के 1. पवन 2. अनिल के कृष्णकुमार

1. पवन के 1. प्रसेन 2. इन्द्रसेन

2. भगवान के 1. तिलकधारी 2. पलकधारी 3. श्याम विहारी 4. लाल बिहारी

1. तिलकधारी के शैलेन्द्र के 1. मीतू 2. सुवेश

2. पलकधारी के महेन्द्र के क्षितिज

3. श्याम बिहारी के 1. जय कुमार 2. विजय कुमार 3. बच्चा

1. जय कुमार के 1. प्रिंस के एकपुत्र शाश्वत 2. अभिषेक

विजय कुमार के आयुष

4. लाल बिहारी के 1. नरेन्द्र के एकपुत्र 2. राजू

4. उधो क़े अरुण के प्रशान्त

5. विक्रमा के राजेन्द्र के आनन्द

4. रामदेव के दशरथ के दत्तकपुत्र बच्चा के आशीष

# रौना खुर्द

महारकानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के द्वितीय पुत्र वीरभान के मैनजी के 1. मेदनी तथा 2. मेघचन्द 3. महंगू राय 4. सुमेर राय (ना.)

1. मेदनी राय के 1. खग राय 2. विक्रम राय

2. विक्रम राय के 1. लाखा 2. अनूपा 3. खेदराय

1. लाखा के 1. फकीरा राय 2. उमराव 3. कंगल राय 4. मंगलराय

1. फकीरा राय के 1. बलवन्त 2. बलिराज 3. सरनाम

1. बलवन्त के राम गुलाम के छः पुत्र 5 नावल्द

6. चिथरू के टीमल के परगाग के 1. बद्री 2. रामसुन्दर

1. बद्री के शिवमूरत के 1. लालचन्द (ना.) 2. ज्ञानचन्द

2. ज्ञानचन्द्र के 1. विवेक (ना.) 2. आलोक के दर्श

2. राम सुन्दर के 1. जीतन 2. अवधनारायण 3. हृदय नारायण

1. जीतन के 1. अशोक उर्फ बेचन 2. विनोद

1. अशोक के 1. राजेश 2. राजीव

1. राजेश के अभिषेक

2. राजीव के आर्यन

2. विनोद के 1. संतोष 2. शैलेन्द्र के शिवांश

2. अवध नारायण के 1. राजू 2. सत्य प्रकाश

1. राजू के दो पुत्री 1. आस्था

2. सत्य प्रकाश के 1. इन्द्रेश 2. अतुल

3. हृदय नारायण के विनय के वैभव

2. बलिराज के चन्दन के 1. हमेद (ना.) 2. जगनाथ (ना.) 3. भगवान (ना.) 4. दान 5. ईश्वरी 5. दलगंजन 6. अजायब 7. जालिम

4. दान के 1. गया 2. बल्देव 3. हरिनन्दन 4. सालिक

1. गया के 1. श्री किशुन (ना.) 2. मनराम (ना.) 3. विशुनति (ना.) 4. आदित्य (ना.) 5. सरजू

5. सरजू के 1. मटरू 2. संकठा 3. राममूरति 4. राजनाथ

1. मटरू के 1. लल्लन (ना.) 2. देवेन्द्र

# गड़सरा पश्चिम पूरा

महारानी मृगा के खेमराज के वीरभान के मैनजी के मेदनी राय के विक्रम के लाखा के फकीराशाह के 1. बलवन्त 2. बलिराज 3. सरनाम

2. बलिराज के पाँचवें पुत्र दलगंजन के 1.शिवशंकर 2. हरिशंकर

1. शिवशंकर के 1. देव प्रसाद 2. देवराज

1. देव प्रसाद के 1. झिंगन 2. रामबली

1. झिंगन के 1. रामनरेश 2. गोविन्द (ना.) 3. श्री नारायण

1. राम नरेश के एकपुत्र (ना.)

2. श्री नारायण के मुन्ना के 1. डब्बू 2. बब्बू

2. रामबली के 1. प्रभु नारायण 2. प्रसिद्ध नारायण 3. हृदय 4.लक्ष्मी

1. प्रभु नारायण 2. जय प्रकाश 2. गिरीश 3. ज्ञान प्रताप

1. जय प्रकाश के 1. विनीत 2. प्रतीक

1.विनीत के 1.श्रेयांश2. देवांश

2.गिरीश के 1. शुभम 2. सौरभ

3. ज्ञान प्रताप के 1. गौरव 2. वैभव 3. शिवम

2. प्रसिद्ध नारायण के 1.मंगला 2. रणधीर (ना.) 3. अरविन्द

1. मंगला के 1. राजन रोहित

2. अरविन्द के दो पुत्र

4. लक्ष्मी के 1. भुवनेश्वर 2. अजय के आशीष

1. भुवनेश्वर के निरंजन

2. देवराज के 1. श्यामबिहारी 2. राधे (ना.)

1. श्याम बिहारी के 1.राम सुन्दर 2. रामचन्द्र (ना.) 3. वंश नारायण 4. राम नारायण 5. मारकण्डे 6. अवधेश (ना.)

1. रामसुन्दर के 1. मृत्युंजय 2. नामवर 3. प्यारे (ना.) 4. योगेन्द्र

1.मृत्युंजय के एक पुत्री सुमन

2. नामवर के 1. प्रतीप के एक पुत्र 2. सुजीत

4. योगेन्द्र के 1.अमित 2. ऋषि

1 अमित के 1. दिव्यांश 2.विराज

# डगरुपुर

महारानी मृगा के खेमराज के वीरभान के मैनजी के महँगू राय पट्टी में ऊपर की वंशावली की कड़ी अज्ञात है।

महँगूराय पट्टी में—

रामलाल केआलिम के 1. अचरज 2. चेत 3. जयमंगल 4. नन्दन

1. अचरज के रामादास (ना.)

2. चेत के प्रसिद्ध नारायण के 1. रामधनी 2. रामचरित्तर (ना.)

1. रामधनी के 1. चन्द्रकुमार 2. सूर्य कुमार 3. श्यामराज (ना.) 4. ज्ञान प्रकाश

1. चन्द्रकुमार के 1. शान्तनु 2. ऋषभ 3. शशांक

2. सूर्य कुमार के सिद्धार्थ

4. ज्ञान प्रकाश के आयुष्मान

चेत के दूसरे पुत्र बहादुर के 1. राम गोविन्द 2. भुल्लन 3. मारकण्डे 4. राम गोपाल

1. रामगोविन्द के 1. अवधेश (ना.) 2. बृजेश (ना.)

2. भुल्लन के 1. कैलाश 2. कमला 3. श्रीकान्त

1. कैलाश के 1. अनिल 2. सुनील

1. अनिल के यश

2. कमला के 1. राजेश 2. दिनेश 3. मिथिलेश

कमला का परिवार बिहार के चाँद के पास डीहा ग्राम में बसा है।

3. मारकण्डे के दत्तक पुत्र संजय

4. राम गोपाल के 1. उमाकान्त 2. रमाकान्त 3. संजय (दत्तक पुत्र)

1. उमाकान्त के शैलेन्द्र

2. रमाकान्त के शिवेन्द्र

3. संजय के मनीष

3. जयमंगल के राज कुमार (ना.)

4. नन्दन के 1. शिव विनायक 2. भिक्खू 3. सूर्य प्रसाद 4. श्रीनारायण

1. शिव विनायक के 1. शम्भू 2. हरिहर 3. शीतला

1. शम्भू के संतोष के 1. अभिषेक 2. विवेक

1. नीरज के श्रीशांग
1. इन्द्रजीत के कार्तिक
1. विजयन्त के 1. सौरभ 2. सुशील 3. अमित
1. सौरभ के गोविन्द
2. सुशील के 1. हिमांशु 2. प्रियांशु
3. अमित के आदर्श
3. रामजी के शुभम
4. लाल बहादुर के 1.आलोक 2. अंकित
2. भृगुनाथ के राम अधार के 1. नन्हें 2. अजय
1. नन्हें के 1. राज 2. रोहित
2. अजय के 1.लकी 2. आर्यन

# हड़ियाडीह

महारानी मृगा के खेमराज के वीरभान के महँगूराम

महँगू राय पट्टी में—

रामलाल के आलमगिरि के नन्दन के शिव विनायक के हरिहर के 1. रमेश 2. सुरेन्द्र 3. जितेन्द्र 4. देवेन्द्र

1. रमेश के उदय प्रताप
2. सुरेन्द्र
3. जितेन्द्र के राणा प्रताप
4. देवेन्द्र के 1. अनुराग 2.अखण्ड

# बलरामपुर

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के बुद्धसेन के जीत सेन के चन्दन राय के बलराय के बलवन्त राज के बलराज के पाँच पुत्र।

1. असमान से धरसौना और महँदा पश्चिम का पूरा
2. मेहरवान से उधोरामपुर

# पड़रक्षा

खेमराज के रायचान के वाल्हन के जयचंद के महेशा के केशरी के 1. उदय शाह के हनुमान के 1. झाड़ू 2. झण्डा (ना.) 3. विसू 4. भिखारी

1. झाडू के 1. हड़होर 2. बटोर 3. मनोगी

1. हड़होर के 1. शिव सहाय 2. शिव प्रसाद

1. शिव सहाय के भोनू के 1. माधो 2. सकरन 3. बल्देव 4. कुलदीप 5. हरपति 6. अनुवीर 7. पतिराज 8. देवकी

1. माधो के 1. दुबरी 2. नन्दकिशोर

1. दुबरी के 1. बाबूराम 2. रामचन्दर 3. रामनरेश (ना.) 4. चन्द्रभान

1. बाबूराम के 1.अमरनाथ 2. कान्ता 3. उमा (ना.)

1. अमरनाथ के 1. मनोज 2. मुकेश 3. राकेश 4. रोशन

1. मनोज के अभय

2. मुकेश के अंशु

3. राकेश के अमन

4. रोशन के अंकुर

2. कान्ता के 1. उदय शंकर 2. रवि

2. रामचंदर के 1. ललित 2. संजय 3. प्रदीप

1. ललित के राज

2. संजय के 1. हिमांशु 2. अनीष

4. चन्द्रभान के 1. अजय 2. सत्येन्द्र 3. अमरीष

1. अजय के 1.शुभम 2. शिवम

3. अम्बरीष के 1.सत्यम 2.शुभम

2. नन्द किशोर के राधारमण के सत्य प्रकाश

2. शिव प्रसाद के1. अंगद 2. दलथम्मन

1. अंगद के सगराम के वरन के रामसेवक (ना.)

2. दलथम्मन के 1.घुलेट2. पतरी 3. दीना (ना.) 4. भागवत (ना.) 5. रंजीत (ना.) 6. हरसरन

1. घुलेट के 1. शुभकरन (ना.) 2. रामकरन (ना.)

2. जैपाल के 1. विंध्येश्वरी (ना.)

2. मुनेसरी के 1.रामलगन (ना.) 2. राम सागर (ना.)

2. सेहकू के सुगम के जगरदेव के 1. तिलधारी (ना.) 2. कल्पनाथ (ना.) 3. सूर्यनाथ

3. सूर्यनाथ के 1. प्रेम बहादुर 2. राजबहादुर

1. प्रेम बहादुर के 1. सुनीत 2. कपिलदेव

2. राज बहादुर के 1. अभिषेक 2. करन

2. दीहा के 1. परसन 2. भुइधर

1. परसन के सालिक नावल्द पर चन्देल ठाकुर खपहड़ा के राशन सीन हैं।

2. भुइधर के 1. रक्षपाल (ना.) 2. जगपत 3. अवतार

2. जगपत के बेचन (ना.)

3. अवतार के 1. सजन (ना.) 2. भजन (ना.) 3. बच्चा

3. बच्चा के 1. मथुरा (ना.) 2. कुनाई

2. कुनाई के 1. रामचरित्तर 2. किशोर (ना.) 3. अलियार

1. रामचरित्तर के प्रह्लाद के मिथिलेश

3. अलियार के 1. जय नारायण 2. हरिनारायण 3. सत्यनारायण 4. प्रकाश

1. जय नारायण के 1.मुकेश 2. विकास के तृश्न

2. हरिनारायण के राहुल

3. सत्यनारायण के 1.नीलेश 2. नीतेश 9ना.)

4. प्रकाश के अभिषेक

## भक्तौली

महारानी मृगा के पांचवे पुत्र नियायी बाबा के तीन पुत्र

1. लक्ष्मण राय 2. भरत राय 3. मंगोला राय

3. मंगोला राय के 1. तुलसी 2. सेहकू 3. रामदयाल 4. पहलू (ना.)

1. तुलसी के करामन के 1. जयनाथ 2. शिवनाथ (ना.) 3. राजा 4. कृपा

1. जयनाथ के दो पुत्र पहला (ना.) 2. रना

2. रना के रामसरन के अजायब के 1.परमेश्वर 2. शिवनन्दन 3. सुखनन्दन

# धरसौना

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के बुद्धसेन के जीतसेन के चन्दन राय के कौशल के बलवन्त राय के बलराज के पाँच पुत्र पहले पुत्र असमान के गनपत के शिवनारायण के 1. जगरदेव 2. कुमार (ना.) 3. उमराव 4. परमेश्वर (ना.)

1. जगरदेव के 1. बहादुर (ना.) 2. बटुक नाथ (ना.) 3. बल्देव 4. सहदेव 5. महादेव

1. रामप्यारे के 1. अखिलेश 2. दिनेश 3. जीतबहादुर

3. बल्देव के लक्ष्मी नारायण के रामचरित्तर के 1. रामप्यारे 2. ठाकुर प्रसाद के राजेश के कृश कुमार

3.मंगला के 1. आशुतोष 2. शुभम

1. अखिलेश के 1. प्रणयकान्त 2. रीतेश 2. दिनेश के प्रियांशु 3. जीत बहादुर के 1. अंशुमान 2. आरयन

5.महादेव के 1.प्रताप नारायण (ना.) 2.सरजू (ना.) 3. उमराव

3.उमराव के बेनीमाधव के1. जगरनाथ 2.बद्री 3.संकठा 4. प्रभु नारायण (ना.) 5. प्रसिद्धनारायण

2. बद्री नारायण के विश्वनाथ के 1. शिव दयाल 2. राम दयाल

1. शिव दयाल के 1.यशवन्त 2. शशि के शिवम

1. यशवन्त के दिव्यांशु

2. राम दयाल के 1. भूपेन्द्र के शिवेन्द्र 2. रवि के सक्षम

3. संकठा के 1. कमला के लल्लन के रविन्द्र के विवेक

2. तेज बहादुर के बेचन के 1. संजय 2.धीरेन्द्र

1. संजय के 1. सौरभ 2.ओम

5. प्रसिद्ध नारायण के 1. जंग बहादुर 2. रंग बहादुर (ना.) 3. लाल बहादुर 4.समसेर 5. लालचन्द

1. जंग बहादुर के 1. अमरनाथ 2. समरनाथ 3. ओमप्रकाश

1. अमरनाथ के 1.चंचल 2. पंकज (ना.)

1. चंचल के प्रेम

2.समरनाथ के पवन

3.ओमप्रकाश के 1. मनोज 2. मनीष
1.मनोज के ऋषी
3. लाल बहादुर के 1. विनय 2.संतोष
1. विनय के 1. अतुल 2.विपुल
2.संतोष के आर्यन
4.समशेर के 1. राकेश 2. अनिल 3. सुनील 4. सतीश 5. जय प्रकाश
1.राकेश के 1. अमित 2.अविनाश
2. अनिल के नवीन
3. सुनील के दुर्गेश
5. लालचन्द के अखिलेश

## महदाँ पश्चिम पट्टी

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के बुद्धसेन के जीतसेन के चन्दन राय के कोलराय के बलवन्त के बलराज के असमान के गनपत के शिवनारायण के 1. जगरदेव 2. कुमार (ना.) 3. उमराव 4. परमेश्वर (ना.)

बेनीमाधव के जगरनाथ के 1. सत्यनारायण 2. हरख नारायण (ना.) 3. शिवनाथ

3. उमराव के 1. सत्य नारायण के 1. नन्हकू के 1. वीर बहादुरके अजीत

2. समसेर के शुभम

3. सुरेन्द्र के सुजीत

4.वीरेन्द्र के आलोक

5.रविन्द्र के आशीष

6. सत्येन्द्र

2.जमुना के नरेन्द्र के 1. आनन्द 2.पवन

3.गंगा के 1.देवेन्द्र के वैभव

2. संजय के आकाश

3. अजय के हिमांशु

4. गणेश के 1. अरुण के 1. चन्दन 2. दीपक

2.अभय के अंकित

3. शिवनाथ के बृजबिहारी के कौशलेन्द्र के मयंक

# पूरा चन्दीली

महारानी भृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के उदयचन्द के नागमल के [illegible] टोडरमल में

अभिलाख के 1. केरा 2. रामवरन 3.पृथ्वीपाल

1. केरा के 1. सुखराम 2. जगरनाथ 3. परशुराम

1.सुखराम के मनबोध के 1.कपिलदेव 2.लल्लन

1. कपिलदेव के 1.अरुण 2. अजीत 3. राकेश 4. वरुण (ना.)

1. अरुण के 1.विनीत 2. विशाल 3. विवेक

1. विनीत के श्यामजी

3. राकेश के 1.आनन्द 2. अरनव

2. लल्लन के 1. अनिल 2. प्रदीप

1. अनिल के 1. सत्येन्द्र 2. ओमकार

1.सत्येन्द्र के 1. राघव 2. कान्हा

2.प्रदीप के शिवम

2. जगरनाथ के 1. कैलाश के विनोद के नारायण

2. कमला के 1. अरविन्द 2. मनोज

1.अरविन्द के 1. शुभम 2. विजय 3.नीतेश

3. परशुराम के 1. श्रवण कुमार 2. राजदेव

1. श्रवण कुमार के 1. तुलसी 2. अशोक 3. राजेश 4. दिनेश 5. गोपाल

1. तुलसी के 1. रोहित 2. मोहित

2.अशोक के अनुराग

3.राजेश के एक पुत्र

4. दिनेश के विवेक

2. राजदेव के 1. संतोष 2. संग्राम

2. रामवरन के 1. सहिजाद 2. मरजाद

1. सहिजात के रामलच्छन के राणा प्रताप के 1. संतोष 2. उपेन्द्र

2. मरजाद के राजेन्द्र के राम सिंहासन के दुर्ग विजय के अयांश

3. पृथ्वी पाल के 1. गया (ना.) 2. गजाधर (ना.) 3. गजराज

3. गजराज के 1.अम्बिका 2. राजकुमार 3. कृष्ण चन्द्र 4. हीरा लाल

1. अम्बिका के कोतवाल के 1.सुनील 2. अजीत 3. जंग बहादुर

1. सुनील के अश्वनी

2. अजीत के 1. आकाश 2.आर्यन

2. राज कुमार के 1. राम अवध 2. रामजी

1. राम अवध के 1. समसेर 2. प्रमोद

1. समसेर के वैभव

2.प्रमोद के यश

2. रामजी के देवेन्द्र

3.कृष्ण चन्द्र के अशोक के सुमित कुमार के 1. अनय 2. दिव्यांश

4. हीरालाल ये जमीन खरीद करसकलडीहा के पास विशुनपूरा में जाकर बस गये हैं।

## विशुनपुरा

अभिलाख के पृथ्वीपाल के गजराज के हीरालाल के 1. वंशीधर 2. मुरलीधर (ना.) 3. अवधेश (ना.) 4. दुर्गेश

1.वंशीधर के 1. टुनटुन 2.रोशन

2. दुर्गेश के एक पुत्र

## लोवावेग

नयनदेव के शाल्हेकुँवर के नगईराव देवकुँवर के विरहज राम के पुकारराय के खेमराज के रायचान के अनूपचन्द के रूपचन्द के मनीराम के मनोरथ के चंडीराय के कल्याण के झंडा के धवंकल के 1. घुरहू 2. देवी 3. हरदयाल (ना.)

1. घुरहू के पवारू के 1. अयोध्या 2. प्रयाग (ना.) 3. रघुनाथ 4. गजाधर (ना.) 5. मथुरा (ना.) 6. विनेसरी

1. अयोध्या के 1. दलगंजन 2. चेखुरी

1. दलगंजन के 1. झूरी 2. रामदेव (ना.)

1. झूरी के 1. बेचन 2. जतन (ना.) 3. बलवन्ता 4. रामचन्दर

1. बेचन के 1. परशुराम 2. जगदीश 3. वीरेन्द्र 4. रविन्द्र

2. चन्द्रबली के सीतल

3. सूर्यबली के 1. योगेन्द्र 2. दुखरन (ना.)

1. योगेन्द्र के 1. विशाल 2. विक्रम

1. विशाल के आदित्य

3. भंग बहादुर के रामनगीना के अनुराग के रिबांश

3. सुदिन के राम निरंजन के 1.माता प्रसाद (ना.) 2. राम प्रसाद

2. राम प्रसाद के 1 राज किशोर (ना.) 2. सोबरन 3. राधेश्याम 4. लाल बहादुर

2. सोबरन के 1. नारायण 2. हरिशंकर (ना.) 3. भालचन्द्र

1. नारायण के 1. रोहित 2. मोहित

1. रोहित के शुभ

2. मोहित के समर

3. भालचन्द के विनय

3. राधेश्याम के सच्चिदानन्द के 1. अजय 2. बाल किशोर 3. अमन

1. अजय के 1.अंशुमान 2. कार्तिकेय

2. बाल किशोर के सत्यवीर

4. लालबहादुर के 1.अशोक के राहुल

2. नंदलाल के 1. सत्यम 2. श्रीजल

## नियार

नयनदेव के शाल्हे कुंवर के नगईराव के देवकुंवर के विरहज रायके पुकार राय के खेमराज के रामचान के वाल्हनराय के जयचन्द के महेशा के लहंग राय के फुलेलराय के मानराय के सुवंश राय के मनोरथ के पहलू राम के शिवसहाय के रामसहाय के 1. अर्जुन (ना.) 2. राम किशुन 3. सगराम (ना.)

2. राम किशुन के रनवाज 2. नन्हकू

1. रनवाज के 1. सीताराम (ना.) 2. काशी (ना.)

2. नन्हकू के राजेन्द्र के 1. शिवाजी 2. रघुवंश भाष्कर

1. शिवाजी के एकलव्य

2. रघुवश भाष्कर के दो पुत्री 1. अर्तिका 2. श्रेया।

# उधोरामपुर

नयनदेव के शाल्हेकुंवर के नगई राव के देवकुँवर के विरहज के पुकार राय के उग्रसेन के बुद्धसेन के जीतसेन के चन्दन राय के कोलराय के बलवन्त राय के बलराज के मेहरबान के जलाल राय के 1. विनोयक 2.सुमेर शाह 3. अमरशाह

विनायक में रम्भू के 1. भैरो 2. सालिक 3. सीतल 4. शिवचरन (ना.) 5. रिसाद (ना.)

1. भैरो के 1. जयमंगल 2. मंगल

1. जयमंगल के 1. परताप 2. परसिद्ध (ना.) 3.लालजी 4. ढल्लू (ना.)

1. परताप के एक पुत्र (ना.)

3. लालजी के 1. कैलाश 2. शम्भू 3.केशव 4. रामलगन (ना.)

1.कैलाश के 1. श्रीनिवास 2.रमानिवास

1. श्रीनिवास के दो पत्नी 1.जेठरी 2. लहुरी

1. जेठरी से राकेश के हर्षराज

2.लहुरी से 1. परमहंस 2. राम सिंह 3. विजय

1.परमहंस के दीपराज

2.राम सिंह के यशराज

2. शम्भू के 1. मनोज 2. रमेश 3.संजय

1. मनोज के 1.अंकित 2. विपिन

2. रमेश के 1. मयूरेष 2. दिव्यांश

3. केशव के 1.राजू 2. पिन्टू

2.पिन्टू के कृष्णा

1. राजू के अभय

2. सालिक के 1. रघुनन्दन 2. यदुनन्दन (ना.)

1. रघुनन्दन के1. रामधारी (ना.) 2. शिवधारी (ना.)3. चिथरू (ना.) 4. सामा (ना.)

3. शीतल के चारपुत्र (ना.)

नाम अज्ञातपिता के दो पुत्र 1. नाम अज्ञात 2. शिवनन्दन

1. नाम अज्ञात के 1.विनेसरी 2.बागेसरी

2. जय नारायण के शारदा के एक पुत्री
2. देव सरन के राजनारायण (ना.)
शिवजगत के 1. बेचू 2. वगेसरी
1. बेचू के विश्राम हिनौती चन्दौली में जाकर बस गये हैं।
2. बगेसरी के 1. सूरज 2. देव नारायण (ना.)
1. सूरज के विजई के 1. केशव 2. विहारी 3. ऊदल 4.अभिमन्यु 5. इन्द्रजीत
1. केशव के पंकज
2. बिहारी के कुलदीप
3. ऊदल के 1. अर्जुन 2. मोहित

## हथियर

नयनदेव के शाल्हे कुँवर के नगईराव के देवकुँवर के बिरहज राय के पुकार राय के छेमराज के रामचान के बाल्हन के जयचन्द के महेशा के लहंग राय के फुलेलराय के मानराम के सुवंशराय के मनोरथ के नवल राय रट्टा के 1. ऐनी 2. भीखी

1. ऐनी के 1. बेचू 2. सुखदयाल

1.बेचू के 1. दीना 2. देवी 3. रामहरख 4. सिस्तन

1. दीना के पिरथी पाल 2. दुर्विजय 3. रुपनारायण (ना.)

1. पिरथी पाल के 1. सदाफल (ना.) 2.रघुनन्दन 3.दलगंजन (ना.)

2. रघुनन्दन के 1.उमराव 2. रामा (ना.) 3. देवराज (ना.)

1.उमराव के 1.वीरेन्द्रमोहन 2. सत्येन्द्र 3.रमेश 4. प्रमोद

1. वीरेन्द्र मोहन के 1 चन्द्रभाल 2. गणेश 3. भालचन्द

1.चन्द्रभाल के 1. रीषी 2.प्रशान्त के देव

2. गणेश के 1. गुंजन 2. अमेरिका 3. अनिल

3. भालचन्द के श्रेयस

3. सत्येन्द्र और रमेश का परिवार पट्टी विजाय थाना सुरियाँवा जिला संतरविदासनगर में बस गये हैं।

3. दुर्विजय के दलगंजन (ना.)

2.देवी के 1.राम किशुन 2.माधो (ना.)

1. राम किशुन के 1.देवकी (ना.) 2. मथुरा (ना.) 3. भगनू (ना.) 4. जगदीप

4. जगदीप के 1. महादेव (ना.) 2. छेदी 3. मगरू (ना.)

1. रामनारायण के पुत्रियां 1. शीला 2. सरोज 3. बीना 4. रेनू 5. प्रेमबाला पाण्डीपट्टी के चौपट खंभ ठाकुर विभू राशनसीन हैं।

2. वंश नारायण के 1. अजय 2. सुमित दोनों के एकपुत्र ।

4. हंस नारायण के मनीष के दो पुत्र

4. हरनारायण के शान्तनु

5. कृष्ण नारायण के विनीत

2. रामनन्दन के 1. विन्देश्वरी 2. शिव प्रसाद

1. विन्देश्वरी के 1. चन्द्रभूषण 2. मंगला

1. चन्द्रभूषण के 1. गोविन्द 2. गोपाल 3. सुरेन्द्र

1. गोविन्द के 1. यशवन्त 2. बलवन्त

1. यशवन्त के एक पुत्र

2. गोपाल के अंशमान

3. सुरेन्द्र के 1. चन्द्र प्रकश 2. संजय

1. चन्द्र प्रकाश के मंजिल

2. मंगला के ओमकार के अरुण

2. शिव प्रसाद के रमाशंकर के 1. जयेस 2.वृजेश

# देवरिया

पुकार राय के दूसरी पत्नी शुकना पाँच पुत्र में देवसी बाबा के दारुन के कुबेर के बटोर के झंडा के हाकिम के धरहर के 1. जोगा 2. भोगा के भाई

1. जोगा के जगत के 1. जगरनाथ 2. ठाकुर दयाल 3. बैजनाथ

1. जगरनाथ के 1. रामबचन 2. रामवरन 3. शिवसरन 4. रामचन्दन

1. रामबचन के राम सूरत के विक्रमा के 1. कृष्ण कमार 2. शशिभूषण 3. चन्द्रभूषण

2. शशिभूषण के 1. गोरव 2. सौरभ

3. चन्द्रभूषण के 1. वैभव 2. अनुभव

2. रामवरन के 1. बासदेव 2. रामदेव 3. राजनाथ 4. रामनाथ (ना.) 5. राम अवतार

1. बासदेव के 1. भगौती 2. हरिनाम

2. संजय के श्रीयश अमेरिका में रहते हैं।
5. बटुकनाथ के लालबहादुर के 1. विपिन 2.प्रियांशु
8. शारदा के 1.हेमन्त 2. बसन्त
9. सूर्यबली के आलोक के अतुल
शिववरत के 1. देवराज 2. चेतनारायण 3. सत्यनारायण
1. देवराज के 1.सूर्यनाथ (ना.)देवेन्द्र
2. देवेन्द्र के 1.संदीप 2. दीपू
2. चेतनारायण के 1.गुलाब (ना.) 2. ओम प्रकाश 3. सुभाष
2. ओम प्रकाश के मुन्ना शाहजहाँपुर में बस गये हैं
3. सुभाष के रामा
3. सत्यनारायण के 1. रामजी 2. रामाश्रय
1. रामजी के ब्रह्मदेव के दो पुत्र
2. रामाश्रय के 1. कृष्णा 2. अनिल 3. सुनील
1. कृष्णा के निखिल
2. अनिल के अभय

## मगौलेपुर

पुकार राय के दूसरी पत्नी शुकना के दूसरे पुत्र परगास के यदुवंश राम के सुबाष के मंगवले राय 2. चन्द्रभान 3. हरिभान

1. मंगलवले राय के नाम पर ही मंगवलेपुर बसा।
2. चन्द्रभान के 1. सुभाष 2. रामदास
1. सुभाष के 1. घुर्लेट 2. रामजत
1. घुर्लेट के 1. शिव 2. सरदार
1. शिव के 1. भवनाथ (ना.) 2. सरन (ना.) 3. रुपीराय
3. रुपीराय के बैजनाथ के राम टहल के 1. महेश (ना.) 2. दलीप
2. दलीप के 1.रामलखन 2. रामनाथ (ना.) 3. राजनाथ
1. रामलखन के 1. उमराव 2. फौजदार (ना.)
1. उमराव के 1. मुन्ना 2. आशीष
1. मुन्ना के 1. शिवम के शौर्य 2. कृष्णा

# रेहारी छावनी

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के बुद्धसेन के जीतसेन के चन्दन के कोलराय के बलवन्त के बलराज के 1. असमान 2. मेहरबान 3. रहम 4. रंजीत 5. गुरुदत्त 1. असमान से धरसौना 1. मेहरबान के उधोरामपुर 3. रहम के 1. गुलाब 2. जराव

1. गुलाब से महदां तथा बलरामपुर के अवध नारायण

2. जराव के 1. शिवदयाल 2. गिरजा

1. शिवदयाल के 1. राउ 2. भाऊ राऊ के हरदयाल के 1. साविन से बलिरामपुर (सरकहाँ)

2. सनेही से रेहारी छावनी

3. शंकर से जबरनपुर बलिरामपुर

4. शिवदत्त से कुण्डा खुर्द

2. गिरजा से भदवाँ में दो घर

4. रंजीत के 1.शंकर 2. नन्हकू (ना.) 3. काशी (ना.)

1. शंकर के 1. भौनदयाल 2. गनेश 3. शिव प्रसाद

1. भौन दयाल के 1.झीगू (ना.) 2. मथुरा (ना.) 3. हरसदन (ना.)

2. गनेश के 1. यदुनन्दन 2.फुलगेन(ना.) 3. राम खेलावन (ना.)

1. यदुनन्दन के 1.बेचू (ना.) 2. सगराम

2. सगराम के 1.शिवनाथ (ना.) 2. रघुनाथ (ना.)

3. शिव प्रसाद के 1. नौरग (ना.) 2. कलूटीला (ना.) 3. शिवपरसन (ना.)

5. गुरुदत्त के ढुण्ढा का खानदान नरकटा में मुसलमान हो गया।

4. रंजीत के वंशज उधोरामपुर में नावल्द हो गया। उग्रसेन के वंशज उधोरामपुर से ही अन्य ग्रामों में गये हैं।

राऊ के हरदयाल के 1. साविन 2. सनेहा 3. शंकर 4. शिवदत्त

1. साविन के 1. सरनाम 2. हरनाम 3. बैजू

1. सरनाम के 1. सुअम्बर 2. सुमिरन 3. औतार 4. धौताल 5. विसेसर

2. सुमिरन के 1. दुर्गा 2. गोकुल3. देवकी

1. दुर्गा के 1. लखना (ना.) 2. प्रसिद्ध (ना.) 3. सिद्धेश्वरी (ना.) 4. बासदेव 5. कुंज बिहारी

2. दयाशंकर के 1. अरविन्द 2. मनोज 3. दिलीप

1. अरविन्द के अभिषेक

2. मनोज के 1 नितिन 2. निखिल

3. दिलीप के 1. उमंग 2. तरंग

4. उदित के 1. देवराज 2. मेवा राज 3. सूरज प्रसाद

1. देवराज के 1. बाबू नन्दन 2. सुमेर (ना.)

1. बाबू नन्दन के 1. बनवासी (ना.)2. राम अधार

2. रामअधार के 1. नरेन्द्र 2. इन्द्र बहादुर 3. कृष्ण कुमार

1. नरेन्द्र के 1. विवेक 2. विपिन

2. इन्द्र बहादुर के 1. अचल 2. अमित 3. मनीष

1. अचल के पार्थिव

2. अमित के चिक्कू

3. मनीष के एक पुत्र

3. कृष्ण कुमार के अनिकेत

3. सूरज प्रसाद के 1.उमाशंकर2. रमाशंकर

1. उमाशंकर के 1. राकेश 2. मुकेश

1. राकेश के 1.सृजन 2. सम्यक

2. मुकेश के 1. यश 2. सिधान्श

2. रमाशंकर के 1. अखिलेश 2. हितेश 3. अमित के एक पुत्र

1. अखिलेश के आरू

## रेहारी मस्टरान

महारानी मृगा के खेमराज के रायचान के वाल्हन के जयचन्दके महेशा के लहंगराय के दशमी राय के 1. भोजराज 2. दोजराज 3. सेत राय 4. हेतिम राय

1. भोजराय के 1.लौटन 2. सिदयाल

1. सिदयाल के 1. देवी दयाल 2.रक्षपाल

1.देवीदयाल के 1.झीमल (ना.) 2. रमेश्वर 3.शिववरन 4.भरथ (ना.)

2. रमेश्वर के माधो के सूरतके 1. रमाशंकर 2. शम्भू 3. हरिनाथ 4. अमरनाथ

2. धीरेन्द्र के मनीष के अनन्त

3. कृपाशंकर के 1. संतोष 2. राज

3. लक्ष्मी नारायण के 1. तेज नारायण 2. रामनारायण

1. तेज नारायण के 1. राजेश 2. अखिलेश 3. कमलेश 4. चन्दन

1. राजेश के 1. प्रिन्स 2.आकाश

2. अखिलेश के 1. अविनाश 2. अतुल

3. कमलेश के 1. प्रणव 2. प्रखर

4. चन्दन के शिवांश

2. रामनारायण के 1. पंकज 2. नीरज

1. पंकज के श्रेयस

2. नीरज के रुद्र

4. राम नरेश के 1. ठाकुर प्रसाद 2. दीनदयाल 3. दयाशंकर

1. ठाकुर प्रसाद के 1. धर्मेन्द्र 2. सत्येन्द्र

1. धर्मेन्द्र के योगेश 2. सतेन्द्र के शौर्य

2. दीनदयाल के 1. संदीप 2. अजय

2. अजय के कृष्णाशु

3. दयाशंकर के 1. शनी 2. आशुतोष

1. शनी के कृष्णा

5. श्रीनारायण के 1. उदयभान (ना.) 2. चन्द्रभान 3. वृजभान

2. चन्द्रभान के विक्रम

3. बृजभान के 1. दीपक 2. विकास

## रजला

महारानी मृगा के खेमराज के रायचान के वाल्हन के पाताल राय के 1. पिरथी राय 2. दिलीप राय

2. दिलीप राय के कतवारू राय बड़े प्रतिष्ठित हुए जिनके निवास स्थान का नाम राजालय रहा उसी राजालय से इस गाँव का नाम रजला पड़ा।

कतवारू राय के 1. गोसाई 2. महराज 3. भवानी 4. भरथी

# सुल्तानीपुर

महारानी मृगदा के चौथे पुत्र चितऊ बाबा के तीन पुत्र 1.लादा 2.वशिष्ठा 3. कल्याण
शाह

2.वशिष्ठा के 1. सुरतन 2. कीर्ति 3. देवराय 4.उमंडा

2.कीर्तिराय के बटोर के पाँच पुत्र तीसरे पुत्र सुल्तन के अधीन के मैगर के 1.
रामसरन 2.शिवसरन (ना.)3.दलथम्मन

1.रामसरन के उमदी के फकीर के 1.शिवशंकर 2.सीताराम

1.शिवशंकर के गिरधारी के 1. जगरनाथ 2.विश्वनाथ

1. जगरनाथ के दो पुत्र वाराणसी में विसेश्वरगंज पोस्ट आफिस केउत्तर राजश्री
बटोर

2. विश्वनाथ के अंकित

2.सीताराम के 1. लाल बहादुर (ना.) 2. राज बहादुर (ना.) 3. राजनारायण 4.
श्याम नारायण

3.राजनारायण के विजई के 1.दीपक 2. पंकज 3. रोहित

4. श्याम नारायण का परिवार बम्बई में रहता है।

3.दलथंम्मन के 1. जद्दू 2.सरजून

1. जद्दू के अनमोल के 1.ब्रह्मदेव2.चन्द्रभाल

1.ब्रह्मदेव के 1. ओम प्रकाश 2. राजेश

1.ओम प्रकाश के 1.रघुवंश के 1.ज्ञानमणि 2. आरुणि 2.शशांक के आयुष

2. राजेश के 1. सिद्धार्थ 2. शिवम्

2. चन्द्रभान के 1. आजाद 2. अजय

1. आजाद के 1.आशु 2.कार्तिकेय

2.सरजून के श्रीनेत के 1.रामदेव (ना.) 2. राजदेव 3. लालता

2. राजदेव के 1.अशोक 2. विनोद

1. अशोक के 1.अभिषेक 2. गौरव

2. विनोद के अंकुर

2.लालता के 1. इन्द्रपाल 2. शिवाजी

1. इन्द्रपाल के 1. मारुति 2. आदित्य

# मोहनदासपुर

[illegible] के चौथे पुत्र [illegible] के [illegible] पांच पुत्र में चौथे पुत्र [illegible] मोहनदासपुर।

मोहन के 1. श्रीनन्दलाल 2. देवसरन 3. देवनारायण

1. श्रीनन्दलाल के 1. कौलेश्वर 2. शिल्लू

1. कौलेश्वर के 1. अवधेश 2. बसुदेव (ना.)

1. अवधेश के 1. रामवंश 2. राजपति 3. रामपति 4. रामबोध (ना.)

1. रामवंश के शिवशंकर के 1. अखिलेश 2. अतुल

1. अखिलेश के शिवेन्द्र

2. अतुल के शिवांश

भदवाँ में घर बना कर बस गये हैं।

2 राजपति के 1.हरिशंकर 2. कमलनाथ 3. अरविन्द

1. हरिशंकर के 1. अमितेश 2. अंकित

2 कमलनाथ के अनुज

3.अरविन्द के 1.रीषभ 2.रजत

अरविन्द घर बनाकर भदवाँ में बस गये।

2. शिल्लू के 1.सहदेव (ना.) 2. जगरदेव (ना.) 3. सुखदेव (ना.)

2. देवसरन के सात पुत्र 6 नावल्द एक गिरधारी के गोकुल के 1.सगराम 2. [illegible] (ना.)

1. सगराम के 1. रामचन्द्र 2. रामधनी

1. रामचन्दर के 1. जयनारायण 2. बृजनारायण 3.कमलेश

1.जय नारायण के विकास

2. बृजनारायण के विवेक

2.रामधनी के 1. सुरेन्द्र 2. महेन्द्र 3. वीरेन्द्र

1. सुरेन्द्र के राहुल

2. महेन्द्र के शिवांश

3. वीरेन्द्र के दिवांश

3. देवनारायण के 1. भगौती 2. सुन्नर (ना.)

1. भगौती के 1. रामलोचन (ना.) 2.वंश लोचन (ना.)

1. राम लोचन के नावल्द पर वैश्य ठाकुर मधुवन से आये हैं।

# बड़वाँ दक्षिण का पूरा

रायचान के दूसरे पुत्र वाल्हन के जयचन्द के महेशा के लहंगराय केदलगंज के 1. मधु के सलहन्त के 1. सुमिरन 2. रक्षपाल (ना।) 3. देवसरन 4. देवी शरण

1. सुमिरन के नौजादिक के 1. सगराम 2. परसोतम (ना.)

1.सगराम के 1. चेखुरी (ना.) 2. बेचन (ना.) 3.सेचन

3.सेचन के1. वीर बहादुर 2. श्याम नारायण3. अवध नारायण 4. अजय

1. बीर बहादुर के 1.संदीप 2. ओम प्रकाश 3. प्रयाग

1. संदीप के शिवम

2. ओम प्रकाश के 1.मोहनी 2. शिवानी

3. प्रयाग के 1.कृष्णा2. सुदर्शन

2. श्याम नारायण के लवकुश के शिवांसु

3. अवध नारायण के 1.चन्दन2. सूरज

1. चन्दन के उत्कर्ष

4. अजय के 1.विकास 2. आकाश

4. देवीशरण के 1. नाथू (ना.) 2. शिवलखन 3. बाबूलाल 4.रामधारी

2. शिवलखन के मोहन के 1. त्रिभुवन 2. राम भुवन 3. रवि कान्त 4. शशिकान्त चारों का परिवार तरइथा विहार में रहता है।

3. बाबू लाल के वीरेन्द्र के1. गोविन्द 2. अरविन्द

1. गोविन्द के शिवा

4. रामधारी के 1. दामोदर 2. रामजी 3. श्यामजी

1. दामोदर के 1. ओमप्रकाश 2. जय प्रकाश 3. विनोद 4. मनोज 5. सत्येन्द्र

1. ओम प्रकाश के 1.संदीप 2. सुजीत

1.संदीप के यथार्थ

2. सुजीत के अथर्व

2. जय प्रकाश के 1. अमित 2. सुमित

3. विनोद के प्रनव

2. भरत का परिवार शाहगंज के पास जौनपुर जिला में रहता है।

## बड़वाँ उत्तर का पूरा

2. जोधन के 1. लौटन 2. पल्लू
1. लौटन के 1. रम्मन 2. श्रीनारायण
1. रम्मन के 1. दवन 2. शिववरन 3. राम वरन
1. दवन के 1. गफलू 2. देवनन्दन 3. हरनन्दन (ना.) 4. अछैबर (ना.)
1. गफलू के विश्वनाथ के बिहारी के 1.राधेश्याम 2. राम अवतार
1. राधेश्याम के 1. हरिश्चन्द्र 2. दीप चन्द 3. रुपचन्द 4.रोशन
1. हरिश्चन्द्र के सुमित
2. रुपचन्द के 1. राजन 2. विनीत 3. आजाद
4. राम अवतार के 1. अतुल 2. गोविन्द
1. अतुल के एक पुत्र
2. देवनन्दन के1. यदुनाथ 2. दूधनाथ
1.यदुनाथ के 1. सूबेदार 2. फौजदार 3. जमीदार4. सहिजाद
1. सूबेदार के 1. राजेन्द्र 2.रविन्द्र
1. राजेन्द्र के 1. सतीश 2. सचिन
1. सतीश के 1.अस्मित 2. आयुष
2. फौजदार के 1. वीरेन्द्र 2. जोगेन्द्र 3. हरेन्द्र 4. सचिन्द्र
2. जोगेन्द्र के अभय
3. हरेन्द्र के राजकुमार
4. सचिन्द्र के 1. घनश्याम 2. शिवा
3. जमीदार के सुरेन्द्र के 1. पवन 2. सपन 3. धवन
4. सहिजाद के 1. संतोष 2. मनोज 3. धीरज
2. दूधनाथ के 1. नकछेद 2. शिवपूजन 3. रामजनम
1. नकछेद के 1. संजय 2. अजय 3. विजय
1. संजय के शुभेन्द्र

# रजौन

रजौन ग्राम बिहार में बाँका जिला में पड़ता है। ये लोग बड़वा जौनपुर से जाकर ससुराल में नवारसा मिला था वहीं रजौन में जाकर बस गये।

महारानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के रायचान के वाल्हन के जयचन्द के महेशा के …गराय के दलगंजन के जोधन के पल्लू के गनेश के रामबकश के रामदीन के रजवन्त के 1. श्रीनाथ 2. जयनाथ

1. श्रीनाथ के वंशज बड़वा में हैं।

2. जयनाथ के 1. हवलदार 2. रामवृक्ष 3. श्याम सुन्दर 4. सच्चिदानन्द

1. हवनलदार के दो पुत्री 1. मीशा 2. मीरा

2. रामवृक्ष के सिप्पू

3. श्याम सुन्दर के 1. रंजीत 2. नीतीन 3. रणधीर 4. राजीव

2. नीतीन के 1.रुही 2. जुही

3.रणधीर के1. रुची 2. प्रियंका 3. श्रुती 4. हिमांशी

4. राजीव के ऋषभ

4. सच्चिदा के 1.अजय आनन्द 2. विजय आनन्द

1. अजय आनन्दके 1.सत्यम 2. तन्मय

रामदीन के 1. रजवन्त 2. शुभकरन 3. बलकरन

रजवन्त का परिवार पहले लिखा गया है।

2. शुभकरन के रामबहाल के 1. अम्बिका 2. महेन्द्र

3. बलकरन के 1.शिव बहाल (ना.) 2. राम बिहारी

2. राम बिहारी के आदित्य के एक पुत्र

# नियार

महारानी मृगा के खेमराज के रायचान के वाल्हन के जयचन्द के मुरारी के सुन्दरशाह के1. शिव प्रसाद 2. सूदी

1. शिव प्रसाद के 1. बुनियादी 2. मनोगा 3. दौताल

1. बुनियादी के 1.कृपाल 2. रामचरन

1. कृपाल के 1. शिवरंजन 2. जगत 3. विसेसर (ना.) 4. रामरतन (ना.)

1. दीपक के 1. हर्ष 2.हेमन्त

2. ऊँकरन 1. निर्मल (ना.)2.महाबल (ना.)

3. रघुवीर के 1.राम प्रताप (ना.)2. राम अवतार(ना.)3. राम शंकर (ना.)4. [illegible] (ना.)

2. बच्चू के 1. किशुना 2. नान्हक (ना.)

1. किशुना के दलथम्मन मुसई (ना.)

3. शिवन के1.फेरा 2. रामशरन (ना.)

1. फेरा के 1. पिरथी (ना.) 2.रामगुलाम (ना.)3. हरपाल (ना.)

4. सुफल के 1.हरद (ना.) 2. हरलाल (ना.) 3.बलकरन (ना.)4. बलराम (ना.) 5. रामदेव (ना.)

# मुरेरी व नियार

महारानी शुकना के पाँच पुत्र

1. घाटम 2. परगास 3. देवसी 4.भुअवल 5. खरग

शुकना के पुत्र देवसी के दारुन के कुबेर के बटोर के झंडाके1. हुकुम 2. राकिम

2. हाकिम के धरहर के 1. भोगा 2.जोगा

1. भोगा के 1. रामपलट 2. मनोगी 3. भवन दयाल

1. राम पलट के कुरौली हरिहर का पूरा

3. भवन दयाल से कुड़री सेमरा केपास बरही के लोग हैं।

2. भोगा के मनोगी के1.श्री नारायण 2.राम जियावन

1. श्री नारायण के 1.कन्तू(ना.) 2. पवारू 3. फेकू

2. पवारू के 1. शीतल 2. पदारथ

1. शीतल के नावल्द पर अल्लोपुर के गौतम ठाकुर राजनाथ का घर नियार में

3. फेकू के 1. देवी 2. भैरो (ना.) 3. रघुवर (ना.) 4. गजराज (ना.) 5. मनराज (ना.)

1. देवी के गनपत के लक्ष्मी के कल्लू के 1. सतीश 2. सरोज 3. राजेश 4. प्रमोद 5. अभिषेक

1. सतीश के सिद्धार्थ

3. राजेश के सार्थक मुरेरी में बसे हैं।

...वीर के 1. रामनाथ (ना.) 2. रामदेव 3. रामजग
2. रामदेव के 1. विजय 2. प्रकाश 3. श्री प्रकाश
1. विजय के आनन्द के 1. तक्ष 2. दक्ष
2. जय प्रकाश के 1. दीपक 2.प्रशान्त
1. दीपक के धैर्य
3. श्री प्रकाश के 1. सवितानन्दन 2. अरविन्द 3.अनुराग

# कुरौली

शुकना के पुत्र देवसी के दारून के कुबेर के बटोर के झंडा के हाकिम के धरहर के ...गा के रामपलट के 1. किशुन दयाल 2. विसुन दयाल

1. किशुन दयाल के शिव प्रगास के . सालिक (ना.) 2. बलभद्र 3. राम नरायण
2. बलभद्र के 1. विंध्येश्वरी 2.बैजनाथ
1.विध्येश्वरी के 1. हरिहर 2. उदयभान 3. समर बहादुर
1. हरिहर के 1. दीप नारायण 2. जगत नारायण 3. विजय नारायण 4. हृदय नारायण
1.दीप नारायण के शशिकान्त के 1. सत्यम 2.शिवम 3. सुन्दरम
1.सत्यम के सक्षम
2. शिवम के कृष्णा
3.सुन्दरम के हर्ष
2. जगत नारायण के राजेन्द्र के विक्रान्त
3. विजय नारायण के 1.प्रताप 2. प्रवीण
1.प्रताप के विभोर
2.प्रवीण के अर्चित
4. हृदय नारायण के 1.अजय 2.जितेन्द्र 3.देवेन्द्र
1. अजय के सौरभ के राजवीर
2. जितेन्द्र के ऋषभ
3.देवेन्द्र के सितांशु

विंध्येश्वरी के दूसरे पुत्र उदय भान के राजन के राहुल के कबीर
राहुल का परिवार मध्य प्रदेश बैतुल में रहता है।

2. सुनील के 1. अंश 2. आरुष 3. आयुष
2. राम नरायण के 1.सियदयाल (ना.) 2. रामटहलके शिवसरुप

## भुड़कुड़ा

पुकार राय के प्रथम पत्नी अस्मल के दो पुत्र 1. रायमल 2. रायब्रह्म
1. रायमल में सुभाव के वंशज गौरी के 1. बेनी 2. नौरंग 3. हरगेन 4. फुलगेन
1. बेनी के 1.अछैबर (ना.) 2. चन्द्रजीत
2. चन्द्रजीत के 1. कल्पनाथ के शम्भूनाथ के 1. अजय 2. रविन्द्र
1. अजय के 1. विकास 2. अंकित
2. रविन्द्र के 1.सूरज (ना.) 2. दीपक
2. नौरंग के 1. मुन्नर 2. भुसेश्वर 3. सर्वजीत (ना.) 4. राम किशोर 5. राम प्रसाद
1. मुन्नर के 1. राम लखन (ना.) 2. रामलगन 3. रामबली
1. रामलखन
2. रामलगन के 1. रामनवल 2.सुदर्शन 3. सत्यदेव
1. राम नवल के 1. त्रिभुवन 2. ओम प्रकाश
1.त्रिभुवन के 1. अश्वनी 2.कौशल
1. अश्वनी के 1.वैभव 2.शशांक
2. ओम प्रकाश के 1. प्रवीण 2. पीयुष
2. सुदर्शन के करुणेन्द्र
3. सत्यदेव के अर्चना
3. रामबली के 1. धवल 2. लाल बहादुर 3. स्वामीनाथ
1. धवल के 1. राम नरायण 2. जीतेन्द्र
1. राम नरायण के 1. विनय 2. विकास
1. विनय के ऋतुराज
2. जितेन्द्र के हिमांशु
2. लाल बहादुर के 1. संजय 2. संतोष
3. स्वामी नाथ के संकल्प
मथुरा के गोकुल के 1. जैश्री 2. जानकी 3. जयगोविन्द

3. जय प्रकाश के शिवम

4. ओम प्रकाश के दो पुत्री

महावीर के सूबेदार के 1. कल्पनाथ 2. शोभनाथ3. गनेश (ना.) 4. लोकनाथ

1. कल्पनाथ के 1. अमर नाथ 2. सुनील 3. अनिल

1. अमरनाथ के मनोज

2. सुनील के 1. इन्द्र प्रकाश 2. विष्णुकान्त

2. शोभनाथ के 1. नन्दलाल के अविनाश

4. लोकनाथ के वीरेन्द्र के आनन्द

गजाधर के रामजग के दशरथ के 1. राम सिंगार के 1. श्रीराम 2. अजीत 3. रणजीत

1.श्रीराम के अरमान

2. अजीत के गोलू

3. रणजीत के 1. अनीष 2. तेजस

इन्नर के अर्जुन के राम नरेश के 1. सुवाष 2. बृजेश

1. सुवाष के रविन्द्र के अनुज 2. रवि

2. बृजेश के सौभ

हमीर के पाल के रामराज के अछैवर के उधो के रामवृक्ष के श्रीराम 2. घनश्याम

1. श्रीराम के पुरु

2. घनश्याम के 1.राज 2. अमन

हमीर के पाल के गजराज के अछैवर के उधो राजेन्द्र के लकी।

## खुटहाँ

महारानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के प्रथम पुत्र रायचान के द्वितीय पुत्र वाल्हन के तृतीय पुत्र शोभने के सिहान के मंगल रायकेमहान राय के गुर दयाल के कोलाहल 1. हनू 2. सुवंश राय

1.हनू राय के कन्हैया के1.सरसा 2. औसानी 3.बस्ती 4. मेहनू

1. सहसा के 1. हरदयाल (ना.) 2. जगत 3. गुरदयाल (ना.) 4. दीनदयाल (ना.) 5.अजोर (ना.)

3. सुखलाल के 1. लछमन (ना.) 2. अर्जुन (ना.) 3. रघुवीर (ना.)

3. रघुवीर के 1. केदार(ना.) 2. केदार (ना.) 3. टेकू (ना.)

4. मेहनू के हरकुँवर के शिपरसन (ना.)

## सिंहपुर

कोलाहल के सुवंश राय के गुलाब के दो पुत्र 1. पहला पुत्र 2. दूसरा पुत्र

1. पहले पुत्र में 1. श्री नारायण 2. राम नारायण (ना.)

1.श्री नारायण के 1. गजन (ना.) 2. निरंजन (ना.) 3. नरेश

3. नरेश के 1. मंगरू 2. साधू (ना.)

1. मगरू के 1.राम अधार (ना.) 2.अभिराज

2. अभिराज के 1. ओमप्रकाश 2. जयप्रकाश 3. हरि प्रकाश

1. ओमप्रकाश के 1. राज कुमार 2. चन्दन 3. शाहिल

1. राज कुमार के 1. वीरप्रताप 2. युगप्रताप

3. हरि प्रकाश के मोहित

## कुण्डा खुर्द

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के बुद्धदेव के जीतसेन के चन्दन राय के कोलराय के बसन्त राय के बलराज के पाँच पुत्र

1.असमान से धरसौना व महदाँ पश्चिम पट्टी

2.मेहरबान से उधोरामपुर

3.रहम के दो पुत्र 1. गुलाब से महदाँ 2. जराव के दो पुत्र 1. शिव दयाल 2.गिरजा

1. शिव दयाल के1. साविन 2. सनेही से रेहारी छावनी 3. शंकर से जवरपुर बलरामपुर 4. शिवदत्त के कुण्डाखुर्द

2. गिरजा से भदवाँ में दो घर

4. शिवदत्त के बसगीत के 1.भिक्खी 2. वस्ती (ना.)

1. भिक्खी के 1. घुरवीर 2. ममता (ना.)

1. घुरवीर के 1. जवाहिर 2. हीरा 3. बहादुर 4. मोती

1. जवाहिर के 1. संग्राम 2. दृगपाल

1. संग्राम के 1. महावीर (ना.) 2. देवकी 3. अमर देव (ना.) 4. रामदेव

2. दारा के अभिषेक

3. दिनेश के 1. राज 2. अनुराग

4. उमेश के पुत्री माही

5. राजेश के पुत्री आस्था

## पटपरा

देवकी के मारकण्डे के रहुरी पत्नी से साहब उर्फ टेगरी के 1. शिव कुमार 2. पूर्णकुमार टेगरी कुण्डाखुर्द से जाकर पटपरा में बस गये हैं।

## भटपुरवा

महारानी मृगा के खेमराज के रायचान के वाल्हन के जयचन्द के शोभने के सिहान के मंगल राय के गुरदराय के कोलहल के 1. हनू 2. सुवंशराय

1. हनूसे खुटहाँ

2. सुवंश राय के गुलाब के दो पुत्र

1. नाम अज्ञात से सिंहपुर

2. नाम अज्ञात सेभटपुरवाँ

गुलाब के दूसरे पुत्र नाम अज्ञात के राम सिंह के 1. शंकर 2. देवी दयाल 3. ठाकुर दयाल

1. शंकर के भगवान के 1. माधो (ना.) 2. गनेश 3. अयोध्या (ना.)

2. गनेश के 1. कालिका (ना.) 2. द्वारिका

2. द्वारिका के हजारी के 1. दूधनाथ 2. गजराज

1. दूधनाथ के 1. राज कुमार 2. जितेन्द्र 3. धीरेन्द्र

1. राज कुमार के श्रध्येय

2. जीतेन्द्र के 1. विकास 2. विभू

3. धीरेन्द्र के प्रशान्त के हरशिव

2. गजराज के राजेन्द्र के सचिन

3. रघुनाथ के झारकण्डे के सतगुरु दयाल के 1. राजेश (ना.) 2. अवधेश

2. अवधेश के राजवीर

2. देवी दयाल के 1. विसेसर 2. जगेसर (ना.) 3. लाल सिंह

2. शम्भूनाथ के 1. जितेन्द्र 2.राघवेन्द्र

1. जितेन्द्र के विकास

2. राघवेन्द्र के 1. अनिरुद्ध 2. शिवेन्द्र

## भदवाँ

महारानी मृगा के तीसरे पुत्र उग्रसेन के बुद्धसेनके जीत सेन के चन्दनराय के कोलराय के बलवन्त राय के बलराज के पाँच पुत्र

1. असमान से धरसौन मदहा प. पट्टी

2. मेहरबान से उधो रामपुर

2. जराव के दो पुत्र 1.शिव दयाल 2. गिरजा

1.शिवदयाल कुण्डाखुर्द रेहारी छावनी जबरनपुर बलिरामपुर

3. रहम के दो पुत्र 1. फुरसत से महदाँ 2. जराव

4. रंजीत का कुछ पीढ़ी के बाद नावल्द

5. गुरुदत्त के ढूण्ढा का खानदान नरकटा में मुसलमान हो गये

जराव के दूसरे पुत्र गिरजा के वंशज दो घर भदवाँ में हैं।

गिरजा के समाहार के 1. मुअलू 2. नारायण

1. मुअलू के 1.उमराव 2. जद्दू (ना.) 3. बुद्धू (ना.) 4. देऊ (ना.) 5. मुसई (ना.) 6. बाबू नन्दन

1. उमराव के राजनाथ के 1. महेन्द्र 2.सुरेन्द्र

1. महेन्द्र के 1.अवनीश 2. मनीष

1. अवनीश के नीकेत

2. सुरेन्द्र के 1.अतुल 2.अजीत

1. अतुल के दो पुत्र

6. बाबू नन्दन के 1. श्रीनाथ (ना.) 2. रामनाथ (ना.)

2. नारायण के सलटन के रामदेव के रघुनाथ

रघुनाथ के 1. राजेन्द्र 2. जयप्रकाश 3. ओम प्रकाश 4.ध्रुव 5. अनिल 6. मुन्ना (ना.)

1.राजेन्द्र के 1. अभिषेक 2. विवेक 3. अनुराग 4. अवधूत 5. अविनाश

1. अभिषेक के रघुराज

2. विवेक के अयांश

3. अनुराग के अनुज

2. जय प्रकाश के परांजल के विक्रान्त प्रताप

3. ओम प्रकाश के 1.शनि 2. विनीत (ना.)

1. शनि के रघुवीर

4. ध्रुव के 1. रोहित 2. गौरव

5. अनिल के आदित्य

## दाऊतपुर

महारानी मृगा के चौथे पुत्र चितऊ बाबा के तीन पुत्र 1. लादा 2. वशिष्ठा 3. शाह

1. लादा के सिदयाल के हुकुम के कंगल के सिलहन्त के राम रक्षा के 1. दाऊ रसराज 3. ढनमन

1.दाऊ के नाम पर ही दाऊतपुर पड़ा है।

1. दाऊ के 1. सरदारी 2. सुमति

1. सरदारी के 1. औधान 2. जहान 3. सिर्वजन (ना.) 4. हिरबल 5. भुजबल

1.औधान के 1. रामजन 2. सिमंजन

1. रामजन के 1. रक्षू 2. नन्दा 3. बिरजा 4. माल (ना.)

1.रक्षू के 1.रघुवीर 2. जदुवीर (ना.) 3. गोकुल (ना.)

1.रघवीर के 1.विक्रमा (ना.) 2.भरथ 3.चरित्तर (ना.)

2. भरथ के रामलखन के 1. केदार 2.छत्रधारी

1.केदार के 1.आशुतोष 2. मोहित

2.सूबेदार के 1.रितिक 2. अभिषेक

2. छत्रधारी के 1.अजय 2. हरवंश

1. अजय के गौरव

2. हरवंश के 1. मुकुल 2. जीतेश

2. नन्दा के रामजतन के 1. मथुरा 2.सुमेर

1.मथुरा के 1. शिवनाथ (ना.) 2.सामू (ना.) 3.कल्पू (ना.) 5. लल्लू (ना.)

2. विवेक के अयांश
3. अनुराग के अनुज
2. जय प्रकाश के परांजल के विक्रान्त प्रताप
3. ओम प्रकाश के 1.शनि 2. विनीत (ना.)
1. शनि के रघुवीर
4. ध्रुव के 1. रोहित 2. गौरव
5. अनिल के आदित्य

## दाऊतपुर

महारानी मृगा के चौथे पुत्र चितऊ बाबा के तीन पुत्र 1. लादा 2. वशिष्ठा 3.कल्याण शाह

1. लादा के सिदयाल के हुकुम के कंगल के सिलहन्त के राम रक्षा के 1. दाऊ 2. रसराज 3. ढनमन

1.दाऊ के नाम पर ही दाऊतपुर पड़ा है।

1. दाऊ के 1. सरदारी 2. सुमति

1. सरदारी के 1. औधान 2. जहान 3. सिर्वजन (ना.) 4. हिरबल 5. भुजबल (ना.)

1.औधान के 1. रामजन 2. सिमंजन

1. रामजन के 1. रक्षू 2. नन्दा 3. बिरजा 4. माल (ना.)

1.रक्षू के 1.रघुवीर 2. जदुवीर (ना.) 3. गोकुल (ना.)

1.रघवीर के 1.विक्रमा (ना.) 2.भरथ 3.चरित्तर (ना.)

2. भरथ के रामलखन के 1. केदार 2.छत्रधारी

1.केदार के 1.आशुतोष 2. मोहित

2.सूबेदार के 1.रितिक 2. अभिषेक

2. छत्रधारी के 1.अजय 2. हरवंश

1. अजय के गौरव

2. हरवंश के 1. मुकुल 2. जीतेश

2. नन्दा के रामजतन के 1. मथुरा 2.सुमेर

1.मथुरा के 1. शिवनाथ (ना.) 2.सामू (ना.) 3.कल्पू (ना.) 5. लल्लू (ना.)

2. समरजीत के 1. सूर्य प्रताप 2. सत्येन्द्र प्रताप
3. कमला के 1. अरुण 2. शिवशंकर
2. झींगन के खेदन (ना.)
4. हिरबल के 1. देवी 2. बैजू
1. देवी के नेवाज के लछिमन के बनवारी (ना.)
2. बैजू के 1. देवसरन 2. प्रयाग (ना.)
2. देवसरन के 1. बासदेव 2. वंशी (ना.)
1. बासदेव के रामबली के 1. दुर्गेश 2. अशोक
1. दुर्गेश के प्रीतम
2. अशोक के चक्रधर
2. सुमति के 1. रामरुप 2. समुझावन
1. रामरूप के कथन के 1. श्री किशुन (ना.) 2. विध्येश्वरी (ना.)
2. समुझावन के गुलजार के रघुनन्दन के 1. नोहर 2. खुन्हर (ना.)
1. नोहर के 1. छविराज 2. जनक
1. छविराज के 1. रामवरत 2. लाल बहादुर
1. राम वरत के राजेश के शुभम के 1. रेयांश 2. देव्यांश
2. लाल बहादुर के 1. मनीष 2. राहुल
1. मनीष के 1. आयुष 2. विराट
2. जनक के उमाशंकर के 1. आलोक 2. ऋषभ
1. आलोक के अर्पित

## रसड़ा

महारानी मृगा के चौथे पुत्र चितऊ बाबा के प्रथम पुत्र लादा के सिदयाल के हुकुम के मंगल के सिलहन्त के रामरक्षा के दूसरे पुत्र रसराज के वंशज रसड़ा में बसे हैं। रसराज के नाम से ग्राम का नाम रसड़ा पड़ा।

रसराज के दमड़ी के 1. प्रहलाद 2. दुर्गे विजय 3. अमान 4. बलजोर

1. अहलाद के धौताल के सिजोर के 1. दवन 2. राम गुलाम

1. दवन के 1. रमेसर 2. परमेश्वर

1. रमेसर के 1. उदित 2. विश्वनाथ 3. बचऊ (ना.) 4. रामबरत

2. संतोष के 1. इसान 2. पीयूष 3.निखिल

2. हवलदार के 1. अरुण 2. जितेन्द्र

1. अरुण के रजनीश

2. जितेनद्र के 1.वैभव 2. रघुवीर

2.विंध्येश्वरी के शिवनाथ (ना.)

# महमूदपुर

महारानी मृगा के चौथेपुत्र चितउबाबा के दूसरे पुत्र वशिष्ठा के धवंकल के लौटन राय के औधान के1.सुर्वन राय 2.कीर्तिराय 3.देवराय 4.उमंडाराय तीसरे और चौथे पुत्र के वंशज रेवनी जिला आरा बिहार में हैं।

1.सुर्वनराय के बलभद्दर के रघुनाथ के 1. सित्तन 2.दुर्गा 3. किशुनदयाल (ना.)

1.सित्तन के 1. भैरो 2.बच्चा (ना.) 4. झिंगुरी

1. भैरो के 1. गुदरी 2.बुद्धू (ना.)

1. गुदरी के 1. अधार (ना.)2. बैजनाथ

2. बैजनाथ के 1. प्रह्लाद 2. कन्हैया

1. प्रह्लाद के 1.भगीरथ 2. कृष्ण कुमार 3. लवकुश

1. भगीरथ के शौर्य

2. कृष्ण कुमार के 1.आरयन 2.भोले

3. लवकुश के अभय

2.कन्हैया के 1. दीपक 2. अजय 3. विजय

1. दीपक के निशान्त

2. अजय के श्रेयांश

2. दुर्गा के गन्धर्व के बलभद्दर के 1. महावीर 2. रामनरेश (ना.) 3. हनुमान

1.महावीर के 1.कैलाश 2. राम विलास

1. कैलाश के 1.नरेन्द्र 2. योगेन्द्र 3. धर्मेन्द्र

1. नरेन्द्र के 1.दीपक 2.अंकित

2. योगेन्द्र के 1.शुभम 2.शिवम

3. धर्मेन्द्र के 1. राहुल 2. रोशन

2. राम विलास के 1. अनिल 2.कपिल

# रामपुर

महारानी मृगा के प्रथम पुत्र खेमराज के तृतीय पुत्र उदयचन्द द्वितीय पुत्र गोपाल राय के ...र्ग राय के 1.नरसिंह भान 2. सूर्यभान 3. वीरभान 4. नन्दभान के लोगों के वंशज ...रौना, सिधौना, नुदीपुर, फरदहा, रामपुर, अनौनी, इटहाँ, पोखरा, टेकुरी, अमेना, ...अली, बहेरी, दीनापुर, छपरा आदि ग्रामों में बसे हैं।

नरेन्द्रा के 1.रामसरन 2. वीरज 3. हरहोरी

1. रामसरन के 1. रामदौर 2. भूपराज 3. लक्ष्मण

1.रामदौर के 1. तेजधारी 2. 2.विन्देश्वरी (ना.)3.महावीर (ना.)

1.तेजधारी के 1.भगवान 2. चन्द्रिका (ना.) 3. शीतला (ना.) नरदत्त

1.भगवान के 1. बलिकरन 2. रामकरन 3.जयकरन 4. शिवकरन

1.बलिकरन के लाल बहादुर (ना.)

2. राम करन के जंग बहादुर के तीन पुत्र

3. जय करन के 1.जगमोहन 2. मनमोहन 3. अवधेश

1. जगमोहन के 1. दीपक 2. गणेश 3. ओम प्रकाश

1.दीपक के सिद्धार्थ

2. गणेश के सत्यम

3. ओम प्रकाश के शाश्वत

2. मनमोहन के 1. शिवाजी 2. आनन्द

1. शिवाजी के अमृत

2. आनन्द के हर्ष

3. अवधेश के सौरभ

4. शिवकरन के 1. शम्भू (ना.) 2. धर्मदेव

2. धर्मदेव के 1. सुनील 2. आश्विन 3. राजकुमार 4.ध्रुव कुमार

1. सुनील के 1.अनुपम 2. अभिषेक

2. आश्विन के अभिषेक

4. नरदत्त के 1 जैगोविन्द 2. शिव गोविन्द

1. जैगोविन्द के 1.राम अधार 2. वीर बहादुर

1. राम अधार के 1.सुरेन्द्र 2. उपेन्द्र